नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 13
अंक : 52
सोमवार, 29 जनवरी से 04 फरवरी 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

केजरीवाल ने चार स्कूलों की रखी आधारशिला 03
अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबाव में तैयार हुआ अंतरिम बजट 08

NCR समाचार

सबसे तेजी से 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने बुमराह 10
खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी मेडीकल लैब टैक्नीशियन की 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
1 साप्ताहिक समाचार पत्र

रश्मिका हर चीज में लेती हैं विजय की सलाह 12

अंतरिम बजट का पूंजीगत व्यय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया जिसमें पूंजीगत व्यय इस प्रकार है :-

कुल बजट	**4765767 करोड़** रुपए
पेंशन	239612 करोड़ रुपए
रक्षा	454773 करोड़ रुपए
सब्सिडी	381175 करोड़ रुपए
कृषि और सम्बंधित गतिविधियां	146819 करोड़ रुपए
वाणिज्य एवं उद्योग	45958 करोड़ रुपए
पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास विभाग	5900 करोड़ रुपए
शिक्षक	124638 करोड़ रुपए
ऊर्जा	76320 करोड़ रुपए
विदेश मंत्रालय	22155 करोड़ रुपए
वित्त मंत्रालय	87642 करोड़ रुपए
स्वास्थ्य	90171 करोड़ रुपए
गृह मंत्रालय	139328 करोड़ रुपए
ब्याज	1190440 करोड़ रुपए
आईटी एवं दूरसंचार	115552 करोड़ रुपए
नियोजन एवं सांख्यिकी	6291 करोड़ रुपए
ग्रामीण विकास	265808 करोड़ रुपए
विज्ञानिक विभाग	32169 करोड़ रुपए
सामाजिक कल्याण	56501 करोड़ रुपए
कर प्रशासन	203297 करोड़ रुपए
राज्यों को हस्तांतरण	286787 करोड़ रुपए
परिवहन	544039 करोड़ रुपए
केंद्रशासित क्षेत्र	65541 करोड़ रुपए
शहरी विकास	77524 करोड़ रुपए
अन्य	123136 करोड़ रुपए

सीतारमण ने पेश किया 2024-25 का अंतरिम बजट

चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

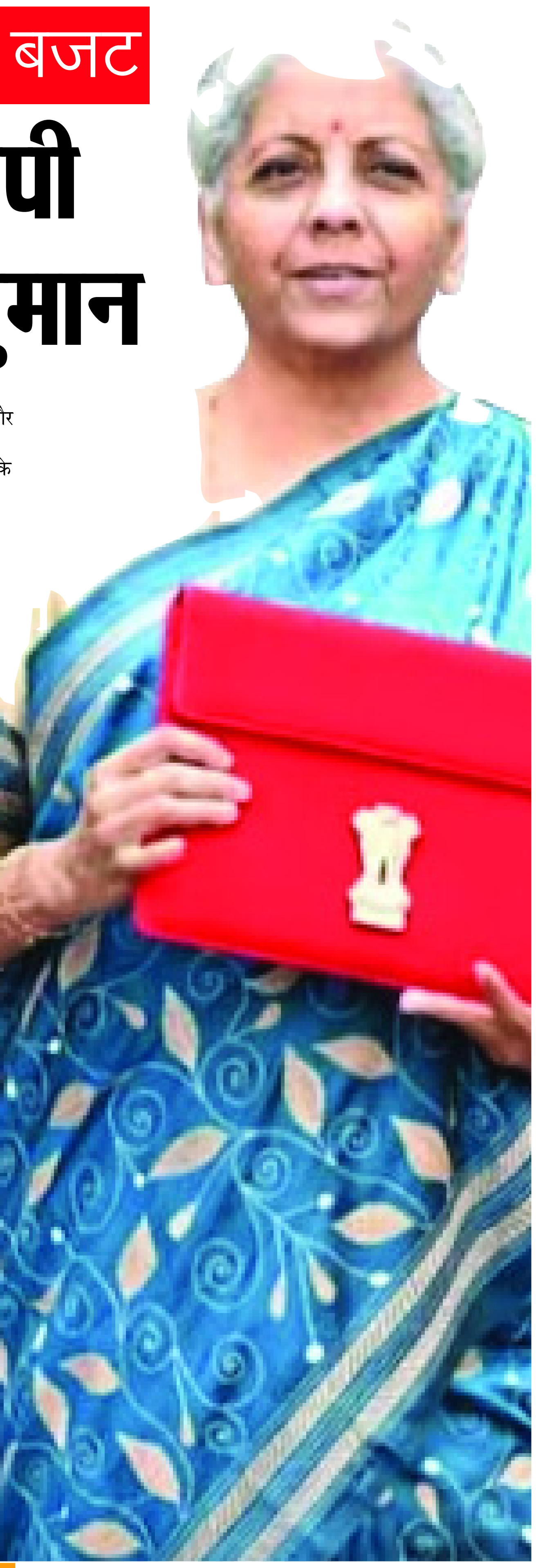

सरकार का फोकस गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता पर केन्द्रितः वित्त मंत्री

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार चार प्रमुख जातियों- 'गरीब', 'महिलाएं', 'युवा' और 'अन्नदाता' के विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर विश्वास करती है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि उनकी आवश्यकताएं, उनकी आकांक्षाएं और उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति तब होती है जब इन चारों जातियों से जुड़े लोग प्रगति करते हैं। इन चारों जातियों के लोगों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास में सरकारी सहायता की आवश्यकता है और उन्हें सरकारी सहायता मिल भी रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके सशक्तीकरण से और उनके कल्याण से देश आगे बढ़ेगा। वित्त मंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार के लिए सामाजिक न्याय एक प्रभावी और आवश्यक शासन पद्धति है। भ्रष्टाचार में कमी से पारदर्शिता आई है और सभी पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार परिव्यय की चिंता न करके परिणामों पर जोर देती है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सरकार सर्वांगीण, सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास के दृष्टिकोण से 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के लिए कार्य कर रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लोगों की क्षमता में वृद्धि करनी होगी और उन्हें सशक्त बनाना होगा।

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया और पिछले चार वर्षों में पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर तीन गुना कर देने के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन पर व्यापक गुणक प्रभाव पड़ रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को नए संसद भवन में वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करते हुये घोषणा की कि अगले वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर 11,11,111 करोड़ रुपये किया जा रहा है जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत होगा। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमान, जिसे वित्त मंत्री के भाषण के साथ पेश किया गया के अनुसार भारत में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपनी दमदार मजबूती का प्रदर्शन किया है और इसके साथ ही उल्लेखनीय वृहद आर्थिक तत्वों को बरकरार रखा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अक्टूबर 2023 में अपने विश्व आर्थिक आउटलुक में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत में अपने विकास अनुमान को संशोधित करके जुलाई 2023 के अनुमानित 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। यह ऐसे समय में भारत की दमदार आर्थिक क्षमता में पूरी दुनिया के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है जब वर्ष 2023 में वैश्विक विकास का अनुमान तीन प्रतिशत पर यथावत रहा है।

आईएमएफ के अनुसार भारत के वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल संभावना है और यह भी अनुमान लगाया गया है कि पांच वर्षों में वैश्विक विकास में भारत का योगदान दो प्रतिशत बढ़ जाएगा। इसके अलावा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे कि विश्व बैंक, आईएमएफ, ओईसीडी, और एडीबी ने वर्ष 2024-25 में भारत में आर्थिक विकास दर क्रमशः 6.4, 6.3, 6.1, और 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक गतिविधियां काफी तेजी से बढ़ने से राजस्व संग्रह में तेज उछाल देखने को मिली है। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह दिसंबर 2023 में 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा है। दरअसल, सातवीं बार सकल जीएसटी राजस्व 1.6 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े के पार चला गया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में उधारियों के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30.80 लाख करोड़ और 47.66 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसी तरह कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण की योजना इस वर्ष जारी रखी जाएगी और कुल परिव्यय 1.3 लाख करोड़ रुपये होगा। पचास वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 75000 करोड़ रुपये का प्रावधान इस वर्ष प्रस्तावित किया गया है, ताकि राज्य सरकारों की 'विकसित भारत' संबंधी उपलब्धियां आधारित सुधारों को लागू करने में आवश्यक सहायता दी जा सके। वित्त मंत्री के 2021-22 के बजट भाषण में की गयी राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की घोषणा के तहत राजकोषीय घाटे को कम करके वर्ष 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत से भी नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसी मार्ग पर अग्रसर होते हुए राजकोषीय घाटा वर्ष 2024-25 में जीडीपी का 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में इसके जीडीपी के 5.8 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। इसी तरह वर्ष 2024-25 के दौरान प्रतिभूतियों के जरिए सकल और शुद्ध बाजार उधारियां क्रमशः 14.13 और 11.75 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है और ये दोनों ही वर्ष 2023-24 के दौरान आंकी गई सकल और शुद्ध बाजार उधारियों से कम होंगी।

अर्थव्यवस्था के कुछ संकेतों का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि उधारियों के अलावा कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 27.56 लाख करोड़ रुपये है जिसमें कर प्राप्तियां 23.24 लाख करोड़ रुपये हैं। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 44.90 लाख करोड़ रुपये है। राजस्व प्राप्तियों 30.03 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से कहीं ज्यादा रहने की आशा है जो देश में विकास की गति तेज रहने और अर्थव्यवस्था के औपचारिकरण को दशार्ता है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान प्रतिभूतियों के जरिए सकल और शुद्ध बाजार उधारियां क्रमशः 14.13 लाख करोड़ और 11.75 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है और ये दोनों ही उधारियां वर्ष 2023-24 की तुलना में कम रहेंगी।

उन्होंने घोषणा की कि वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2023 तक की अवधि के दौरान देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह 596 अरब डॉलर का हुआ है जो स्वर्णिम युग को दशार्ता है और जो वर्ष 2005-2014 के दौरान हुए कुल एफडीआई प्रवाह का दोगुना है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में विदेशी निवेश को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए हम 'पहले भारत को विकसित करो' की भावना के तहत अपने विदेशी साझेदारों के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौतों पर बात कर रहे हैं। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी दृढ़ता के साथ चार प्रमुख जातियों पर भरोसा करते हैं और इसके साथ ही इन पर फोकस करते हैं। चार प्रमुख जातियां ये हैं- गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता। उन्होंने कहा कि इन सभी की जरूरतें, उनकी आकांक्षाएं, उनका कल्याण करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है क्योंकि जब वे तरक्की करते हैं तो देश तरक्की करता है। उन्होंने बताया कि इस सरकार ने विकास के प्रति मानवीय और समावेशी अवधारणा अपनाई है जो अत्यंत उल्लेखनीय है और इसके साथ ही यह 'गांव स्तर तक प्रावधान करने' की पिछली अवधारणा से बिल्कुल हटकर है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में चलाए गए विकास संबंधी कार्यक्रमों ने 'सभी के लिए आवास', 'हर घर जल', 'सभी के लिए बिजली', 'सभी के लिए रसोई गैस', 'सभी के लिए बैंक खाते एवं वित्तीय सेवाओं' के जरिए रिकॉर्ड समय में हर परिवार एवं व्यक्ति को लक्षित किया है।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-यह उनके लिए भावुक क्षण

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न प्रदान करने की सूचना आज सोशल मीडिया पर साझा की । उन्होंने वयोवृद्ध नेता को फोन कर इसके लिए शुभकामनायें दी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर इस सूचना को साझा करते हुए भाजपा नेता आडवाणी के साथ अपने दो पुराने फोटो अपलोड किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से ए क आडवाणीजी का भारत के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने गृहमंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।

उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में आडवाणी जी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के रूप में चिह्नित किया गया है। उनकी राजनीतिक नैतिकता ने अनुकरणीय मानक स्थापित किया है। भाजपा नेता आडवाणी ने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं।

सम्मान की घोषणा से लालकृष्ण आडवाणी भावुक, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

नई दिल्ली। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का धन्यवाद दिया है। उन्होंने इस क्षण में दिवंगत दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद कर कहा कि उन्हें उनके साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

भाजपा के वयोवृद्ध नेता ने वक्तव्य जारी कर कहा कि 14 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यकर्ता बनने के बाद से उन्होंने देश सेवा और उन्हें दिए कार्य को समर्पण को पारितोषिक माना है। वे ह्यइदं न ममह्व से प्रेरित होकर यह मानते रहे हैं कि यह जीवन अपना नहीं बल्कि देश का है। आडवाणी ने अपनी दिवंगत पत्नी कमला और परिवार के साथ उन सभी को याद किया है जिनके साथ उन्हें कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही कामना की है कि देश तरक्की की नित नई ऊंचाइयां छूए। उल्लेखनीय है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को आज राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की गई है। इस घोषणा के बाद पत्रकार उनके आवास पर पहुंचे। यहां वे भावुक अवस्था में मीडिया के सामने आए। आयु के कारण उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि उनका पूरा परिवार बेहद खुश है। आज उन्हें सबसे ज्यादा अपनी माँ (कमला आडवाणी) की याद आ रही है। उनके जीवन में उनका बहुत बड़ा योगदान था। जब उन्होंने सम्मान के बारे में बताया तो वे बहुत खुश हुए। उन्होंने जीवन के इस मोड़ पर उनका सम्मान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और देश के लोगों को धन्यवाद दिया।

शिंदे ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के समर्थन में कोविंद को पत्र लिखा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक साथ चुनाव कराने की अवधारणा का समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार चुनाव कराना अर्थव्यवस्था के लिए सही नहीं है और इससे विकास भी बाधित होता है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद को लिखे एक पत्र में शिंदे ने कहा कि एक साथ चुनाव कराना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा प्रस्तावित "सबसे अहम सुधारों" में से एक है। उन्होंने लिखा, "हमारा दृढ़ विश्वास है कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से केंद्रित और सुचारू शासन मिलेगा। देश के किसी न किसी हिस्से में चुनाव चलते रहने के कारण शासन पर ध्यान केंद्रित करना काफी मुश्किल हो जाता है क्योंकि पूरा ध्यान इन चुनावों को जीतने पर केंद्रित हो जाता है।" उन्होंने 24 जनवरी को लिखे पत्र में कहा था कि "प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और सभी नेता इन चुनावों में भाग लेते हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

छगन भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया : फडणवीस

एनसीआर समाचार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के वरिष्ठ नेता और राज्य कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। फडणवीस ने शनिवार देर रात संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने शनिवार को खुलासा किया कि उन्होंने पिछले साल 16 नवंबर को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार पर मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा में "पिछले दरवाजे से" आरक्षण देने का आरोप लगाया है।

भुजबल ने कहा कि वह दो महीने से अधिक समय तक चुप रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें इस बारे में नहीं बोलने के लिए कहा था। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, "मुख्यमंत्री इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे, लेकिन मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा मैंने या मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है।"

शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं सांसद संजय राउत ने भुजबल के इस खुलासे को "बेकार की बात" करार दिया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा पिछले साल नवंबर में दे दिया था।

राउत ने कहा, "ऐसा बताया जा रहा है कि (कार्यकर्ता) मनोज जरांगे द्वारा मराठा आरक्षण आंदोलन चलाने के खिलाफ भुजबल के गुस्से के पीछे (उपमुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस का हाथ है। दोनों मिले हुए हैं। मैं इस्तीफा दे दूंगा लेकिन आप इसे स्वीकार नहीं करेंगे या आप इस्तीफा दे देंगे लेकिन हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे।"

राज्यसभा सदस्य ने पूछा कि भुजबल का इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है या उपमुख्यमंत्री फडणवीस के पास।

उन्होंने कहा, "हमारा विचार है कि सभी समुदायों को उनके अधिकार मिलने चाहिए, लेकिन दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करने की कीमत पर नहीं।" उन्होंने कहा कि भुजबल का भी यही कहना है।

जरांगे ने रविवार को कहा कि भुजबल मराठा आरक्षण के बारे में अपने बयानों से उपमुख्यमंत्री अजित पवार और फडणवीस को "नुकसान" पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

जरांगे ने जालना के अंतरवाली सरती गांव में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भुजबल के इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि मराठा समुदाय को आरक्षण दिलाने के लिए छेड़-छाड़ करके और फर्जी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जा रहा है। भुजबल ने शनिवार को दोहराया कि वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में नहीं हैं, लेकिन मौजूदा ओबीसी कोटा साझा करने के खिलाफ हैं। वह अजित पवार-नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सदस्य हैं।

वरिष्ठ ओबीसी नेता ने कहा, "बर्खास्त करने की कोई जरूरत नहीं है।

युवा निरोगी जीवन के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एनसीआर समाचार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि निरोगी जीवन के लिए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता है। देश में 'यंग इंडिया', 'फिट इंडिया' तथा 'खेलो इंडिया' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। यह परंपरा युवाओं को स्वस्थ और गतिशील बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

शर्मा ने रविवार को 'संस्कृति युवा संस्था' और 'वर्ल्ड ट्रेड पार्क' द्वारा आयोजित 15वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्त जीवन शैली के कारण लोग स्वस्थ जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। देर रात तक जागने और सुबह देरी से उठने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "राज्य सरकार प्रदेशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करने और खेलकूद को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेगी। प्रदेश में खेल सुविधाओं को विकसित किया जाएगा और सरकारी स्कूलों व कॉलेजों समेत खेलों के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों में अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे जिससे वे देश और दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, "राजस्थान स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर अन्य प्रदेशों से अग्रणी है। यह वीरों की भूमि है। यहां के युवा सेना में शामिल होकर देश की सेवा के लिए उत्साहित रहते हैं, इसलिए वे अपने स्वास्थ्य एवं फिटनेस पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के गांवों, कस्बों तथा शहरों में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां सुबह जल्दी उठकर दौड़ लगाते एवं व्यायाम करते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर मैराथन लोगों में बढ़ती खेल भावना का प्रमाण है और एक ऐसा आयोजन है, जिससे आगामी वर्षों में भविष्य के एथलीट अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, "यह आयोजन हमें धैर्य, संघर्षशीलता और समर्पण के महत्व को समझाता है तथा जयपुर के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को प्रदर्शित करता है।"

मेरे लोकसभा उम्मीदवार को वोट दें: अजित पवार ने समर्थकों से कहा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए अपने समर्थकों से रविवार को कहा कि "वे उनकी बात उसी तरह सुनें जैसे वे पहले एक वरिष्ठ की सुनते थे।"

अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में राकांपा को तोड़ दिया था और आठ विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार ने तब से अपने विद्रोह को लगातार यह कहते हुए उचित ठहराया है कि वरिष्ठों को अगली पीढ़ी को रास्ता देना चाहिए था। अजित पवार का यह इशारा परोक्ष रूप से शरद पवार की ओर था। उपमुख्यमंत्री पवार ने पुणे जिले के बारामती में एक जनसभा में कहा, "आपने इतने सालों तक एक वरिष्ठ की बात सुनी। अब मेरी बात सुनें और जिस लोकसभा उम्मीदवार को मैं खड़ा करने जा रहा हूं उसे वोट दें। मैं फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बता सकता हूं कि लोगों ने मेरे उम्मीदवार को वोट दिया है। यह मत भूलिये कि जब आप मुसीबत में थे तो मदद के लिए कौन आया था।" बारामती से विधायक अजित पवार ने कहा कि ह्ययदि आप अच्छा काम करना चाहते हैं, तो आपको इसके लिए कुछ आलोचना स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए।" नाम लिये बिना शरद पवार पर निशाना साधते हुए उप मुख्यमंत्री पवार ने कहा, "पता नहीं कुछ लोग कब रुकेंगे। हो सकता है कोई भावुक अपील हो कि ये आखिरी चुनाव होगा। पता नहीं कौन सा आखिरी चुनाव होगा। शरद पवार 1960 के दशक के उत्तरार्ध से विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपराजित रहे हैं और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं।

ब्यावर में श्री हनुमान कृपा महोत्सव का आयोजन

एनसीआर समाचार

ब्यावर। राजस्थान के ब्यावर में श्री सीमेंट परिसर में स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में चार दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया।

एक से चार फरवरी तक आयोजित वार्षिकोत्सव के तहत धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसमें अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत शनिवार को मंदिर में मंगला आरती, श्रंगार आरती, हनुमानजी का अभिषेक, पूजन, हवन एवं पूणार्हुति (गर्भगृह) आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रविवार को भी हनुमान कृपा महोत्सव के आखिरी दिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री सीमेंट के एमेरिटस चेयरमैन बीजी बांगड़ ने कहा कि संकट मोचन हनुमान की कृपा हमारे ऊपर शुरू से ही रही है। जबसे हमने प्रांगण में हनुमानजी प्रतिमा स्थापित की है उसके बाद निरंतर प्रगति कर रहे हैं। श्री सीमेंट के चेयरमैन एचएम बांगड़ ने श्री हनुमान जी की कृपा पर विस्तार से चर्चा की। कंपनी के वाइस चेयरमैन प्रशांत बांगड़ ने महोत्सव के आयोजन और उद्देश्यों के बारे में बताया। कंपनी के प्रबंध निदेशक नीरज अखौरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर श्री सीमेंट के संस्थापक परिवार के सभी सदस्यों के अलावा कंपनी के कर्मचारी एवं गणमान्य लोग थे।

स्थानीय श्रद्धालुओं का मानना है कि सन 2000 में जब से श्री संकटमोचन हनुमान की स्थापना हुई है तब से इस संस्थान के साथ ही ब्यावर ने भी उन्नति के नए आयाम स्थापित किए हैं।

भक्त शिरोमणि श्याम वर्ण हनुमान के इस मंदिर के प्रांगण में कदम रखते ही श्रद्धालुओं को अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की याद आ जाती है। काले पाषाण से बनी इस मूर्ति को देखने के साथ ही भक्तों की आंखों के सामने रामलाल की प्रतिमा उभर आती है। पिछले चौबीस सालों से यह मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था एवं विश्वास का केंद्र है।

उल्लेखनीय है कि गत 22 जनवरी को अयोध्या में श्याम वर्ण प्रभु श्रीराम जी की जहां प्राण प्रतिष्ठा हुई है। राजस्थान में श्याम वर्ण हनुमान जी का मंदिर जयपुर के जलमहल के सामने गुर्जर घाटी के पास परशुरामद्वारे में जयपुर की स्थापना के समय से है। उसके बाद जयपुर के ही चांदी की टकसाल पर श्याम वर्ण हनुमान जी का मंदिर है।

एक नजर

मोहन यादव सुशासन प्रशिक्षण वर्ग में हुए शामिल

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मंत्री परिषद के सदस्यों के लिए सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में सुशासन प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत जारी लीडरशिप समिट दूसरे दिन के प्रथम सत्र में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का स्वागत औषधि पौधा भेंट कर किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार समिट के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने प्रशासनिक समन्वय और विधानसभा कार्य प्रणाली पर अपने विचार रखें। प्रथम सत्र में बजट, मंत्रालयीन कार्यप्रणाली, कार्य आवंटन नियम, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना पर चर्चा होगी। इसके साथ ही प्रशासनिक संरचना, मीडिया प्रबंधन और समन्वय व सुशासन में प्रौद्योगिकी के महत्व पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। दोपहर के सत्र में अन्य राज्य सरकारों की सफल योजनाएं तथा इंदौर के स्वच्छ एवं विकसित शहर के रूप में उभरने की यात्रा पर चर्चा होगी। डॉ मोहन यादव लीडरशिप समिट के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। सत्र में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा राजेंद्र शुक्ला, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल सहित अन्य मंत्री उपस्थित हैं।

कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में 50 साल बाद देखे गये बाघ

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में कृष्णागिरी जिले के कावेरी नॉर्थ वन्यजीव अभयारण्य में ज्वालागिरी रेंज के आरक्षित वनों में 50 वर्ष के अंतराल के बाद दो बाघ देखे गये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बाघों को वन विभाग द्वारा लगाये गये कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड किया गया था। मुख्य वन्यजीव वार्डन श्रीनिवास आर. रेड्डी ने कहा कि होसूर की वन्यजीव वार्डन सुश्री के. कार्तिकेयनी ने बताया है कि दो बाघों की प्रत्यक्ष रिकॉर्डिंग है, जिनमें से एक नर बाघ 4-5 वर्ष के आयु वर्ग में और दूसरा बाघ 8-9 वर्ष के आयु वर्ग में है। इन दोनों बाघों की तस्वीरें जनवरी 2024 के महीने में ज्वालागिरी रेंज में रिजर्व वन क्षेत्रों के अंदर लगाये गये कैमरा ट्रैप के माध्यम से रिकॉर्ड की गयीं। ज्वालागिरी रेंज हाल ही में अधिसूचित कावेरी साउथ वन्यजीव अभयारण्य के निकट है जो संरक्षित क्षेत्र का एक हिस्सा है। बाघों की उपस्थिति संरक्षण प्रयासों की सफलता को दशार्ती है तथा इससे यह भी पता चलता है कि भनेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान और आस-पास के संरक्षित क्षेत्रों से बाघों की आबादी को समायोजित करने के लिए यह आवास व्यवहार्य है।

उत्तराखंड के चार जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी, अलर्ट

देहरादून, एजेंसी। मौसम विभाग ने रविवार अपराह्न उत्तराखंड के चार जिलों और पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला तथा किन्नौर जिलों में अगले 24 घंटे के भीतर हिमस्खलन का पूर्व अनुमान व्यक्त किया। इसके बाद, इन स्थानों पर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, उत्तराखंड के चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिले तथा हिमाचल प्रदेश के किन्नौर एवं शिमला में अगले चौबीस घंटे के दौरान, हल्के खतरनाक हिमस्खलन की आशंका व्यक्त की गयी है।

इस सूचना के बाद, उपरोक्त क्षेत्रों मे राहत बलों के साथ आम जनता को सुरक्षित स्थानों पर रहने का परामर्श जारी किया गया है।

विवाद को लेकर मप्र में थाने पर प्रदर्शन, एक गिरफ्तार

दमोह (मप्र), एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह शहर में एक दर्जी और दूसरे समुदाय के कुछ लोगों के बीच हुए विवाद के कारण उनमें झड़प हो गई, जिसके बाद समुदाय के कई सदस्यों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अभिषेक तिवारी ने कहा कि पुलिस ने शनिवार रात हुई घटना के संबंध में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उनमें से एक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि कपड़े सिलने को लेकर चार लोगों का एक दर्जी से विवाद हो गया जिसके कारण शनिवार रात उनके बीच हाथापाई हो गई। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार घटना के दौरान एक मौलवी के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग कोतवाली थाने के बाहर जमा हो गए और प्रदर्शन किया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हमीरपुर की 68 ग्राम पंचायतों ने किया क्षय रोग मुक्त होने का दावा

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले की 248 ग्राम पंचायतों में से 68 ने क्षय रोग से मुक्त होने का दावा किया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आर के अग्निहोत्री ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले के सभी विकास खंडों में स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास विभाग के एक संयुक्त दस्ते का गठन किया गया है जो 29 फरवरी तक अपने-अपने क्षेत्रों में इन पंचायतों में क्षय रोग के मामलों की जांच करेगा। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 248 में से 68 ग्राम पंचायतों ने क्षय रोग मुक्त होने के लिए अपने दावे पेश किए हैं। उन्होंने बताया कि इन दावों की सत्यापन रिपोर्ट जिला स्तरीय टीम को सौंपी जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार में 'गिरोहों के बीच लड़ाई' छिड़ गई है: उद्धव

सावंतवाड़ी (महाराष्ट्र), एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में "गिरोहों के बीच लड़ाई" छिड़ गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समझना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई अन्य दलों को तोड़कर उनके नेताओं को इसमें शामिल करने के कारण "कमजोर" हो गई है। उद्धव ठाकरे के पुत्र एवं शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में "गिरोहों के बीच लड़ाई" का नेतृत्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कर रहे हैं।

उद्धव एवं आदित्य ठाकरे ने ऐसे समय में ये टिप्पणियां की हैं, जब दो दिन पहले ठाणे जिले में एक भूमि विवाद को लेकर भाजपा के विधायक गणपत गायकवाड़ ने शिवसेना (मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट) के स्थानीय नेता महेश गायकवाड़ को गोली मार दी थी। विधायक गणपत गायकवाड (56) को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिवसेना की कल्याण इकाई के प्रमुख महेश गायकवाड (40) की हालत गंभीर है।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 1990 के दशक में पिछली शिवसेना-भाजपा सरकार ने मुंबई में 'अंडरवर्ल्ड' गिरोहों की कमर तोड़ दी थी।

उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के किसी सहयोगी का नाम लिए बिना कहा, "लेकिन अब मौजूदा सरकार में गिरोहों के बीच युद्ध छिड़ गया है। तीसरा गिरोह 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले में डूबा हुआ है और इसलिए उसके पास सिर उठाने का समय नहीं है।"

उन्होंने कहा कि मोदी को यह समझना चाहिए कि अन्य दलों को तोड़ने और उनके नेताओं को अपने पाले में लाने की प्रवृत्ति के कारण भाजपा की राज्य इकाई "कमजोर" हो गई है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह किसी व्यक्ति विशेष के विरोधी नहीं हैं, बल्कि झूठ और तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि देश को पूर्ण बहुमत वाली सरकार की नहीं, बल्कि विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा गठित 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' (इंडिया) के शासन की जरूरत है, जो सभी को साथ लेकर चलेगा।

उन्होंने कहा, "अगर भाजपा (कुछ महीनों में होने वाले) लोकसभा चुनावों में फिर से जीतती है, तो अगले साल कोई गणतंत्र दिवस नहीं होगा।"

उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के लगातार दौरे कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "वह जब भी आते हैं, राज्य से कुछ न कुछ गुजरात ले जाते हैं। सिंधुदुर्ग में कोंकण तट पर नौसेना दिवस मनाया गया।

पाकिस्तान के कराची में तेज बरसात से जनजीवन थमा

कराची, एजेंसी। पिछले 24 घंटे से हो रही तेज बरसात ने आज पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची की सूरत बिगाड़ दी। शहर के कई हिस्से जलमग्न हैं। आज सुबह शहर के सुरजानी, उत्तरी कराची, बफर जोन, नागन चौरंगी, स्कीम 33 और इसके आसपास के इलाके में जमकर बारिश हुई है।

जिओ न्यूज ने पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के हवाले से कहा है कि कराची में बादल छाए रहेंगे। महानगर के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। कराची का अधिकतम तापमान 19.9 डिग्री सेल्सियस है। उत्तर-पूर्व से आठ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। दोपहर बाद हवा की गति 20-25 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है।

जिओ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शहर के तमाम इलाकों में जाम लगा हुआ है। इस वजह से

कय्यूमाबाद चौरंगी, चुंदरीगर रोड, बर्न्स रोड, आर्ट्स काउंसिल, गोदाम चौरंगी से चमरा चौरंगी तक कोरंगी औद्योगिक क्षेत्र रोड, शमा सेंटर के पास शाह फैसल कॉलोनी क्षेत्र में लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। कई जगह सीवेज के साथ बारिश का पानीघरों और अस्पतालों में घुस गया है।

शहर की मुख्य सड़क शारिया फैसल के कुछ हिस्से पूरी तरह से पानी में डूब गए हैं। कई जगह कारें फंस गई हैं। बारिश का पानी ड्रिघ रोड अंडरपास में अभी तक भरा हुआ है।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से तीन की मौत, 13 घायल

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में उत्तरी सुमात्रा के तपनौली में भूस्खलन से अवरुद्ध राजमार्ग पर फिर से भूस्खलन होने से कार में सवार एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने रविवार को बताया कि स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम पांच बजे तरुतुंग-सिबोल्गा राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम के बीच सड़क के किनारे की चट्टान अचानक गिर गई, जिससे कई वाहन प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, "मृतकों में कार में सवार पति, पत्नी और एक बच्चा शामिल हैं।" सात लोग मामूली रूप से घायल हो गए और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।भूस्खलन में एक घर, पांच मिनी बसें, एक रसद ट्रक और कुछ मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। भूस्खलन का मलबा हटाने के बाद आज सुबह सड़क पर आवागमन शुरू हो गया है। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने यहां तेज हवा के साथ जारी भारी वर्षा करीब पांच फरवरी तक होने और अधिक बाढ़ तथा भूस्खलन की चेतावनी दी है।

पाकिस्तान की राजनीति में पीटीआई की भविष्य की संभावनाएं

इस्लामाबाद, एजेंसी। 2013 के आम चुनावों में देश में एक प्रमुख राजनीतिक दल के रूप में उभरे पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का भविष्य, इसके संस्थापक इमरान सहित पार्टी के कई नेताओं के नामांकन पत्र को पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा खारिज करने के कारण खतरे में है। पूर्व प्रधान मंत्री, खान भ्रष्टाचार और गुप्त दस्तावेज के दुरुपयोग के आरोप में क्रमशः 14 साल और 10 साल की जेल की सजा काट रहे हैं, लेकिन उन्हें बड़ी संख्याो में लोगों का प्यार और समर्थन प्राप्त है।

पीटीआई ने अपना चुनाव चिह्न 'बल्ला' भी खो दिया, इससे पार्टी के नामांकित उम्मीदवारों के पास स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। पीटीआई और उसके नेता इमरान खान के तस्वीर से बाहर होने के कारण, कई लोगों का मानना है कि चुनाव की रूपरेखा पहले ही तय हो चुकी है, देश "चुनाव" के बजाय "चयन" की एक और प्रक्रिया की ओर बढ़ रहा है।

ऐसा माना जाता है कि इस्लामाबाद में खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई, 2023 को भड़के दंगे, जिसमें गुस्साए पार्टी समर्थकों ने देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया, पीटीआई और उसके नेतृत्व के पतन का प्रमुख कारण बन गया।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक जावेद सिद्दीकी ने कहा, "ऐसा लगता है कि सीओएएस (सेना प्रमुख) जनरल सैयद असीम मुनीर के तहत सैन्य प्रतिष्ठान ने 9 मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने की सजा के तौर पर पीटीआई को हटाने और नष्ट करने का फैसला किया है।"

उन्होंने कहा,"हम पीटीआई, इसके कार्यकताओं, इसके नेताओं और इसके संस्थापक को खुलेआम, स्पष्ट और लक्षित तरीके से खत्म करते हुए देख रहे हैं, क्योंकि जो कोई भी पीटीआई के झंडे के साथ अपने घर से बाहर आने की कोशिश करता है, उसे हिरासत में ले लिया जाता है। पार्टी को विरोध करने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि राजनीतिक प्रचार के लिए बैठक करने की भी नहीं। इसके उम्मीदवार अब स्वतंत्र क्षमता में कई चुनाव प्रतीकों के तहत चुनाव लड़ रहे हैं। यह अब लगभग सभी के लिए स्पष्ट है कि पीटीआई को जानबूझकर इन चुनावों से बाहर रखा गया है।"

पीटीआई पर विश्लेषण का एक अलग संस्करण अभी भी बना हुआ है कि भले ही वह आगामी चुनाव नहीं लड़ रही हो, लेकिन नई निर्वाचित सरकार के गठन के बाद पार्टी स्वयं सैन्य प्रतिष्ठान के लिए एक प्रमुख संपत्ति हो सकती है। "पीटीआई और खान ने अपने बारे में कई दिलचस्प तथ्य साबित किए हैं। ऐसे लोगों का एक समूह है, जो पार्टी की नीति से ज्यादा खान का अनुसरण करते हैं। राजनीतिक विश्लेषक अयूब खान ने कहा, "वे विरोध प्रदर्शन, सड़क पर शक्ति प्रदर्शन, प्रतिरोध अभियान और लंबे मार्च के माध्यम से किसी भी सरकार को झटका दे सकते हैं, जो अतीत में बहुत प्रभावी साबित हुए हैं और सत्तारूढ़ सरकारों को अपने नियंत्रण में रखा है।"

केजरीवाल ने चार स्कूलों की रखी आधारशिला

मुझे भाजपा में शामिल होने के लिए कहा जाता है.., लेकिन मैं झुकूंगा नहीं : केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को दिल्ली के किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में चार स्कूलों के निर्माण का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम लोग दिल्ली में स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक आदि बना रहे हैं। लोगों को मुफ्त बिजली पानी दे रहे हैं। इसलिए बीजेपी हमारे पीछे पड़ी है। केजरीवाल ने लोगों से कहा कि बीजेपी ने ईडी, सीबीआई सबको हमारे पीछे छोड़ दिया है। लेकिन हम झुकने या डरने वाले नहीं हैं बस आप लोगों अपना आशीर्वाद बनाए रखना। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक अस्पताल का उदघाटन करने जाते हैं तो दूसरी पार्टी के लोग हमारी हाय-हाय करने पहुंच जाते हैं।

इन लोगों को जनता के साथ गंदी हरकत नहीं करना चाहिए। क्योंकि लोगों के बच्चों को शिक्षा देने के लिए हम लोग काम करने जा रहे हैं। दिल्ली में एक समय स्कूलों की इतनी बुरी हालत थी कि गरीबों को मजबूरी में सरकारी स्कूल में भेजना पड़ता था। प्राइवेट स्कूल में भेजने की हैसियत नहीं थी।

ईडी, सीबीआई आशीर्वाद के आगे हैं

छोटे अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज ये लोग हमारे पीछे पड़े हुए हैं। मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया कि हमने भ्रष्टाचार किया है। आज इन लोगों ने सारी एजेंसियों को संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, सतेंद्र जैन के पीछे छोड़ दी। उनका क्या कसूर है? मनीष सिसोदिया का कसूर है कि वह अच्छे स्कूल बना रहे थे। सतेंद्र जैन अच्छे अस्पताल बना रहे थे। इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

इन्होंने सारे षड्यंत्र रच लिए लेकिन उन्हें झुका नहीं सके। स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक तो बनते रहेंगे। भले ही अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दो। आज ये लोग हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे हैं क्योंकि हमारे पास दिल्ली के करोड़ों लोगों का आशीर्वाद है। हम झुकने वाले नहीं हैं। ये लोग कहते हैं कि बीजेपी में आ जाओ हम छोड़ देंगे। हम कतई नहीं आएंगे। हमने कौन सा गलत काम किया है जो बीजेपी में शामिल हो जाएं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे कुछ नहीं चाहिए बस आप लोगों का आशीर्वाद चाहिए। दिल्ली वालों के आशीर्वाद का मैं सात जन्मों में कर्ज नहीं चुका सकता। बस आशीर्वाद बनाए रखें।

उनकी ईडी, सीबीआई, दिल्ली पुलिस सारे आपके आशीर्वाद के आगे छोटे पड़ जाते हैं। आज चार सरकारी के स्कूलों के शिलान्यास के दौरान पहुंची इतनी भीड़ बता रही है कि उन्हें उम्मीद है कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। गरीबों में उम्मीद जागी है कि उनके बच्चे पढ़कर डॉक्टर, इंजीनियर बन सकेंगे। चार नए स्कूलों से 10 हजार बच्चों के शिक्षा का इंतजाम किया जा रहा है। एक साल में स्कूल बनकर तैयार हो जाएंगे। इसके लिए विधायक ऋतुराज झा का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पीछे पड़कर डीडीए से जमीन व शिक्षा विभाग से स्कूल बनवाने की अनुमति ली। क्षेत्र में पहले 10 स्कूल बेहाल थे। हमने उन्हें सुधारा। किराड़ी विधानसभा में 20 स्कूल हो जाएंगे।

पूरी दिल्ली में सरकारी स्कूलों में सुधार किया। कुछ इलाकों में स्कूलों की कमी है। उन इलाकों में भी स्कूल बनाएंगे। स्कूलों में शानदार लैबोरेटरी बनाई जाएगी। प्राइवेट स्कूलों से ज्यादा सरकारी स्कूलों में सुविधाएं देंगे। केंद्र सरकार स्कूल व अस्पताल पर सिर्फ 4 प्रतिशत खर्च कर रही सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो फरवरी को पूरे देश का बजट आया। केंद्र सरकार स्कूल और अस्पताल पर सिर्फ 4 प्रतिशत खर्च कर रही है। दिल्ली सरकार अपने बजट से 40 प्रतिशत स्कूल और अस्पताल पर खर्च करती है। मैं दिल्ली के दो करोड़ लोगों को अपना परिवार मानता हूं। भगवान ने मुझे सब कुछ दिया है। जो शिक्षा मेरे देश ने मुझे और मेरे बच्चों को दी, वही शिक्षा देश के अन्य बच्चों को देने के लिए काम कर रहा हूं। बीमार होने पर अच्छा इलाज मिले। यही मैंने भी सोचा। पूरी दिल्ली में हमने मोहल्ला क्लीनिक बनवाया। किराड़ी विधानसभा में 20 मोहल्ला क्लीनिक हैं। दिल्ली में हमारे 35 अस्पताल हैं, जिनमें सारा इलाज मुफ्त मिलता है। यहां पर जो अस्पताल बन रहा है।

उनकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। उसे मैं बनवाउंगा। 3 हजार सकड़ें बनवाई, 2 हजार और बनवाएंगे अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में सबसे ज्यादा राजनीति कच्ची कालोनी में रहने वाले लोगों के साथ हुई है। किसी पार्टी ने कच्ची कालोनी के लोगों के लिए कुछ नहीं किया सिर्फ वोट लिया। आज सारी कच्ची कालोनियों के अंदर हमलोग सड़कें बनवाने के साथ सीवर व पानी की पाइप लाइन डलवा रहे हैं। हमें कुल 5 हजार सड़कें बननी हैं, जिनमें से 3 हजार सड़कें बन चुकी हैं।

कैंसर के विरुद्ध डिफेंस कॉलोनी में वॉक का आयोजन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। चौ. सोहनलाल-संतोष चैरिटेबल ट्रस्ट व आनकोप्लस हस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर अस्पताल के परिसर से एक पदयात्रा का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को कैंसर जैसी घातक बीमारी के प्रति लोगों कोजागरुक करना था। वाक की शुरुआत हस्पताल के डायरेक्टर व मुख्य अतिथि वासु गर्ग ने की। वाक डिफेंस कालोनी के बी ब्लाक, सी ब्लाक डिफेंस कालोनी मार्किट से होते हुए गुरुद्वारा रोड कोटला मुबारिक पुर, खैरपुर गांव, उदय चन्द मार्ग जगराम मंदिर गली, धर्म भवन वजीर नगर से होते हुए आनकोप्लस अस्पताल में जाकर समाप्त हुई। इस अवसर पर एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल के कैंसर विशेषज्ञ डा. अभिनव द्वारा लोगों को कैंसर के प्रति जागरुक किया गया।

उन्होंने कहा कि कैंसर कई तरह के होते हैं जैसे ब्लड कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, ब्रेन कैंसर, स्तन कैंसर, मुंह का कैंसर आदि। वजन में कमी होना, बुखार होना, भूख में कमी, हड्डियों में दर्द होना कैंसर के लक्षण हो सकते है ऐसी स्थिति होने पर अपने डाक्टर को दिखाना चाहिए। डा.दीक्षित और डा.अनुग्रह के नेतृत्व में लोगों का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हड्डियों की जांच, ई.सी.जी., फेफड़ों की जांच व आंखों की जांच की गई। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के चेयरमैन संजय कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि कैंसर अब लाईलाज नहीं है अगर वक्त पर इसकी पहचान हो जाए तो न सिर्फ काबू में आ सकता है बल्कि कई मामलों में ठीक भी हो सकता है। शिविर को सफल बनाने में अमित भटनागर, अमनदीप, उत्तम शर्मा व फरीद का सराहनीय योगदान रहा।

ओएनजीसी के सामाजिक दायित्व के अंतर्गत स्कूल में मुफ्त स्कूल बैग, पानी की बोतल, लंच बॉक्स वितरण

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अभ्युदय ट्रस्ट दिल्ली ने ओएनजीसी के सामाजिक दायित्व के अतर्गत दिल्ली नगर निगम प्रतिभा विद्यालय पूर्वी लोनी रोड में बच्चों को स्कूल बेग, लंच बॉक्स, एवं पानी बॉटल का मुफ्त वितरण किया, इस मौके पर ओएनजीसी की ओर से श्री सुशील कुमार जी एवं उपनिदेशक शिक्षा दिल्ली नगर निगम श्री राम किशन भारती जी

की गरिमय उपस्थिति रही, उन्होंने अपने सयुक्त भाषण में संस्था की भूरी भूरी प्रसंसा की और कहा मदद के लिए सभी को आगे आना चाहिए, आरडब्ल्यू अध्यक्ष श्री देवेंद्र शर्मा जी एवं प्रधानाचार्य श्री पालीवाल जी थे, संस्था के अध्यक्ष ने बच्चों एवं अभिभावकों को उनके स्वछता एवं स्वास्थ्य जागरुकता पर चर्चा की और कहा कि बच्चे देश के भविष्य है इनके स्वछता स्वास्थ एवं शिक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए ,इस मौके पर आरडब्ल्यू अध्यक्ष श्री देवेंद्र शर्मा , प्रधानाचार्य श्री राम कुमार पालीवाल जी, सीमा शर्मा, गौरव शर्मा, सभी अध्यापक एवम् लगभग 500 अभिभावक उपस्थित थे, लगभग 1200 कीट वितरित की गई

दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने लोगों का मनमोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आईटीओ स्थित हिन्दी भवन में एक गैर लाभकारी संस्था आस एन एसोसिएशन फॉर सोशल वैलफेयर रजि. के प्रयास द्वारा दिव्यांग, नेत्रहीन, मूक एवं बधिर बच्चों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आस का प्रयास 2024 का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम स्थल को रंग बिरंगे फूलों से सजाया हुआ था। कार्यक्रम की शुरूआत दिव्यांग बच्चों द्वारा गणेश वंदना व मुख्य अतिथि माता जय कौर पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन श्री सुरजीत सिंह व संस्था की अध्यक्षा ललिता गुप्ता, मुख्य संरक्षक लाला जगदीश प्रसाद, चेयरमैन राजेश मल्होत्रा, वाइस चेयरमैन प्रवीन झलान, सह-सचिव अरविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष राहुल मित्तल व रामकिशन अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोगों द्वारा दीप प्रज्वलित कर गई थी। विश्व गुरु भारत नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जनों दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया था। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उपस्थित सभी लोगों का मनमोह लिया। सभी दिव्यांग, नेत्रहीन, मूक एवं बधिर बच्चों को स्मृति चिन्ह व नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया था। आस की अध्यक्षा ललिता गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर नेत्रहीन, शारीरिक व मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों उपयोग में आने वाली वस्तुएं प्रदान कर सहायता प्रदान की गई, जिसमें स्वेटर, कंबल, दाल-चावल-मसाले, कॉपियां, नेत्रहीन छात्रों के लिए बैंत, ब्रेल पेपर, व्हीलचेयर, कान के सुनने की मशीन आदि शामिल थे। संस्था के राहुल मित्तल ने बताया कि संस्था का उद्देश्य एक बेहतर और सर्व समावेशी समाज का निर्माण करना है, जिसमें सभी लोगों को समान अवसर हासिल हो सके।

बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने श्रीवासपुरी में किया पार्किंग का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को दिल्ली के श्रीवासपुरी में दक्षिणी दिल्ली से बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने एक पार्किंग का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मामले पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि पार्किंग अवैध है और इसको लेकर नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई।

वहीं, सांसद रमेश बिधुड़ी ने कहा कि जनता के लिए किया गया काम वैध होता है और यह पार्किंग हमारे स्थानीय निगम पार्षद राजपाल सिंह के प्रयासों से बना है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस पार्किंग को अवैध बता रहे हैं। उनको अपने गिरवान में झांकना चाहिए। इस देश में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अवैध रह रहे हैं। रोहिंग्या अवैध हैं। उस पर उन्होंने कभी नहीं बोला। जनता के लिए जो काम होता है वह सब वैध होता है। मोदी जी का मानना है कि जनता के विकास और जनता के सुविधाओं के लिए किया गया हर काम वैध है।

उन्होंने कहा कि ये जनता की जमीन थी और जनता को पार्किंग के रूप में समर्पित की

गई है। यहां से स्थानीय हमारे निगम पार्षद राजपाल सिंह ने यहां पर प्रयास कर यहां पर साफ-सफाई किया है और इसको क्षेत्र के लोगों को पार्किंग के रूप में समर्पित किया है। यहां पर पार्किंग की बड़ी समस्या है। इस पार्किंग से लोगों को राहत मिलेगी और आने वाले समय में यहां पर और अच्छे से पार्किंग को निर्मित किया जाएगा। फिलहाल इसको शुरू कर दिया गया है। स्थानीय निगम पार्षद राजपाल सिंह ने बताया कि हमने यहां पर पार्किंग बनाया है। यहां पर लोगों को काफी लंबे समय से पार्किंग की समस्या थी। रात दिन प्रयास करने के बाद हमने यहाँ पार्किंग बनाई है। जो लोग इसको अवैध बता रहे हैं। उनको कानून की कोई समझ नहीं है। आज से हमने इस पार्किंग की शुरूआत कर दी है और ये जनता के लिए मुफ्त सेवा देगी।

ये भाजपा और सड़क पर चल रहे किसी बच्चे को भी पता है कौन विपक्ष के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रहा है : आतिशी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आज मुझे दिल्ली क्राइम ब्रांच की ओर से नोटिस दिया गया है। यह नोटिस क्राइम ब्रांच के राजनीतिक आका यानी भारतीय जनता पार्टी द्वारा भेजा गया है। इसमें पूछा गया है कि आम आदमी पार्टी के विधायकों से किन लोगों ने संपर्क किया है। इस पर आतिशी ने कहा कि जिन्होंने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में विपक्ष के विधायकों से संपर्क कर उन्हें डरा कर पैसों का लालच देकर तोड़ा और भाजपा में शामिल किया। उन्हीं लोगों ने आम आदमी पार्टी के विधायकों से संपर्क किया।

कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी और सड़क पर चल रहे बच्चे को भी पता है कि कौन लोग हैं जो विपक्ष के विधायकों से संपर्क कर उन्हें तोड़ रहे हैं। आतिशी ने किसी का नाम नहीं बताया। उन्होंने उन विधायकों का नाम भी नहीं बताया जिन्हें भाजपा के लोग संपर्क कर 25-25 करोड़

रुपए का ऑफर देकर तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि जो क्राइम ब्रांच के अफसर नोटिस देने आए थे। हमें उन पर दया आती है कि जब वह पुलिस में आए तो सोचा होगा कि महिलाओं की सुरक्षा करेंगे। देश के लिए कुछ करेंगे। उनके राजनीतिक आकाओं ने उन्हें टीवी के प्राइम शो का सामग्री बनाकर छोड़ दिया है। कल चार घंटे की नौटंकी के बाद अरविंद केजरीवाल को नोटिस दिया गया। आज सुबह मेरे घर आकर भी नोटिस दिया गया।

नोटिस में कोई आईपीसी, सीआरपीसी या कोई अन्य धारा नहीं यह नोटिस है या समन है। इसमें कोई आईपीसी, सीआरपीसी या कोई अन्य धारा नहीं है। यह पुलिस वालों की गलती नहीं है। उनके राजनीतिक आका हमसे कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। वे लोग हमसे पूछना चाहते हैं कि किसने आम आदमी पार्टी के विधायकों को ऑफर दिया। मैं दिल्ली पुलिस के राजनीतिक आकाओं को बताना चाहती हूं कि किसने आम आदमी पार्टी के नेताओं को करोड़ों रुपए के ऑफर दिए। ये वही लोग हैं जिन्होंने 2016 में उत्तराखंड में कांग्रेस के विधायकों को तोड़कर बीजेपी में शामिल किया था। उन्होंने ही आम आदमी पार्टी के विधायकों को संपर्क किया। जुलाई 2019 में गोवा में 17 में से 14 कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी में चले गए थे। बीजेपी के जिन लोगों ने गोवा के इन विधायकों से संपर्क किया था। वही लोग आम आदमी पार्टी के विधायकों के पास आए। मैं 2018 में कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस की सरकार बनी।

एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने जुलाई 2019 में कांग्रेस और जेडीएस के 17 विधायक टूटकर भारतीय जनता पार्टी में चले गए। जो लोग उन 17 विधायकों को धमकी और पैसा देने आए थे वही लोग आम आदमी पार्टी के विधायकों के पास आए। मैं क्राइम ब्रांच के राजनीतिक आकाओं को बताना चाहती हूं कि आपको भी पता है कौन लोग हैं जो पिछले 8 साल से एक-एक करके अपोजिशन की सरकारों को तोड़ रहे हैं। वही लोग हैं आम आदमी पार्टी के विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। बेहतर होगा कि पुलिस को अपराध रोकने का काम करने दिया जाए आम आदमी पार्टी के नेता जैस्मिन शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर जब क्राइम ब्रांच के दर्जन भर अधिकारी खड़े थे। उनकी टीम पहुंचने से पहले सारी मीडिया पहुंच चुकी थी। मीडिया को भाजपा ने बताया। भाजपा को पता चल जाता है कि क्राइम ब्रांच मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचने वाली है। आज मंत्री आतिशी के यहां भी एक दर्जन क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के पहुंचने से पहले दो दर्जन से अधिक मीडिया वाले पहुंच जाते हैं।

कल 5 घंटे क्राइम ब्रांच के अधिकारी अपना सारा काम छोड़कर मुख्यमंत्री आवास के सामने खड़े रहते हैं और कहते हैं कि हमें मुख्यमंत्री से मिलना है। मैंने अधिकारियों से पूछा कि किस धारा के तहत यह नोटिस मुख्यमंत्री को हाथ में सौंपना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया के सामने बात नहीं करूंगा अंदर बात करूंगा। यदि कानून के तहत कोई काम कर रहे हैं तो मीडिया के सामने बताने में डर क्यों रहे हैं।

एक नजर

एम्स के सभी केंद्रों में शुरू होंगे आयुष्मान सुविधा केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के लाभार्थियों की मदद के लिए आयुष्मान सुविधा केंद्र बढ़ाए जाएंगे। निदेशक एम श्रीनिवास ने आदेश दिया है कि एम्स के सभी ब्लॉक और केंद्रों में ये शुरू किए जाएंगे। 31 मार्च तक यह सुविधा शुरू करने का निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया है। एम्स के मीडिया डिविजन की प्रभारी डॉ. रीमा दादा ने कहा कि आयुष्मान सुविधा केंद्र 24 घंटे संचालित किए जाएंगे। ताकि लाभार्थी मरीजों को कोई परेशानी न होने पाए। इससे लाभार्थी मरीजों को इलाज में आसानी होगी। दरअसल, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है। ऐसे में एम्स में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। अभी एम्स के मुख्य प्रवेश गेट (गेट नंबर एक) के पास आयुष्मान सुविधा केंद्र बनाया गया है। मौजूदा समय में यह एक केंद्र होने से मरीजों को परेशानी होती है।

चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू अशोक नगर इलाके में ई-रिक्शा गैराज में चोरी करने के आरोप में एक युवक की लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने युवक की मां की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवक की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी 27 वर्षीय किशन ठाकुर के रूप में हुई है। उसके परिवार में मां और अन्य लोग हैं। 30 जनवरी को उसका शव मिला था। किशन की मां ने आरोप लगाया कि ई-रिक्शा गैराज में चोरी करने के शक में कुछ लोगों ने उसके बेटे की पिटाई की। इसके चलते किशन की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीड़ित के शरीर पर कई चोटें आने की पुष्टि हुई है। इसके बाद पुलिस ने संजीत, सोनू और सुनील के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

संस्कृत के सुभाषितों के हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद कार्यशाला का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली व भारतीय भाषा परिषद, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में तीन दिवसीय संस्कृत के ध्येय वाक्य कार्यशाला के समापन सत्र में कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने रीसोर्स पर्सन को प्रमाण पत्र भेंट करते कहा-संस्कृत के सुभाषितों को एक स्वतंत्र विधा के रूप में भी उन्नयन किया जाना चाहिए। कुलपति ने इस महत्त्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान देने के लिए विद्वानों के प्रति आभार भी अभिव्यक्त किया। प्रो मनोज कुमार मिश्रा, अध्यक्ष, वेदविद्याशाखा, सीएसयू गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज जो इस कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ थे, उन्होंने आशा जताते कहा कि कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी के मार्गदर्शन में यह नवोन्मेषी कार्यशाला संस्कृत में लिखित सुभाषितों को अधिक से अधिक लोक तक पहुंचाएगा। इस सत्र में डीन, अकादमी, प्रो बनमाली बिश्वाल भी प्रसन्नता जताते कहा कि सुभाषितों को पढ़ने और जीवन में उतारने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। छात्र कल्याण, डीन, प्रो मदन मोहन झा ने कहा इसे छात्र छात्राओं के बीच में लोकप्रिय भी बनाने की आवश्यकता है। इस समापन कार्यक्रम में अन्य विद्वान भी समुपस्थित थे। डॉ. अमृता कौर ने मंच का संचालन किया तथा इस कार्यशाला के संयोजक प्रो नारायण नरसिम्हा आर एल ने धन्यवाद ज्ञापन किया

भाजपा कार्यकताओं ने किराड़ी में सीएम केजरीवाल को दिखाए काले झंडे

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे उद्घाटन और लोगों के बीच नेताओं का जाने का सिलसिला तेज हो गया है। दिल्ली के किराड़ी इलाके में रविवार को एक उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भाजपा के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा।

इस दौरान बीजेपी कार्यकताओं ने सीएम केजरीवाल को काले झंडे दिखाए। वहीं, स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल को भी तैनात किया। दरअसल, आज दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल एक उद्घाटन कार्यक्रम में किराड़ी पहुंचे। इस दौरान भाजपा के कार्यकताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए और अपना रोष व्यक्त किया। साथ हीभाजपा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल को भ्रष्ट बताते हुए कहा कि स्थानीय विधायक ऋतुराज और दिल्ली के सीएम को आड़े हाथों लिया। साथ ही ये भी कहा कि चुनाव को देखते हुए केजरीवाल यहां उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे।

इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमने केजरीवाल को काले झंडे दिखाए और विरोध जताया और उन्हें ये संदेश दिया कि किराड़ी में कुछ करना है, तो काम कीजिए, उद्घाटन करने से कुछ नहीं होता है। बता दें कि प्रदर्शन के दौरान तमाम भाजपा कार्यकर्ता काले झंडे दिखाने के लिए सीएम केजरीवाल के काफिले की तरफ बढ़े, तो पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की।

बौखलाई कांग्रेस का वक्तव्य वापस लेना हास्यास्पद : प्रवीण शंकर कपूर

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की आज कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति सड़क पर सामने आ गई।

दिल्ली कांग्रेस कार्यालय ने दोपहर में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली के नाम से एक प्रेस वक्तव्य जारी कर सातों सीटों पर प्रत्याशी चयन प्रारम्भ करने की घोषणा की पर जैसे ही दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता के रूप में मैने इस पर टिप्पणी की तो कांग्रेस ने पत्रकारों को फोन कर वक्तव्य वापस लिया और देर शाम दूसरा वक्तव्य देकर मुद्दे पर लीपापोती की। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की अब यह स्पष्ट है की दिल्ली कांग्रेस केवल अपने आलाकमान के दबाव मे गठबंधन की बात करती है जबकि असल मे अजय माकन, मुकेश शर्मा, हारून यूसुफ जैसे नेता अकेले लड़ना चाहते हैं।

60 हजार में अफ्रीका का फर्जी वीजा दिया, एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने कबूतरबाजी के मामले में फरार एजेंट को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी संतोष गुप्ता लगभग तीन साल से फरार चल रहा था। वह दुबई में मजदूरी कर चुका है। ऐसे में वह मजदूर वर्ग को विदेश भेजने के नाम पर ठगी करता था। 60 हजार रुपये में दक्षिण अफ्रीका का फर्जी वीजा देने के चलते पुलिस को उसकी तलाश थी। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार अक्तूबर 2021 में राजकिशोर नामक यात्री आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने जब उसका पासपोर्ट देखा तो उसमें दक्षिण अफ्रीका गणराज्य का फर्जी वीजा लगा हुआ था। इस पर कोई सुरक्षा मानक नहीं थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 60 हजार रुपये लेकर संतोष ने यह वीजा उसके पासपोर्ट पर लगवाया है। वह मजदूरी के लिए दक्षिण अफ्रीका जाना चाहता था। संतोष ने उसका पासपोर्ट लिया और कुछ दिन बाद वीजा लगाकर दे दिया। पुलिस टीम ने उसकी तलाश में कई जगह छापेमारी की, लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था। हाल ही में पुलिस को पता चला कि वह कुशीनगर स्थित अपने घर पर है। इस पर एसएचओ विजेन्द्र राणा की देखरेख में एसआई मदनलाल की टीम ने छापा मारकर उसे कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह कुछ वर्ष पूर्व दुबई में मजदूरी के लिए गया था।

होरी-डी कंस्ट्रक्शन नए भारत के लिए एक नया बुनियादी ढांचा कर रहा तैयार

रामू बंकेश बहादूर सिंह

महाराष्ट्रः मुंबई, होरी-डी कंस्ट्रक्शन की स्थापना वर्ष 2007 में उद्यमी श्री न्यूटन दास द्वारा की गई थी, हम सर्वश्रेष्ठ सिविल निर्माण सेवा कंपनी के रूप में उभरने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करके अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दृष्टिकोण समर्पित कर रहे हैं।

समय पर और बजट पर सेवा देने वाली एक पूर्ण सिविल निर्माण सेवा कंपनी, हम पाइलिंग और डीवाटरिंग वर्क्स, उत्खनन कार्य, अर्थ रिटेंशन वर्क्स, स्टील स्ट्रक्चर वर्क्स, औद्योगिक शेड-एमएस वर्क्स, आरसीसी वर्क्स के लिए सभी प्रकार की निर्माण जनशक्ति, उपकरण और मशीनरी प्रदान कर सकते हैं। फ्लैटेड डेवलपमेंट, आरसीसी वर्क्स-हाई राइज डेवलपमेंट, फिनिशिंग वर्क्स-आंतरिक फिनिश, फिनिशिंग वर्क्स-एक्सटर्नल फिनिश, रोड वर्क्स और लैंडस्केपिंग, एमईपी वर्क्स, पीएमसी वर्क्स और बहुत कुछ।

निर्माण उद्योग की हमारी गहन समझ ने, श्रम प्रबंधन विशेषज्ञता के साथ मिलकर, हमें अपने ग्राहकों को सिविल निर्माण सेवाएं सफलतापूर्वक प्रदान करने और हमें मुंबई, भारत में स्थित सर्वश्रेष्ठ सिविल ठेकेदार कंपनियों में से एक बनाने में सक्षम बनाया है।

इसकी स्थापना के बाद से, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता की हमारी वैचारिक नींव इसके तीव्र विकास के लिए हथियार रही है, जो 50 से अधिक पूर्ण परियोजनाओं में देखी जाती है और चल रही परियोजनाओं के साथ इसकी समीक्षा की जा सकती है।

मुंबई, भारत में होरी-डी कंस्ट्रक्शन एक ऐसा नाम है जो सिविल निर्माण के क्षेत्र में सबसे अधिक जाना जाता है, जिसका 12 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अपनी स्थापना के दिन से ही इसने तेजी से प्रगति की है और निर्माण क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखना जारी रखा है।

निर्माण उद्योग की हमारी गहन समझ, श्रम प्रबंधन विशेषज्ञता के साथ मिलकर, हमें अपने ग्राहकों को सिविल निर्माण सेवाएं सफलतापूर्वक प्रदान करने में सक्षम बनाती है। हम सबसे उचित मूल्य पर सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान करने के लिए कड़े अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करते हैं। अपनी निर्माण परियोजनाओं को पूरा करने के लिए नवीनतम तकनीक और उपकरण लाएँ।

रिश्वत लेते अधिकारी को लोकायुक्त टीम ने 4 हजार रू रिश्वत लेते धर दबौचा

द्वारका प्रसाद मेहरा

मध्य प्रदेशः नर्मदापुरम नगर के आरआई पटवारी देवेंद्र सहरिया एक दुकान को खाली कराने और उस पर केस बनाने के बदले कई दिनों से पैसे की मांग कर रहा था । दुकानदार ने इसकी शिकायत भोपाल लोकायुक्त को की थी , जिस पर लोकायुक्त की टीम ने श्री सहरिया को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा है । बता दें कि सहरिया की शिकायत पहले भी कई बार हो चुकी है। पूर्व में इनका स्थानांतरण भी किया गया था । लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते इन्होंने अपना तबादला करवा लिया था। मालूम हो कि सहरिया ने रसूलिया डबल फाटक पर एक 90 साल के वृद्ध की जमीन के मामले में भी सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ करने की शिकायत की गई थी। साथ ही रेलवे फाटक डेरा सच्चा वाले मामले में चर्चा में रहे थे।

उक्त जमीन में भी इनके शिकायत शिकवा की गई थी। भोपाल से आई थी 9 सदस्य लोकायुक्त टीम पटवारी के निवास पर पहुंचा दल। बता दें कि एक दुकान को किराए से खाली करने की एवज में 40,000 रुपए की मांग की गई थी, जिसमें उक्त दुकानदार 31 हजार रुपए पहले दे चुका था । पटवारी सहरिया 9000 रुपए के लिए और अड़ी डाल रहा था, जिस पर शिकायतकर्ता अमृतलाल सिंह ने तीन दिन पहले ही उक्त पटवारी सहरिया की लिखित रूप से शिकायत की थी, जिसमें उल्लेख किया था कि पटवारी रिश्वत मांग रहा है, जिस पर शुक्रवार को पटवारी के निवास पर लोकायुक्त टीम ने आर आई/पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की है।

जनपद मिर्जापुर में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जनपद मीरजापुर शासन के मंसानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया "संपूर्ण समाधान दिवस" तहसील मड़िहान में आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुनती जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन

मीरजापुर में आज दिनांकः 03.02.2024 को ह्लसम्पूर्ण समाधान दिवसह्व पर पुलिस अधीक्षक मीरजापुर "अभिनन्दन" द्वारा जिलाधिकारी मीरजापुर "प्रियंका निरंजन" के साथ तहसील मड़िहान में आमजन की समस्याओं को सुना जा रहा है । इस दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया ।

ललितपुर रेलवे स्टेशन पर बना फुटओवर ब्रिज तत्काल प्रभाव से हो चालू, लोगों के आवागमन में रही हैं परेशानी

अशोक कुमार स्वरंकर

उत्तर प्रदेशः फुटओवर ब्रिज से नेहरू नगर की तरफ से प्रतिदिन 5 हजार लोगों का आवागमन होता है। टीटू कपूर ललितपुर आज बुन्देलखण्ड विकास सेना की एक आवश्यक बैठक स्थानीय कम्पनी बाग में बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर की अध्यक्षता में आहूत हुई । बैठक में ललितपुर रेलवे स्टेशन पर बने फुटओवर ब्रिज को नेहरूनगर की तरफ से बन्द किए जाने पर गहरी चिन्ता और रोष व्यक्त किया गया है। बु. वि. सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि रेलवे क्रॉसिंग के उस तरफ नेहरू नगर में लगभग 40 हजार की आबादी रहती है तथा स्टेशन पर बनाये फुटओवर ब्रिज पर प्रतिदिन 5 हजार लोगों का आवागमन होता है ज्नमें महिलाएं, बुजुर्ग और स्कूली बच्चे शामिल है।

बु वि सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा कि देवगढ़ रोड रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज तो बन गया है लेकिन पैदल चलने वालों के लिए जो रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज बनाया गया है बन्द किया जा रहा है जबकि इस फुट ओवर ब्रिज से प्रतिदिन 5 हजार लोगों का आवागमन होता है । स्थानीय निवासियों का कहना है कि जिन लोगों के पास वाहन नहीं हैं उनके लिए यह फुट ओवरब्रिज शहरी क्षेत्र में आने के लिए बहुत सहायक था लेकिन अब यह बन्द होने से बहुत दूर तक घूमकर जाना पड़ेगा जिस कारण बुजुर्गों महिलाओं और स्कूली बच्चों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा स्थानीय निवासियों का यह कहना भी है कि नेहरूनगर तक टैक्सियां नही चलती हैं ऐसे में फुटओवर से शहर की ओर आकर सीधा टेक्सी पकड़कर चले जाते थे अब चूंकि ओवरब्रिज बन्द होने की दशा में 2 किमी. का लम्बा चक्कर लगाना पड़ेगा। इस मौके पर बु. वि. सेना के कार्यकताओं ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा स्थानीय सांसद महोदय से इस जनहित की समस्या का संज्ञान लेने की मांग की। अन्यथा की स्थिति में बु. वि. सेना उग्र आन्दोलन छेड़ने को बाध्य हो जायेगी।

बैठक में फूलचन्द रजक, कदीर खान, राजकुमार कुशवाहा, अमरसिंह बुन्देला, प्रेमशंकर गुप्ता, भैय्यन कुशवाहा, नन्दराम कुशवाहा, खुशाल बरार, प्रमोद धानुक, देवेन्द्र राजा, गफूर खान, प्रदीप टेक्सी, रामप्रकाश झा, पंकज रैकवार, मिलन चौहान, जगदीश कुशवाहा, सुधीर धानुक, अमित जैन, ईश्वर बरार आदि मौजूद रहे।

एक नजर

जनपद बिजनौर के थाना किरतपुर दो दिन बंद रहेगा किरतपुर नगीना रोड रेलवे फाटक

आकील अली

उत्तर प्रदेशः किरतपुर, नगीना रोड़ रेलवे क्रॉसिंग पर बने फाटक पर रेलवे विभाग द्वारा मरम्मत कार्य हेतु फाटक बंद होने का बोर्ड लगा होने से रहागिरो मे हड़कंप मच गया। रेलवे विभाग ने बोर्ड के माध्यम से फाटक बंद के लिए सूचित किया। जिससे रहागिरो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

रविवार की शाम नगर स्थित नगीना रोड पर बने रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे विभाग द्वारा मरम्मत कार्य हेतु 2 दिन फाटक बंद होने के लिए सूचित करते हुए एक बोर्ड लगाया गया। जिसमें यह सूचित किया गया कि 5 फरवरी दिन सोमवार व 6फरवरी दिन मंगलवार को सुबह 8:00 से 6:30 तक फाटक की और आवा जाहि बाधित रहेगी। जिससे उस रोड पर चलने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

जनपद बिजनौर के थाना किरतपुर के सलीम राशीद बने साधना न्यूज चैनल के संवादाता

आकील अली

उत्तर प्रदेशः किरतपुर नगर के मोहल्ला कमकरान निवासी आईरा संगठन के नगर उपाध्यक्ष सलीम रासिद को साधना न्यूज चैनल का किरतपुर ब्लॉक रिपोर्टर बनाए जाने पर चैनल के मंडल प्रभारी विनय वर्मा व जिला प्रभारी त्रिलोक चंद ने उन्हें संगठन के कार्यालय पर कार्ड पहनाकर व चेनल की आईडी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ होता है, उसका दायित्व होता है कि बिना किसी भेदभाव के और अपने उसूलों से समझौता न करते हुए निष्पक्ष निर्भीक और निडर होकर पत्रकारिता करें।

व दबे कुचले लोगों की आवाज और अपने नगर व क्षेत्र की समस्याओं को अपने चैनल के माध्यम से प्रमुखता से उजागर करने का काम करे। सलीम राशीद का कहना है कि जो जिम्मेदारी मुझे सोपी गई है मैं उसके दायित्वों को समझते हुए पूरी ईमानदारी से काम करूंगा। इस मौके पर चैनल के मंडल प्रभारी विनय कुमार वर्मा, जिला प्रभारी त्रिलोक चंद,आईरा संगठन के नगर अध्यक्ष मुसैब सिद्दीकी, संगठन के नगर सचिव परवेज सलमानी, अनस अहमद आदि मौजूद रहे।

बिजली कटौती के खिलाफ, डोडाज गांव में लोगों ने किया प्रदर्शन

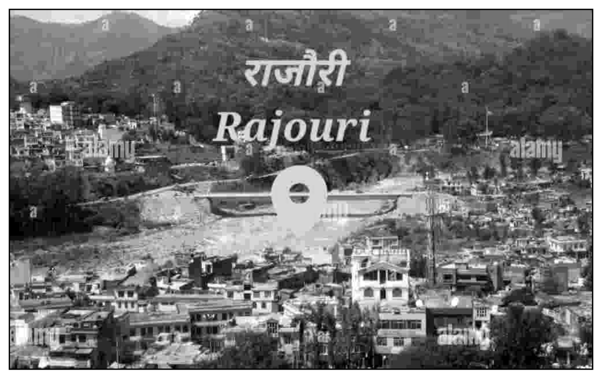

राजेश कुमार

जम्मू-कश्मीरः राजौरी जिले की दरहाल तहसील के डोडाज गांव में लोगों ने शुक्रवार को बिजली कटौती को लेकर विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। लोगों ने अघोषित बिजली कटौती से निजात दिलाने की प्रशासन से मांग किया। लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से विभाग की ओर से रोजाना अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। जिससे कड़ाके की सर्दी के बीच परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अनियमित बिजली आपूर्ति से डोडाज गांव के लोग प्रभावित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के हालात काफी खराब है। बिजली कब आती है और कब चली जाती है, इसका कोई निर्धारण नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बिजली विभाग उन्हें बिल पूरे महीने के भेजता है। और समय पर बिल जमा नहीं करने पर जुमार्ना भी वसूल करता है। लेकिन 24 घंटे में मात्र 2 या 3 घंटे बिजली दी जाती है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग लोगों की जेब पर सेंध लगा रहा है। और यदि जल्द ही कटौती पर रोक नहीं लगी तो लोग उग्र प्रदर्शन करेंगे।

महादुला नगर पंचायत के नगराध्यक्ष आम गरीब जनता में गुंडागर्दी की भाषा में दे रहा हैं धमकी

सुधीर संतोष धूरिया

महाराष्ट्रः नागपूर जिले के कोराडी क्षेत्र के महादुला नगर पंचायत के नगराध्यक्ष द्वारा महादुला की आम गरीब जनता में गुंडागर्दी कि भाषा में धमकी देकर आने वाले इलेक्शन को देख कर भय निर्माण किया जा रहा है। सत्ताधारी पार्टी का नगराध्यक्ष होने के कारण, उसको ना कानून का डर है और ना कारवाई का डर है, जब से वह नगर पंचायत के सत्ता में बैठा तबसे वह महादुला की जनता में भय पैदा कर रहा है। उसका मुक्त भोगी मै(सुधीर धुरिया) भी हुं मैंने जब उसके गुंडागर्दी के खिलाफ आवाज उठाया था तब उसने झुटे केस में फंसा कर जेल में डाल दिया था।

जबकि मैं एक पत्रकार हुं, मेरा काम ही है जनता और प्रशासन को सच दिखाना, पर सत्ताधारी पार्टी का काम ही है सचको दबाने के लिए ऐसे अत्याचारी, भ्रष्टाचारी और गुंडागर्दी करने वालों का संरक्षण करणा, और सत्ता में आना इसलिए इस नगराध्यक्ष पर अनेको कंम्पलेंट होने के बावजूद उस पर कारवाई नहीं होती, इसलिए उसकी हिंमत इतनी बढ गई, है कि, किसी को आधी रात को मारणा, किसी को कार्यकर्ता भेज कर गोली मारने की धमकी देना किसी कि आवाज दबाने के लिए झुटे केसमे जेल भेजना अब तो यह आलम हो गया है कि किसी के फॅमिली मॅटर कोर्ट में चालु रहने के बावजूद, खुदको जज समझकर लडका अदर कास्ट का होने के कारण उसे उडाने और उठाने की धमकी देने लगा है। अब तो यह हद ही हो गई है। जब उनका कोर्ट में केस चालू है।

तो यह कोन होता है, फैसला करने वाला! मुझे भी अब डर लगने लगा है, कि कहीं किसी के हातो या खुद गोली और मुझपर जानलेवा हमला ना करवा दे, क्योंकि एक बार नगर पंचायत के पास मुझे बोल चुका है कि," तु मेरे खिलाफ में बहोत लिखता है, सब स्क्रीन शॉट निकाल के रखा हुं, पद से हटने दे, फिर बताऊंगा, "इसकी कंम्पलेंट देने के बावजूद, एनसी मॅटर बना दिया गया, उस पर बडे नेताओं का हात होने के कारण उस के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने देते हैं। इसलिए अब मुझे भी मेरा जिवन असुरक्षित लगने लगा है। इसलिए शासन प्रशासन यही कहना है कि, मुझ पर और मेरे साथ रहने वालो को कुछ भी होता है तो इसका जिम्मेदार यह और उसके नेता, कार्यकर्ता रहेगे! मेरी शासन प्रशासन यही बिनती है, की हमें और महादुला की आम जनता को संरक्षित करे. धन्यवाद।

पूनम पांडे की सर्वाइकल कैंसर से मौत की अफवाह

नई दिल्लीः मॉडल पूनम पांडे के निधन की खबर शुक्रवार को उन्ही के इंस्टाग्राम से पोस्ट हुई। उन्होंने खुलासा किया कि यह उनका पब्लिसिटी स्टंट था। सर्वाइकल कैंसर के बारे में लोगो में जागरूकता बढाने के लिए उन्होंने ऐसा किया।बताया दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से मौत के मामले पिछले कुछ दशकों में काफी तेजी से बढ़ाते देखे गए है।

हांलकि इस खबर पर कई सवाल भी उठे, जिनका जवाब किसी के पास नहीं था। 24 घंटे बाद शनिवार को खुद सामने आई। और खुलासा हुआ की यह उनका पब्लिसिटी स्टंट था। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से ये खबर वायरल कराई। पूनम पांडे की निधन की खबर जब वायरल

हुई तो राखी सावंत ने श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने कहा मेरे हाथ पैर कांप रहे है। लेकिन मुझे नहीं पता यह न्यूज सक सच है या नहीं पूनम पांडे ने मुझे हमेशा सपोर्ट किया। इस घटना ने लोगों को शॉक में डाल दिया था।

राजस्थान उद्योग हस्तसील्प उतसव 2024 में शामिल हुए राज्य के मंत्री

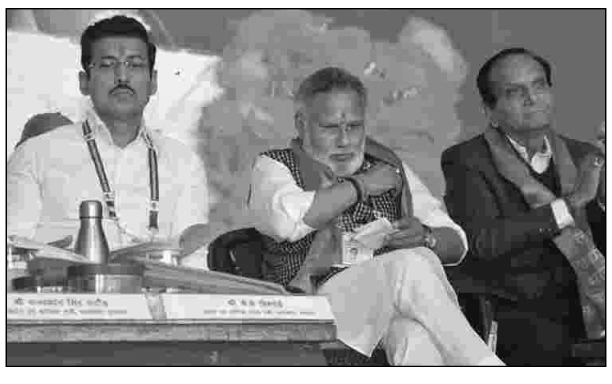

आनंद शर्मा

राजस्थानः राजस्थान उद्योग हस्तसील्प उतसव 2024 में आयोजित सहकार से समृद्धि एवं उद्योग से विकास सैगोष्ठी मे राजस्थान सरकार में उद्योग मन्त्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ओर अपने विचारों से उद्योग जगत के उथान को समरपीथ कर राज्य सरकार भारती के संगठन संजय पांचपोर ने सहकारिता की शुद्ध एवं मजबूती के माध्यम से उद्योग का तेजी से विकास की अवधारणा प्रभावी डंग से रखा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मन्त्री गौतम कुमार दक ने छेत्र की ओर मजबूती में लाने वाली योजनाओ एवं कार्यकर्मो को रेखाकीत किया।

कायकर्म में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजमंत्री राजस्थान सरकार श्री के के विश्नोई, राजसभा के सांसद राजेंद्र जी गेहलोत, रास्ट्रीय वेपारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघि जी ओर समाजसेवी श्री दिनेश जी छाजेड ने सभी का गर्वपूर्ण स्वागत किया।

8 अप्रैल को होने वाला पूर्ण सूर्य ग्रहण, साल की सबसे बड़ी खगोलीय घटना होगी

रुस्तम इमरान

नई दिल्लीः यह ग्रहण उत्तरी अमेरिका से होते हुए मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में प्रवेश करेगा। उत्साह के बावजूद, यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारतीय इस विशेष ग्रहण को नहीं देख पाएंगे। फिर भी, वैज्ञानिक समुदाय इस प्रकार के ग्रहण को असाधारण रूप से दुर्लभ मानता है।

पूर्ण सूर्य ग्रहण कितना दुर्लभ है?

पूर्ण सूर्य ग्रहण लगभग हर 18 महीने में होता है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से गुजरता है, जिससे सूर्य का प्रकाश क्षण भर के लिए अवरुद्ध हो जाता है। हालाँकि, चुनौती इस खगोलीय घटना को देखने के लिए भूमि पर एक स्थान खोजने में है क्योंकि हमारे ग्रह का 70 प्रतिशत से अधिक भाग महासागरों से ढका हुआ है। ऐसे स्थान पर रहना जहां सूर्य ग्रहण हो रहा हो, और भी असामान्य है, जिससे अवलोकन के लिए लंबी दूरी, संभवतः किसी अन्य महाद्वीप तक यात्रा करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

पूर्ण सूर्य ग्रहण कितनी बार होता है?

जब चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह से PXIY लेता है, तो इसकी छाया पृथ्वी पर पड़ती है, जिससे "समग्रता का पथ" बनता है। यह पथ एक अपेक्षाकृत संकीर्ण पट्टी है जो सतह के पार चलती है। इस बैंड के अंदर खड़े लोग पूर्ण सूर्य ग्रहण देख सकते हैं, बशर्ते मौसम और बादल साथ दें। 8 अप्रैल, 2024 को ग्रहण बैंड 115 मील चौड़ा होने की उम्मीद है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पृथ्वी पर किसी विशिष्ट स्थान पर पूर्ण सूर्य ग्रहण होना असामान्य है। नासा के अनुसार, "एक ही स्थान पर दो पूर्ण ग्रहणों की उपस्थिति के बीच औसतन लगभग 375 वर्ष का समय लगता है। लेकिन कभी-कभी यह अंतराल बहुत लंबा हो सकता है!"

दूसरे सूर्य ग्रहण पूर्ण सूर्य ग्रहण से किस तरह से अलग हैं?

सूर्य ग्रहण अलग-अलग रूपों में आते हैं, जिनमें आंशिक या वलयाकार ग्रहण शामिल हैं, लेकिन वे पूर्ण सूर्य ग्रहण से काफी भिन्न होते हैं, जहां सूर्य का ईथर कोरोना दिखाई देता है। लेखिका एनी डिलार्ड ने अपने निबंध "टोटल एक्लिप्स" में इस भेद को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है, उन्होंने आंशिक ग्रहण को देखने की तुलना पूर्ण ग्रहण देखने के अधिक गहन अनुभव की तुलना में एक आदमी को चूमने से की है।

सोनभद्र में सरकारी योजनाओं पर स्थानीय नेताओं की चर्चा

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: भाजपा का "गांव चलो" अभियान 4 फरवरी से 24 घंटे तक गांव में प्रवास कर ग्रामीणों से मंदिर निर्माण, धारा 370, नारी वंदन सहित कई योजनाओं पर की जाएगी चर्चा लोकसभा संयोजक अमरेश पटेल ने कहा कि गांव का विकास, सभी वर्गों को पात्रता के हिसाब से हक और नारियों का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्राथमिकता में है। चार फरवरी से चलने वाले गांव चलो अभियान की सफलता के लिए भाजपा ने शुक्रवार दुद्धी सोनभद्र मण्डल में तैयारी के लिए बैठक की गई।

इसमें कहा गया कि 24 घंटे तक गावों में प्रवास कर ग्रामीणों से मंदिर निर्माण, धारा 370, नारी वंदन कानून के साथ ही तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा की जाएगी ।दुद्धी नगर पंचायत के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व रॉबर्ट्सगंज लोकसभा संयोजक अमरेश पटेल ने कहा कि गावों का तेजी से विकास हुआ है। सभी वर्गों को पात्रता के हिसाब से हक मिल रहा है। गांव में खुशहाली बढ़ रही है।

हमें ग्रामीणों के बीच 11 फरवरी तक प्रवास पर जाने का अभियान चलाना है।भाजपा ने आम जनता का सम्मान बढ़ाया है। पिछली बार से भी ज्यादा बहुमत इस बार भाजपा को मिलने जा रही है। आम जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही है। हमें गावों में जाकर केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को और विस्तार से बताना है।वही विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत चेयरमैन कमलेश मोहन व जिलाकार्य समिति सदस्य मनोज मिश्रा ने कहा संकल्प से सिद्धी को लेकर प्रारंभ हुई।

विकास यात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया है, आज मोदी सरकार में गांव गरीब को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है विकसित भारत संकल्प यात्रा से कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने की कोशिश लगी हैं।

जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्राशसन ने बढ़ती शक्ति

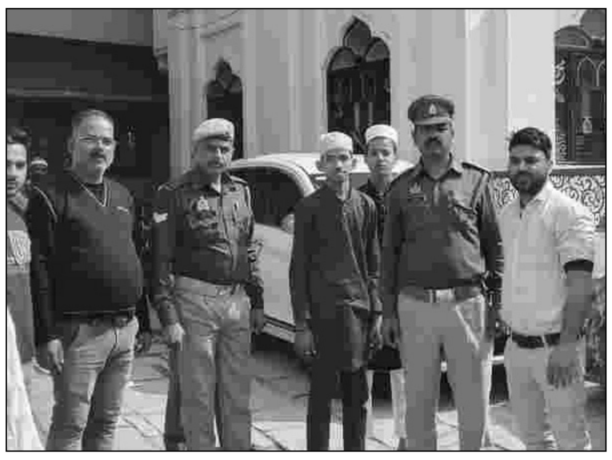

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेश: अहरौरा नगर पालिका के चौकी क्षेत्र के सत्यांगज, तकिया, बूढ़ादेइ व इमिलियाचट्टी मस्जिदों में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रही। वही वर्षों से लंबित वाराणसी के ज्ञानवापी मामले पर बुधवार को वाराणसी की अदालत ने एक आदेश में मस्जिद के एक तहखाने में पूजा करने की अनुमति दे दी, जिसके फैसले आने पर सुरक्षा के दृष्टिगत जिलेभर में प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहा।

जिसके क्रम में थानाध्यक्ष अमित मिश्रा व चौकी इंचार्ज मनोज राय के द्वारा क्षेत्र के समस्त मस्जिदों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल भी तैनात किया गया। अहरौरा कस्बा चौकी इंचार्ज मनोज राय के नेतृत्व में शुक्रवार को सुबह से ही चौराहों समेत क्षेत्र के मस्जिदों पर पुलिस व पीएसी बल के साथ तैनात रहे और जुमे की नमाज के दौरान पुलिस व पीएसी बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

एक नजर

कार्यालय केशरीपुर रोहनिया में भारतीय जनता पार्टी विभाग का हुआ पुनर्गठन

अमन पांडे

उतर प्रदेश: रोहनिया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह पटेल जी की नेतृत्व में काशी क्षेत्र के सोशल मीडिया विभाग का पुनर्गठन हुआ जिसमें अरविंद पांडेय जी को काशी क्षेत्रीय संयोजक है।

श्री अतुल कुमार पाण्डेय जी को क्षेत्रीय सह संयोजक ,श्री विमलेश पटेल जी को क्षेत्रीय सह संयोजक, श्री अंकित त्रिपाठी जी को सदस्य कार्य समिति, श्री रितेश पटेल जी को सदस्य कार्य समिति, श्री कृतिमान जी को सदस्य कार्य समिति ,श्री आभाष कुमार शर्मा जी को सदस्य कार्य समिति श्री प्रशान्त उपाध्याय जी को कार्य समिति सदस्य ,श्री लक्ष्मी सिंह जी को सदस्य कार्य समिति, श्री प्रांजल श्रीवास्तव जी को सदस्य कार्य समिति नियुक्त किया गया है।

बालाजी महाराज, शनिदेव की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, के लिए निकाली गई भव्य कलश यात्रा

उदय लाल पुष्करण (जोशी)

राजस्थान: बालाजी धाम बड़वाई द्वारा नवनिर्मित मंदिर सालियां,पीपलखूट में भव्य कलश यात्रा निकाली गई और प्रभु हनुमान जी शनिदेव की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से मनाया गया। समस्त ग्रामवासी ने पुण्य लाभ प्राप्त किया है।

गादीपति जीवन जोशी ने सनातन धर्म की धर्म ध्वजा इसी प्रकार हमेशा आगे बड़ाने का आग्रह किया। इस पुण्य कार्य में समस्त ग्रामवासी का पूर्ण सहयोग रहा। जिसमे लक्ष्मण जी सरपंच सा, प्रभु लाल जी, अर्जुन , कानू, नाकुराम जी , प्रभू लाल, संकर और भी सभी ग्राम वासी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हूवा, बालाजी धाम बड़वाई ट्रस्ट सभी का दिल से धन्यवाद करते है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया जोधपुर दौरा

आनंद शर्मा

राजस्थान: मदन दिलावर हुए मीडिया से रूबरू पाठ्यक्रम में बदलाव को लेकर बोले शिक्षा मन्त्री मदन दिलावर ने कहा चन्द्र शेखर ओर बगतसिंह को आतंकवाद बताने की भी बात सामने आयी है कही पर पहाड़ी चूहा हमारी सरकार व्यापक अध्यन करने के बाद हटेगी पाठ्यकर्म से वह अंश सूर्य नमस्कार के जरए वर्ल्ड रिकार्ड बनाने के अभियान को लेकर बोले मंत्री शिक्षा विभाग के अधिकारीयों को दिए गये है स्पर्श निर्देश इस आयोजन को पूरी तरह सफल बनाने के लिए हर अधिकारी ओर कर्मचारी अपनी भूमिका को समझ।

मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के विरोध में किसानों का प्रदर्शन, लोगों ने की नारेबाजी

अमन पांडे

उतर प्रदेश: रोहनिया- मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के विरोध में बैरवन गांव में रविवार की सुबह 8 बजे किसानों ने बैठक किया। इसके साथ ही विरोध कर रहे लोगो ने नारेबाजी भी की।

इस दौरान किसानों ने निर्णय लिया कि हम अपनी कृषि भूमि का अधिग्रहण नहीं करने देंगे। विकास प्राधिकरण के खिलाफ ट्रांसपोर्ट नगर योजना से प्रभावित किसानों ने जमकर नारेबाजी भी की। आरोप है कि जिन किसानों ने अपनी जमीन का मुआवजा नहीं लिया है। उनकी भी जमीन को लेने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, लेकिन किसान इसमें सफल नहीं होने देंगे। उपजाऊ जमीन को किसी भी कीमत पर नहीं देंगे। यह जमीन हमारे जीविकोपार्जन का साधन है।

स्कूटी और वाहन में हुई टक्कर, स्कूटी में सवार एक छात्रा की हुई मौत

गोवर्धन सिंह

राजस्थान: झालावाड़ जिले के उन्हेल थाना क्षैत्र के करमाखेड़ी फन्टे के पास स्कुटी सवार तीन छात्राओ को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी टक्कर के कारण एक छात्रा की मृत्यु हो गई जबकि दो छात्रा गंभीर रूप से घायल है। मृतक छात्रा सलोनी राठोर 12 कक्षा की छात्रा है जिसका शव सीएचसी चौमहला की मोर्चरी में रखवाया दो घायल छात्रा सेजल राठौर कक्षा 11 वी और कृष्णा गोस्वामी 12 का उपचार सीएचसी चौमहला मे चल रहा है।

गौरतलब है कि तीनो छात्रा मे से दो छात्रा सगी बहने है छात्राए उन्हेल से चौमहला अध्ययन के लिए आ रही थी कि अचानक करमाखेड़ी फंटे के यहां किसी अज्ञात वाहन जो आलोट मप्र की और जा रहा था उसने टक्कर मार दी उन्हेल पुलिस सीएचसी चौमहला पंहुची परिजनो के पर्चा बयान लिए और मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनो को सोपा व मामले को जांच मे लिया।

सुत मिल कारीगरों को नहीं मिल रही बकाया राशि

फारूक

मध्य प्रदेश: बहादरपुर सूतमिल के मजदूर करीब 25 सालो से अपने अधिकारो की लड़ाई लड़ रहे हैं। परंतु आज तक श्रमिकों को उनकी बकाया राशि नहीं मिल पाई है। सभी श्रमिकों ने कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन देकर सरकार से बकाया राशि भुगतान संबंधित मांगो को प्रेषित किया है। मजदूर यूनियन अध्यक्ष ठाकुर प्रियांक सिंह ने बताया हुकुमचंद मिल इंदौर के मजदूरों को बकाया भुगतान जो लगभग 464 करोड़ के आसपास होता है। आदेश सरकार द्वारा जारी कर दिया गया है।

बुरहानपुर के बहादरपुर ग्राम में किसी समय में स्थित सूत मिल जो कागजों पर अभी भी स्थित है परंतु वर्तमान में वहां केवल समतल मैदान शेष रह गया है मिल नाम पर एक ईंट भी नहीं बची है। इसके साथ-साथ वहां की भूमि पर अवैध खनन एवं अवैध कब्जा भी हो चुका है। ठाकुर प्रियांक सिंह ने आगे बताते हुए कहा कि बहादरपुर सूत मिल वर्ष 1999 मैं बंद हो चुकी है। श्रमिकों से पीएफ की राशि भी उस समय काटी गई थी, परंतु उन्हें सरकार द्वारा कुछ भी नहीं दिया गया है।

उस समय तत्कालीन सरकार द्वारा नियंत्रण प्राधिकारी सूत मिल निमित्त मामलों को देखने के लिए नियुक्त किए गए थे,उनके द्वारा ग्रेच्युटी भुगतान के आदेश भी पारित किए गए थे परंतु किसी भी श्रमिक को इसका लाभ नहीं मिल पाया। समस्त श्रमिकों ने नवीन सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से सामूहिक मांग करते हुए अपने अधिकार की राशि, पेंशन, ग्रेच्युटी, इत्यादि का तत्काल भुगतान करने का आग्रह किया।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचलाना में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

गोवर्धन कुम्भकर

मध्य प्रदेश: कानड़ नगर के समीप पचलाना के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचलाना में विदाई समारोह आयोजित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचलाना में अध्यनरत छात्र छात्राओं ने कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह ठाकुर थे विशेष अतिथि रामबाबू पाटीदार पवन पाटीदार श्याम पाटीदार ईश्वर पाटीदार थे कार्यक्रम के अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक वीरेंद्र सिंह कुशवाहा ने की सरस्वती वंदना छात्रा तुलसा अरुणा निशा द्वारा प्रस्तुत की गई।

अतिथि परिचय व स्वागत प्राचार्य श्री राहुल पाटीदार ने किया कक्षा 12वीं के छात्र सांवरिया एवं अन्य छात्राओं द्वारा अपने पूर्व अनुभव साझा किए हैं वहीं कार्यक्रम में ठाकुर व सरपंच साहब द्वारा सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को 5100- 5100 रुपए पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे घोषणा की गई एवं परीक्षा पर सफलता प्राप्त करने पर अपने विचार व्यक्त किया साथ ही प्रतिभा सम्मान प्रमाण पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए संस्था के शिक्षक जितेंद्र फुलेरिया मुकेश कुमार राठौर राम नगर राकेश सेन श्रीमती सुमित्रा राठौर आकाश कोरवे द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए हैं कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक फोटो भेंट स्वरूप प्रदान की गई कार्यक्रम का संचालन मुकेश शर्मा ने किया एवं आभार मुकेश कुमार पाटीदार ने माना।

ग्राम सभा कंठी छपरा के ग्राम प्रधान पर लगाया गया आरोप

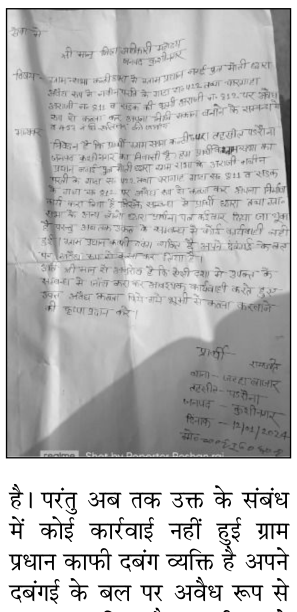

रोशन कुमार कुशवाहा

उत्तर प्रदेश: ग्राम सभा कंठी छपरा में ग्राम प्रधान नगई पुत्र मोती द्वारा अवैध रूप से नवीन परती के गाटा संख्या 422 तथा चारगाह आराजी नंबर 811 व सड़क की भूमि आराजी नंबर 812 व 457 नंबर की खलिहान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर अपना निजी मकान बनाने के संबंध में संबंध मे ग्राम सभा कंठी छपरा तहसील पडरौना जनपद कुशीनगर का निवासी है। प्रार्थी के ग्राम सभा का प्रधान नगई पुत्र मोती द्वारा ग्राम सभा के आराजी नवीन परती के गाटा संख्या 422 तथा चारागाह गाटा संख्या 811 व सड़क के गाटा संख्या 812 व 497 नंबर की खलिहान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर अपना निर्माण कार्य कर लिया है।

जिसके संबंध में प्रार्थी द्वारा तथा ग्राम सभा के अन्य लोगों द्वारा प्रार्थना पत्र कई बार दिया जा चुका है। परंतु अब तक उक्त के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई ग्राम प्रधान काफी दबंग व्यक्ति है अपने दबंगई के बल पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है तथा श्रीमान से अनुरोध है कि ऐसी दशा में उक्त के संबंध में जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की हैं।

जनपद मिजार्पुर में रबी विपणन वर्ष 2024-25 हेतु जनपद में 6 संस्थाओं के माध्यम से कुल 96 गेहूँ क्रय केन्द्र स्वीकृत

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में धनन्जय सिंह जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुये बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2024-25 हेतु जनपद में 06 संस्थाओं के माध्यम से कुल 96 गेहूँ क्रय केन्द्र स्वीकृत किये गये हैं। जिसमें खाद्य विभाग के 27, पी0सी0एफ0 के 22, पी0सी0यू0 के 23, यू0पी0एस0एस0 के 20, मण्डी समिति के 02 एवं भारतीय खाद्य निगम के 02 क्रय केन्द्र स्वीकृत किये गये है। जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कहा है कि, किसान बंधु गेहूँ का पंजीयन किसी भी जन सेवा केन्द्र के अतिरिक्त वर्तमान में संचालित किसी भी धान क्रय केन्द्र पर जाकर निःशुल्क करा सकते है।

जिलाधिकारी ने सचिव, कृषि उत्पादन मण्डी समिति, मीरजापुर एवं अहरौरा को निर्देशित किया है कि मण्डी समिति सहित सभी विकास खण्डों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गेहूँ विक्रय हेतु किसान पंजीकरण के प्रचार-प्रसार हेतु तत्काल बड़े होडिंग लगाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि एवं जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे किसान पोर्टल पर पंजीकृत सभी किसान भाईयों को एस0एम0एस0 भेजकर आगामी गेहूँ खरीद हेतु पंजीरकण के लिये सूचित करें।

जिलाधिकारी ने मण्डी सचिवों को निर्देश दिये है कि अपने क्षेत्र के किसानों को प्रचार-प्रसार के माध्यम से क्रय प्रारम्भ होने की नीयत तिथि 15 मार्च, 2024 के साथ-साथ यह भी बताये कि सरकार की ओर से न्यूनतम गेहूँ समर्थन मूल्य रूपया 2,275 प्रति कुन्तल शासन द्वारा निर्धारित किया गया है सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता तथा सभी ए0डी0सी0ओ0 को निर्देशित किया गया है कि, वे सहकारिता विभाग की समिति पर संचालित क्रय केन्द्रों पर धान विक्रय करने वाले तथा समितियों के सदस्य किसानों का गेहूँ विक्रय हेतु पंजीकरण सुनिश्चित कराते हुये इसकी दैनिक प्रगति से अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/जिला खरीद अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल को अवगत करायें।

नौदिवसीय कथामृत के दूसरे दिन हुआ हवन पूजन

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: थाना सिविल लाइन स्थित बुद्धि विहार ब्रेड फैक्ट्री चौराहे पर लोहिया मानव कल्याण ट्रस्ट श्री राम बालाजी धाम बाबा नीम करोली आश्रम ट्रस्ट और लाला और प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल समिति की के तत्वाधान में चल रही नौ दिवसीय कथामृत महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को कथा व्यास परम पूज्य रमेश भाई ओझा ने कहा कि राजा दशरथ वेद के स्वरूप है।

भगवान अवतार लेते हैं तो वेदों के अनुसार चलते हैं उन्होंने कैकई का वर्णन करते हुए कहा कि रामायण में कलंक कैकई को लगा और लोगों ने कैकई की आलोचना की और स्वयं उनके बेटे ने मां कहने से इनकार कर दिया लेकिन देखा जाए तो कैकई ने रामराज को राम दिया उन्होंने कहा कि सनातनियों में रामलला के आनंद का नशा अभी तक है सनातन वैदिक हिंदू धर्म में ईश्वर को स्वीकार करते हैं।

हम मानते हैं कि हमारे वेद साक्षी हैं पर ब्रह्म परमात्मा ही इस सृष्टि को बनाने वाला है और चलाने वाला है इस अवसर पर आकर्ष लोहिया विनीत कुमार गुप्ता लोहिया विभोर कुमार गुप्ता लोहिया श्री राम कथामृत महोत्सव के अध्यक्ष महेश चंद्र अग्रवाल अनमोल लोहिया अवधेश लोहिया कुमकुम गुप्ता नयनतारा अनिल कुमार शर्मा राम रतन शर्मा राजेश सक्सेना आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

अनूपशहर तहसील सभागार में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

अरविंद कुमार

उत्तर प्रदेश: अनूपशहर तहसील सभागार में समाधान दिवस का हुआ आयोजन कल 46 शिकायत आई 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर हुआ हिमांशु कुमार अपर आयुक्त की अध्यक्षता में तहसील सभागार में समाधान दिवस का आयोजन हुआ कल 46 शिकायत है 6 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण हुआ प्रजापति समाज के लोगों ने समाधान दिवस में एक शिकायत पत्र दिया।

यह मलकपुर रोड स्थित बूढ़े बाबा मैथ तालाब धार्मिक स्थल पर नगर पालिका द्वारा पानी की टंकी लगवाने का निर्माण के लिए प्रस्ताव पास कर दिया खुशहालगढ़ रोड स्थित एक कॉलोनी में विद्युत लाइन में विद्युत ने आने की लिए लोगों ने शिकायत की राजस्व विभाग विद्युत विभाग पुलिस विभाग नगर पालिका आदि विभागों की शिकायत हुई एसडीएम नवीन कुमार ने एवं हिमांशु कुमार अपर आयुक्त ने से शिकायत शीघ्र निस्तारण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्र अधिकारी डॉक्टर अनूप सिंह तहसीलदार अजय कुमार नायब तहसीलदार खुशबू सिंह वीडियो मोकम सिंह अधिशासी अधिकारी मीना सिंह आदि संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे संवाददाता रविंद्र कुमार इंसा के साथ योगेंद्र प्रजापति अनूपशहर।

राजकीय विद्यालय में उत्कृष्ट अटल टिंकरिंग व आईसीटी लैब हुआ स्थापित, उद्धघाटन में शमिल हुए जिलाधिकारी शिक्षाधिकारी

महेन्द्र सिंह मीना

राजस्थानः बजावा सुरों का विद्यालय में उत्कृष्ट अटल टिंकरिग व आईसीटी लैब। जिला शिक्षा अधिकारी व एपीसी ने किया अवलोकन। जिले के राजकीय विद्यालयों में भी अब स्तरीय लैब स्थापित है व उनका सदुपयोग हो रहा है।

शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी मनोज ढाका व आईसीटी प्रभारी एपीसी कमलेश तेतरवाल ने राउमावि बजावा शूरों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य महिपाल, लैब प्रभारी अध्यापक तंवर अजय श्रीराम व विकास आर्य ने विद्यालय में दिनेश कुमार वरिष्ठ अध्यापक की प्रेरणा से बिट्स पिलानी के सहयोग से स्थापित अटल टिंकरिग लैब व भामाशाहों के सहयोग से स्थापित आईसीटी लैब का अवलोकन करवाया। लैब इतनी शानदार, सुसज्जित व क्रियाशील पाई गई कि राजकीय विद्यालय में ऐसी लैब होना गर्व की बात है।

लैब में विद्यार्थी मॉडल्स बना रहे थे, थ्री डी प्रिंटर के माध्यम से बनने वाले मॉडल व अन्य वस्तुएं देखते ही बनती है। ऐसा लग रहा था जैसे किसी उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग कॉलेज में काम हो रहा है। इसी तरह विद्यालय की आईसीटी लैब भी इतनी सुव्यस्थित है कि जिले के अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय है। लैब में जनसहयोग से 20 कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर,आईएफपीडी लगे हुए है जिन पर प्रतिदिन विद्यार्थी अभ्यास क्रय हैं।

डीईओ ढाका ने एपीसी को निर्देश दिए कि ऐसे विद्यालय में अन्य विद्यालयों के अध्यापकों व विद्यार्थियों को विजिट करवानी चाहिए।

इसी विद्यालय में कार्यरत पति पत्नी विकास आर्य व्यख्याता इतिहास व सुनीता कुमारी व्यख्याता भूगोल से भी अधिकारियों ने आगामी प्रिबोर्ड व बोर्ड परीक्षा पर चर्चा की। उलेखनीय है कि इसी दम्पति ने मिशन हंड्रेड के तहत इतिहास व भूगोल के प्रश्न बैंक बनाये है जो पूरे राजस्थान में विभाग द्वारा प्रसारित किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाचार्य व स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए नामांकन वृद्धि,व्यवसायिक शिक्षा पर भी प्रयास करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर राजकला व्याख्याता, शारिरिक शिक्षक रामप्रकाश, रेखा सैनी, सुशीला खोथ, दया वर्मा, उषा कुमारी, समेस्ता, मनीषा उपस्थित थे।

पुणे के कोल्हापुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रोएक्टिव अबेकस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों को मिली सफलता

रियाज अब्दुल गफूर शेख

महाराष्ट्रः पुणे के कोल्हापुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रोएक्टिव अबेकस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 7 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 2500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में 100 गणित हल करने के लिए छह मिनट का समय दिया गया। प्रतियोगिता में लक्सा अकादमी (कोंधवा/हडपसर) के अंशुल रविराज क्षीरसागर ने प्रथम पुरस्कार (साइकिल विजेता), शुभम कांबले ने तीसरा पुरस्कार और अरशद मोमिन और मयूर ढकाल ने प्रोत्साहन पुरस्कार जीता।

कंपनी की ओर से उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. इसके अलावा चिराग भाटी ने अबेकस के आठ स्तर पूरे किए और उन्हें "प्रोएक्टिव अबेकस मास्टर" की उपाधि मिली। पिछले महीने पुणे में आयोजित क्षेत्रीय अबेकस प्रतियोगिता से उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ था। अबेकस गणनाओं को शीघ्र एवं सटीकता से हल करने का विज्ञान है। अबेकस बच्चों में गणित के प्रति रुचि पैदा करता है। एकाग्रता और याददाश्त बढ़ाता है।

बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाता है और उन्हें तेजी से पढ़ने और लिखने में मदद करता है। कार्यक्रम में प्रोएक्टिव कंपनी के निदेशक श्री राजेंद्र लोचनी, श्री गिरीश कार्डे, श्री अजय मनियार, सुश्री सारिका कार्डे, सुश्री ज्योति मनियार, सुश्री स्नेहा लोचनी और सुश्री तेजस्विनी सावंत उपस्थित थे। सभी सफल विद्यार्थियों की प्रशंसा की जाती है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कई तहसीलदारों का हुआ तबादला

शेख कलीम शेख

महाराष्ट्रः लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तहसीलदारों के तबादले बुलढाणा के पांच तहसीलदार बदले बुलढाणा के तहसीलदार रूपेश खंडारे भी शामिल बुलढाणा, 2 फरवरी लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर तहसीलदार संवर्ग के कुछ अधिकारियों का तबादला किया गया है. इसमें कुल 21 अधिकारी शामिल हैं और बुलढाणा जिले के पांच तहसीलदारों का बुलढाणा जिले से तबादला कर दिया गया है।

उप सचिव अजीत देशमुख द्वारा प्राप्त सरकारी आदेश के अनुसार, बुलढाणा के तहसीलदार रूपेश खंडारे को यवतमाल जिले के दारव्हा से बुलढाणा के तहसीलदार वीएस कुमारे के रूप में नियुक्त किया गया है. खंडारे ने 4 अक्टूबर 2020 को बुलढाणा तहसीलदार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। चिखली के तहसीलदार सुरेश कावले को अकोला का तहसीलदार नियुक्त किया गया है. कावले की जगह अमरावती संभागीय आयुक्त कार्यालय के संतोष काकड़े चिखली के तहसीलदार के रूप में कार्यभार संभालेंगे. तीसरा तबादला मलकापुर से तहसीलदार आर. यू सुराडकर सुराडकर का जन्म हुआ है।

उन्हें यवतमाल जिले के उमरखेड भेजा गया है और बालापुर के तहसीलदार आरएम तायडे मलकापुर के नये तहसीलदार होंगे। शेगांव के तहसीलदार साधन सोनवणे अकोला जिले के तेल्हारा में कार्यभार संभालेंगे जबकि बाशीर्टाकली से आये डी. उनकी जगह लेंगे. आर.बजाद शेगांव के स्त्रोतों का प्रबंधन करेंगे।

डिप्टी कमिश्नर परनीत शेरगिल ने चिकित्सा पदाधिकारियों से की बैठक

कुलभूषण वर्मा

पंजाबः डिप्टी कमिश्नर ने सभी वरिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ बैठक की डिप्टी कमिश्नर परनीत शेरगिल ने आम लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के संबंध में पंजाब सरकार द्वारा जारी किए गए नए आदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासनिक परिसर में सिविल सर्जन और जिले के सभी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के समूह को निर्देश दिए कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आम लोगों को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और अस्पतालों के भीतर लोगों को दवाओं की उपलब्धता के संबंध में सरकार द्वारा दिए गए आदेशों का पालन सुनिश्चित करें।

ध्यानपूर्वक और लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए जरूरी उपकरणों और दवाओं आदि की उपलब्धता के संबंध में फीडबैक देने को भी कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी ड्यूटी ईमानदारी एवं लगन से निभाएं ताकि अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। श्रीमती परनीत शेरगिल ने कहा कि सभी एस एम ओ यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी डॉक्टर मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखे और मरीजों को अस्पताल के भीतर से ही दवाएं दी जाएं। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. दविंदरजीत कौर से कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कोई भी समस्या हो तो वह उनके ध्यान में लायें। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक औषधियों की सूची के अतिरिक्त यदि अन्य औषधियों की आवश्यकता हो तो शासन के निदेर्शानुसार क्रय कर मरीजों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को आम आदमी क्लीनिक में आने वाले लोगों के लिए उचित बैठने की जगह, पीने के लिए साफ पानी और क्लीनिक के आसपास साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को भी कहा। बैठक में डिप्टी मेडिकल कमिश्नर डॉ. सरिता के अलावा जिले के सभी सीनियर मेडिकल कमिश्नर मौजूद थे।

एक नजर

सुरक्षा को लेकर गोंडा पुलिस ने किया पुरे क्षेत्र का भ्रमण

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः गोण्डा, शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था/शुक्रवार नमाज के दृष्टिगत पुलिस-फोर्स के साथ आम जनमानस में सुरक्षा के भाव को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के कस्बे का भ्रमण किया गया। आम जनमानस से अनुरोध किया गया कि शांति एवं कानून व्यवस्था, सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, असामाजिक तत्वों तथा किसी भी प्रकार की अफवाह व उन्माद फैलाने वालों के बारे में तत्काल 112 नम्बर अथवा संबंधित थाना प्रभारी को सूचित करें।

गौशाला में भूख प्यास से तड़प कर मर रहे गौवंश

ब्यासजी

उत्तर प्रदेशः गौशाला में भूख प्यास से तड़प कर मर रहे गौवंश। कछौना/हरदोई- बेसहारा मवेशियों को संरक्षित करने के लिए सरकार ने बड़ी संख्या में जनपद हरदोई के हर ब्लाक स्तर ग्रामपंचायतों में गौशालाओं का निर्माण करवा दिया है लेकिन अनदेखी की वजह से इनमें बंधे बेसहारा और बेजुबान पशुओं काहिल बेहाल है। गौशाला में पशु बिना चारा पानी के आते दिन दम तोड रहे हैं।

इतना ही नहीं मृत पशुओं को दफनाने की व्यवस्था नही होने के वजह से मरे हुए पशुओं को चील तथा कुत्ते बुरी तरह नोच नोच रहे हैं। यह दुखद हाल है विकासखंड कछौना के अन्तर्गत भानपुर की गौशाला का है। सूत्रों के मुताबिक जानकारी मिली है कि गौशाला में करीब एक महीने से गोवशो के मरने का सिलसिला जारी है।इस मामले में कछौना के विकास खंड अधिकारी मानवेन्द्र शर्मा से जानकारी ली गई तो उन्होंने नहीं होने की बात कही।और कहा कि अगर जांच में ऐसा पाया गया तो उचित कार्यवाही की जायेगी।

प्रकृति को लगातार नुकसान, कम हो रहें पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद चिंता

हफीजुर्रहमान

उत्तर प्रदेशः सभी जीवों को सुरक्षित और संरक्षित रखने की आवश्यकता हैं !पर विडंबना ही है कि आधुनिकता की होड़ और सुख-सुविधाओं के लिए लोग लगातार विकास के नाम पर पेड़ काटते चले जा रहे हैं !जबकि जीवों और पर्यावरण का बहुत गहरा संबंध है !प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है। वर्तमान में हर कोई व्यक्ति इस बात को जानकर भी अनजान बना हुआ और प्रकृति को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है।

बढ़ता प्रदूषण, घटती हरियाली, कम हो रहें पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद चिंता का विषय है !पेड़-पौधों के बिना धरती बंजर है !हरियाली, पेड़-पौधे और नदी-पहाड़ ही धरती के गहने है ! फूल पौधे व पेड़ धरती की मुस्कुराहट है ! पेड़-पौधों से ही धरती का तापमान भी नियंत्रित होता है पेड़-पौधे ही हमें प्राणवायु देते हैं !जब पेड़ संकट में पड़ जाता है, यानी जब उसे काटा जाता तो उन पक्षियों, चिड़िया, गिलहरियों और तितलियों का क्या होता है ? व सब कहां जाते हैं ?यह किसी से छुपे नही हैं इस लिए विकास की दौड़ में इनका घर बार ना बिखेरे।

शादी का झांसा देकर युवती का किया था अपहरण, आरोपियों को हरियाणा पुलिस ने दबोचा

सूरज पोसवाल

राजस्थानः मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र से 10 महीने पहले शादी का झांसा देकर अपहरण की गई नाबालिक युवती के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं नाबालिक युवती को पुलिस ने जनवरी में ही दस्तयाब कर लिया था। दरअसल, दो युवक 24 मई 2023 को मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र से एक नाबालिक युवती का अपहरण कर हरियाणा ले गए थे। इस दौरान नाबालिक युवती के परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने नाबालिक युवती और आरोपियों की तलाश शुरू की।

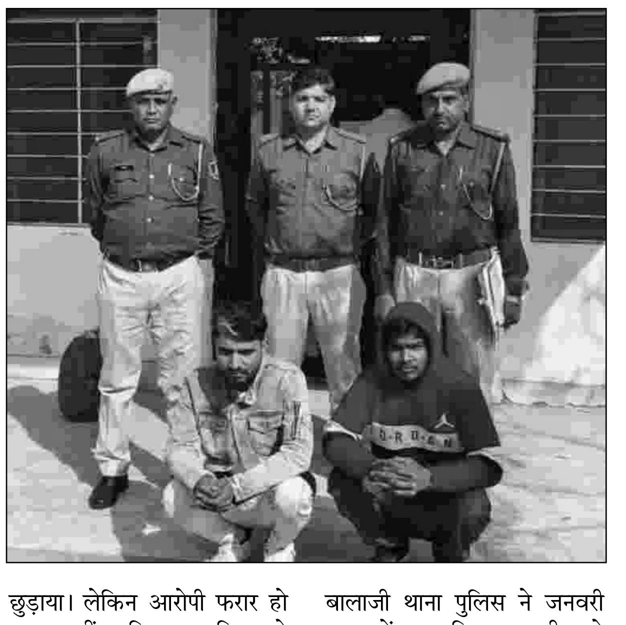

हरियाणा पुलिस ने नाबालिक युवती को आरोपियों के चुंगल से छुड़ाया

काफी तलाश के बाद भी युवती का सुराग नहीं लग पाया। ऐसे में हरियाणा पुलिस ने नाबालिक युवती को आरोपियों के चुंगल से छुड़ाया। लेकिन आरोपी फरार हो गए। वहीं हरियाणा पुलिस ने नाबालिक युवती को हरियाणा बाल कल्याण समिति को सौंप दिया। इसके बाद सूचना मिलने पर बालाजी थाना पुलिस ने जनवरी माह में नाबालिक युवती को दस्तयाब कर लिया।

आरोपियों से नाबालिक की शादी में हुई मुलाकात

थाना प्रभारी बुद्धिप्रसाद के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि सतीश उर्फ रिंकू (27) निवासी नारनोद हरियाणा ने एक शादी समारोह में नाबालिक युवती से मुलाकात की थी। इसके बाद आरोपी और उसका साथी रवि (24) पुत्र सुभाष निवासी नारनोद हरियाणा नाबालिक युवती को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गए। ऐसे में नाबालिक युवती को पहले ही दस्तयाब कर लिया गया। लेकिन आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहे थे। जिसके चलते मुखबिर तंत्र से मिली सूचना के बाद थाना प्रभारी ने एएसआई मुकेश गुर्जर के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भेजी। ऐसे में शुक्रवार को एएसआई सहित कांस्टेबल ओमेंद्र शर्मा और केके शर्मा ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

सिलाई मशीन के नाम पर हो रही हैं ठगी

कृष्ण कुमार यादव

राजस्थानः सिलाई मशीन के लालच में महिलाओं की ईमित्रो पर उमड़ रही भीड़,योजना में कही भी मशीन का जिक्र नहीं, ईमित्रो द्वारा प्रति आवेदन 100 रुपए से लेकर 300 रुपए लिए जा रहे। अधूरी जानकारी देकर महिलाओं से भरवा रहे आवेदन, विश्वकर्मा योजना के नाम पर भराये जा रहे आवेदन।

जबकि हकीकत यह है कि आवेदन सीएससी पर भरने के बाद त्रिस्तरीय जांच होगी कि उसके पास दुकान भी है या नहीं तथा वास्तव में यह काम भी करेगा या नही तथा ग्राम पंचायत व नगरपालिका व नगरपरिषद की टीम वैरिफिकेशन करेगी उसके बाद सत्यापन सही पाया गया तो ट्रैनिंग होगी उसके बाद टूलकिट खरीदने के लिये सहायता राशि मिलेगी,आवेदन की उम्र 18 से 40 साल के बीच होनी चाहिये जबकि कई महिला वृद्धावस्था पेंशन ऊठा रही महिलाओं ने भी आवेदन कर दिया।

हकीकत इनको भरना है आवेदन

पीएम विश्वकर्मा योजना में योग्यता के तहत आवेदक असंगठित क्षेत्र में 18 निश्चित पारंपरिक व्यवसायों में से किसी एक में कारीगर या शिल्पकार के तौर पर कार्य कर रहा हो। रजिस्ट्रेशन की तिथि तक आवेदक की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए।

धार्मिक उन्माद न हो इसलिए पुलिस ने बुलाई सभी धर्मो के गुरुओं की बैठक

मोहम्मद शारिक

उत्तर प्रदेशः पुलिस आयुक्त ने प्रबुद्ध लोगों, सभी वर्गों के धमार्चार्यों, प्रमुख शहर काजीगण, प्रमुख मौलाना, मस्जिदों के इमाम, मंदिरों के सभी पुजारी से की वार्ता और शहर को सामान्य, व्यवस्थित और बेहतर बनाए रखने की अपील

पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने दिए 4331 बीट पुलिस अधिकारीयों को निर्देश अपने अपने क्षेत्र के कैमरों को रखे चुस्त दुरुस्त। कानपुर शहर के सभी क्षेत्रों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई जुम्मे की नमाज कानपुर पुलिस आयुक्त ने दिए सख्त दिशा निर्देश सभी थाना प्रभारी - दफ्ळ तथा आवश्यक पुलिस बल के साथ स्वयं रहेंगे सड़कों पर। फील्ड में डीसीपी, एसीपी एडिशनल डीसीपी रहेंगे स्वान पुलिस बल, पीएसी तथा दफ्ळ के साथ मुस्तैदी जुम्मे की नमाज को लेकर कानपुर पुलिस अलर्ट मोड पर चप्पा चप्पा पर रखी गई पैनिक नजर।

11 वर्ष पूर्व हुए मामले में नक्सली लाल व्रत को उम्र कैद की सजा

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र नक्सली लाल व्रत कोल को आजीवन कारावास एंव साढ़े 11 वर्ष पूर्व छिकड़ा जंगल में हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ का मामला। एसपी सुभाष चंद्र दुबे समेत 9 पुलिस कर्मियों को लगी थी चोट। अपर न्यायाधीश प्रथम अहसानुल्लाह खान की अदालत ने शुक्रवार को सुनाई नक्सली लाल व्रत कोल को आजीवन कारावास साढ़े 11 वर्ष पूर्व छीकड़ जंगल में हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए नक्सली लाल व्रत कोल के पास से प्रतिबंधित असलहा बरामद होने के मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए अपर न्यायाधीश अहसानुल्लाह खान की अदालत ने दोष सिद्ध पाकर दोषी नक्सली लाल व्रत कोल को आजीवन कारावास व 30 हजार की अर्थ दंड की सजा सुनाई।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक 29 मई 2012 को वीरेंद्र कुमार यादव, चौकी प्रभारी डाला को मुखबिर के जरिए पता चला कि छिकर्र के जंगल में कुछ नक्सली घुसे हैं। इसकी सूचना तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सोनभद्र सुभाष चंद्र दुबे को दी गई। कुछ ही देर बाद एसपी के निर्देश पर एस ओ जी और सीआरपीएफ फोर्स को मौके पर बुलाया गया। पुलिस टीम द्वारा जंगल में छानबीन शुरू की गई तो एक नक्सली को मैगजीन अनलोड करते समय पुलिस फोर्स ने पकड़ लिया। शेष नक्सली भागने में सफल हो गए।

पकड़े गए नक्सली ने अपना नाम लाल व्रत कोल पुत्र बचायू कोल निवासी माझी गंवा थाना नौगढ़ जिला चंदौली बताया। तलाशी करने पर उसके कब्जे से एक कारबाएं, एक राइफल, और 20 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। एसपी सुभाष चंद्र दुबे,सी ओ प्रमोद कुमार यादव चार दरोगा समेत नौ पुलिस वालों को चोटआई थी। इस तहरीर पर पुलिस ने एफ आई आर दर्ज किया था। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं, गवाहों का बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोष सिद्ध पाकर दोषी को सजा दी गई।

गोल्डन एजे ट्रेवल्स ने शुरू की बल्लारपुर से वाराणसी की बस यात्रा

सुमित अजय शर्मा

महाराष्ट्रः गोल्डन एजे ट्रेवल्स बल्लारपुर के प्रयास से उत्तर भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आभा ट्रेवल्स की बस सेवा बल्लारपुर से वाराणसी तक शुरू किया गया। इस पहल का भाजपा तालुका उत्तर भारतीय मोर्चा ने भव्य स्वागत किया। जिले में उत्तर भारत के रहने वाले नागरिकों की संख्या भारी तादात में होने के कारण उनके आवागम के लिए रेल सुविधा पर्याप्त उपलब्ध नहीं हो पाती हैं इस समस्या को ध्यान में रखते हुए गोल्डन एजे ट्रेवल्स के प्रमुख संचालक श्री श्रीकांत उपाध्याय ईजाज सिद्दीकी, वीरेंद्र भाई।

सह संचालक संदीप गुप्ता, मोहन निषाद इनके द्वारा बल्लारपुर से वाराणसी तक एसी स्लीपर कोच बस सेवा शुरू कराई गई है। इस बस की प्रथम शुरूवात आज दिनांक 31 जनवरी 2024 को बल्लारपुर से किया गया चंद्रपुर में बाईपास रोड स्थित पं. मथुरा प्रसाद पांडेय जी के निवास स्थान के समीप बस के प्रथम आगमन पर शासकीय अभियांत्रिक महाविद्यालय के नियामक अध्यक्ष एवम भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री रामपाल भैया सिंह , श्री अजय दुबे प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा कामगार मोर्चा, हिंदी ब्राह्मण समाज के संस्थापक अध्यक्ष श्री विनोद तिवारी जी ने पूजा अर्चना कर बस चालक एवम सहकर्मी को दुपट्टा देकर सत्कार किया साथ ही गोल्डन एजे ट्रेवल्स के सभी संचालकों को सुभकमनाएं दी. तत्पश्चात श्री अजय दुबे, विनोद तिवारी, रामपाल सिंह जी ने हरी झंडी दिखाकर बस को आगे की ओर प्रस्थान कराया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप देवीप्रसाद उपाध्याय, अनिल पांडे, मिथलेश पाण्डेय जिला संगठन महामंत्री भाजयुमो, सुभाष त्रिपाठी, आनंद तिवारी, वेकोली के कामगार नेता सुदामा यादव, सूरज सिंह महानगर अध्यक्ष भाजपा कामगार मोर्चा, उत्तर भारतीय मोर्चा के उग्रसेन पाण्डेय, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के तालुका महासचिव दीपक पाठक, फिरोज सिद्दीकी, राममूरत यादव जी, वीरेंद्र परमार , राजू यादव ,संदीप शंकवार, कृपाशंकर उपाध्याय, धीरेंद्र मिश्रा, रूपेश पांडेय, उमाशंकर पांडेय सुनीत मिश्रा सुभाष त्रिपाठी जी, सत्यप्रकाश दुबे जी भाजपा नेता संदीप पोडे जी ,नौशाद शिदिकी एवम अन्य सदस्य मौजुद थे।

पिकअप से ले जा रहे 7 गोवंश को बरामद कर, तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः पिकअप से ले जा रहे 7 गोवंश को बरामद कर, तीन आरोपी को किया गिरफ्तार सोनभद्र जिले के विंधमगंज झारखंड बैरियर से किया गिरफ्तार। गोवध निवारण, पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर आरोपी का किया चालान। सोनभद्र उत्तर प्रदेश। सोनभद्र जिले के झारखंड बॉर्डर पर विंधमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र यशवीर सिंह द्वारा चलाए जा रहे गोवध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम क्रम में दुद्धी क्षेत्राअधिकरी के नेतृत्व में विंधमगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर झारखंड बैरियर के पास से ले जा रहे सात गोवंश बरामद किया।

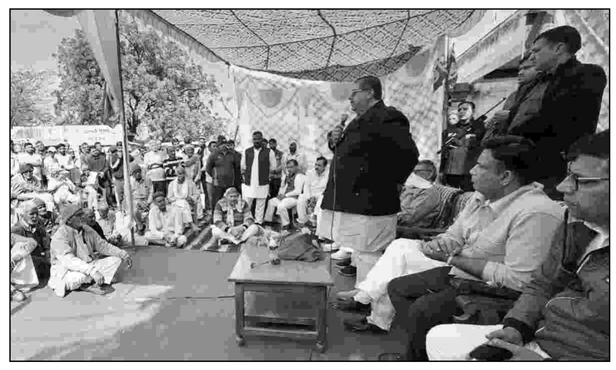

गया तथा तीन आरोपी भुलेतन सा हु पुत्र केशव साहब निवासी सोनार घाट थाना कुटुंबा औरंगाबाद बिहार, रविंद्र यादव पुत्र शिव यादव निवासी टैगुरही थाना हरिहरगंज पलामू झारखंड, मोहन सव पुत्र श्यामसुंदर साब निवासी कनारा थाना अंबा जिला औरंगाबाद बिहार पिकअप संख्या BR 26 GB 8035 को गिरफ्तार किया। उक्त गिरफ्तारी के संबंध में थाना विंधमगंज सोनभद्र में अपराध संख्या 16/2024 धारा3/5 क/8 गोवर्धन निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर आरोपी का चालान कर दिया गया है बरमदगी करने वाली टीम में थाना प्रभारी विंधमगंज श्याम बिहारी, शमशेर यादव, जगदीप यादव, आशीष यादव, अखंड प्रताप सिंह थाना विंधमगंजथाना सोनभद्र थे।

जनपद बिजनौर के थाना किरतपुर में अफवाह के चलते मुफ्ती प्लाजा बाजार में भीड़ हुई इकट्ठा

आकील अली

उत्तर प्रदेशः किरतपुर शुक्रवार की सुबह नगर की मशहूर मुफ्ती प्लाजा मार्किट में उस समय लोगों की भीड़ इखट्टा हो गई। जब यह अफवाह उड़ गई कि एक दूकान का शटर अंदर से बंद है वहा एक युवक युवती कुछ गलत कर रहे हैं, मौके पर पहुंची पुलिस दोनो को थाने ले गई। संपर्क सूत्र के अनुसार बताया गया कि मुफ्ती प्लाजा मार्किट में एक दूकान में एक ऑफिस खोला गया है।

शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी होने के कारण अधिकतर दुकानें बंद थीं प्रत्येक्ष दर्शियों के अनुसार एक युवक व युवती ऑफिस में गए और उन्होंने ने अंदर से शटर बंद कर लिया, लोगों में दाल में काला है सोचकर कानाफूसी शुरू हो गई, देखते देखते मौके पर काफी भीड़ इखट्टा हो गई, शटर खुलने पर दूकान के अंदर से एक युवक व युवती बाहर निकले भीड़ ने उन्हे घेर लिया, युवक युवती ने बताया कि व दोनों इस ऑफिस में साथ साथ काम करते हैं।

सुबहा सर्दी व हवा की वजह से उन्होंने ने आधा शटर बंद कर लिया था, शटर खराब होने के कारण पूरा शटर नीचे गिर गया जिसे ऊपर उठाने का प्रयास किया ही जा रहा था कि अफवाह व गलत फहमी के चलते बाहर भीड़ इखट्टा हो गई, मौके पर पहुंची पुलिस दोनो को थाने ले गई।

सखी वन स्टॉप सेंटर ने घरेलू हिंसा को लेकर गाँव में शुरू किया जागरूकता कार्यक्रम

कुलभूषण वर्मा

पंजाबः सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा गांवों में जागरूकता शिविर लगाए गए। डिप्टी कमिश्नर परनीत शेरगिल के आदेशानुसार जिला प्रोग्राम अधिकारी गुरमीत सिंह के नेतृत्व में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा गांव माजरा मन्ना सिंह वाला और घुमना में जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी रजनी बाला ने सखी वन स्टॉप सेंटर के उद्देश्य और लिंग आधारित हिंसा से पीड़ित महिलाओं को तत्काल सहायता प्रदान करने में सखी वन स्टॉप सेंटर की भूमिका के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं और भारत सरकार का बाल विकास विभाग।

घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, बलात्कार, गैर-मानव तस्करी, दहेज उत्पीड़न और छेड़छाड़ जैसी किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे पुलिस सहायता, चिकित्सा सहायता, मानसिक और सामाजिक परामर्श प्रदान किया जाता है, मुफ्त कानूनी सहायता/कानूनी परामर्श और महिला पीड़ितों को अधिकतम पांच दिनों की अवधि के लिए अस्थायी आश्रय प्रदान करने के लिए केंद्र की स्थापना की गई है। रजनी बाला ने कहा कि गांवों और शहरों में आयोजित किए जा रहे जागरूकता शिविरों का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने के बारे में अधिक जागरूकता फैलाना और महिलाओं के लिए सुरक्षा और सम्मान की संस्कृति का निर्माण करना है।

इन जागरूकता शिविरों के दौरान महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा को रोकने में एक अच्छे पड़ोसी की भूमिका पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पंजाब के प्रत्येक जिले में सखी वन स्टॉप सेंटर खोले गए हैं और यह सेंटर फतेहगढ़ साहिब के सिविल अस्पताल के आपातकालीन भवन में खोला गया है। उन्होंने महिलाओं की सहायता के लिए केंद्र से संपर्क करने के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 181 और 112 के बारे में भी जानकारी दी।

एक नजर

माध्यमिक विद्यालय शाला रंगोरा मे बच्चों ने शाला वार्षिक मनाया उत्सव

बिरेन्द्र कुमार सेन

गुजरातः माध्यमिक विद्यालय शाला रंगोरा मे बच्चों द्वारा शाला वार्षिक उत्सव मनाया गया जिसमे द्वारा सांस्कृती कार्यक्रम रखा था जीसमे बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया और काफी उत्साहित नजर आए तथा 5वी, 8वी के होनहार छात्र छात्रा जो प्रथम द्वितीय ?वं तृतीय स्थान आने वाले को श्री अरविन्द प्रधान द्वारा 2000, 1500, 1000, रुपये देकर प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षक ,माध्यमिक शाला विकाश समिति के अध्यक्ष विरेन्द्र सेन, प्राथमिक शाला के अध्यक्ष अंगद बरिहा प्रधान पाठक रोहित नायक पैखन चौहान ,का पूर्ण सहयोग रहा जिसमे अतिथि के रूप मे अजय मलिक, नरेंद्र प्रधान, नरेश यादव, भागीरथी, दयाराम यादव, जगन्नाथ यादव जी सामील रहे।

अविश्वास प्रस्ताव मे कुर्सी बचाए प्रमुख कृष्णदेव चौधरी, नवनिर्वाचित समितियां ने फूलमाला से किया स्वागत

त्रिलोकी राज

बिहारः नौतन प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड प्रमुख पर लगा विश्वास प्रस्ताव। जिसे प्रखंड प्रमुख कृष्णदेव चौधरी ने बचाया अपना कुर्सी।आपको बता दे की प्रखंड मुख्यालय में चौमुखी विकास एवं प्रखंड के सभी पंचायत में अब तक हुई चौमुखी विकास के कामों को देखते हुए प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायत के समितियों ने प्रमुख के कार्यकलाप को देखते हुए आपसी सामंजस्य से फिर शौपा प्रमुख की कुर्सी।ढाई साल जानता के सेवा करने का फिर दिया मौका। इस मौके पर पंचायत के सभी नवनिर्वाचित समितियां ने प्रखंड प्रमुख कृष्ण देव चौधरी का किया फूलमाला से स्वागत।प्रमुख ने भी आए हुए सभी समितियां को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। वही प्रखंड प्रमुख कृष्णदेव चौधरी ने बताया कि हमारे ऊपर जो अविश्वास प्रस्ताव लागू हुआ वह बेबुनियाद साबित हुआ। यह जीत जनता की विश्वास की जीत है। मौके पर मनोज यादव, रूपेश सिंह,नजमा खातून, मनान आलम,अलखदेव राम इत्यादि सभी समिति के साथ पूर्व प्रमुख पति श्रीकांत सिंह मौजूद रहे। सभी लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

वैश्य समाज ने रवि गर्ग उर्फ मोनू भाटा को युवा प्रदेश महासचिव एवं चिराग अग्रवाल को जिला युवा अध्यक्ष किया मनोनित

सुनील कुमार

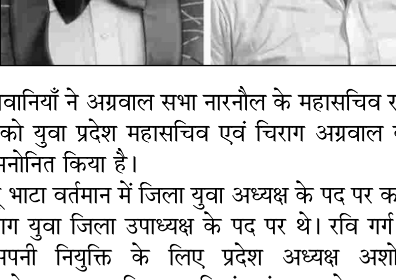

हरियाणाः नारनौल, अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुसंशा से अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश युवा अध्यक्ष रवि बधवानियाँ ने अग्रवाल सभा नारनौल के महासचिव रवि गर्ग उर्फ मोनू भाटा को युवा प्रदेश महासचिव एवं चिराग अग्रवाल को जिला युवा अध्यक्ष मनोनित किया है।

रवि गर्ग उर्फ मोनू भाटा वर्तमान में जिला युवा अध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे थे तथा चिराग युवा जिला उपाध्यक्ष के पद पर थे। रवि गर्ग व चिराग अग्रवाल अपनी नियुक्ति के लिए प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला व युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि बधवानियां एवं युवा प्रदेश प्रभारी नवदीप बंसल प्रदेश मंत्री मुकेश बंसल व जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास दिलवाया की उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे वह पूरी ईमान्दारी व निष्ठा से समाज को एकजुट करने व समाज की तरक्की के लिए कार्य करेंगे।

केजरीवाल के घर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम

नई दिल्लीः दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम अरविन्द केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशी से जानना चाहती है कि उन्होंने किस आधार पर विधायकों को तोड़ने का आरोप लगाया है। इस पक्ष में क्या- क्या सबूत है। अगर कोई सबूत है तो क्राइम ब्रांच को मुहैया कराए, जिसकी जांच की जाएगी।

अरविन्द केजरीवाल ने दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए उनके विधायको तोड़ने की कोशिश कर रही है। इस आधार पर दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम शुक्रवार रात केजरीवाल को नोटिस देने के लिए उनके आवास पर पहुंची। तभी पता चला कि वे चंडीगढ़ में है। 27 जनवरी को एक पोस्ट में दावा किया था कि पिछले दिनों इन्होंने हमारे दिल्ली के 7 टछअ से संपर्क कर कहा कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लेंगे और फिर टछअ को तोडगे। और इसके बाद आम आदमी की सरकार गिरा देंगे। कहा आप भी आ जाओ 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे। एक फर्जी आरोप लगा कर मुझे लोकसभा चुनाव प्रचार करने से रोकना चाहते है।

नजीबाबाद छोटे व्यापारियों का हो रहा उत्पीड़न

जीएसटी विभाग के अधिकारी हैं शामिल

आकील अली

उत्तर प्रदेशः नजीबाबाद के छोटे स्तर के व्यापारी आज व्यापारी सुरक्षा फोरम के वरिष्ठ प्रदेश मंत्री संजीव अग्रवाल से मिले और उन्होंने बताया कि हम तीन-चार हजार का भी सामान अगर हम लाते हैं तो जीएसटी विभाग के अधिकारी उसे पकड़ कर उसको 30- 40 हजार का सामान बता देते हैं और उसे पर जुमार्ना लगाकर वसूल करते हैं। इसी के देखते हुए व्यापारिक सुरक्षा फार्म के सदस्य फार्म के व्यापारी आज जीएसटी कार्यालय पहुंचे और उन्होंने असिस्टेंट कमिश्नर आशुतोष से मुलाकात की और उन्होंने व्यापारी की समस्या से अवगत कराया।

कमिश्नर ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि आगे से ऐसी कोई समस्या नहीं आएगी और अपने अधिकारियों को भी इस बारे में समझा दिया जाएगा अगर कोई भी व्यापारी को समस्या आती तो मुझसे आकर बात कर सकता है या मोबाइल से मुझे समस्या से अवगत करा सकता है इस व्यापारी संगठन के कमल बंधु महामंत्री और अनुज अग्रवाल कोषाध्यक्ष सौरव अग्रवाल संरक्षक उमापति गर्ग बड़ी सदस्य अजय अग्रवाल विष्णु चंद नगर मंत्री मोहम्मद आदिल अच्छा अनूप अग्रवाल अंश अग्रवाल आदि व्यापारी इस बैठक में शामिल रहे।

डिपू होल्डरों को दो माह से कमीशन ना मिलने पर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

इंद्रजीत

हरियाणाः कालांवाली प्रदेश में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत कार्यरत डिपू होल्डरों के दिसम्बर व जनवरी माह के कमीशन (मेहनताना) के भुगतान में देरी होने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए खाद्य एवं पूर्ति विभाग डबवाली केन्द्र के डिपू होल्डर मांगेराम गांव जण्डवाला बिश्नोईयां ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखकर मांग की है कि आपके आदेशों की अवेहलना करते हुए कान्फैड विभाग डिपू होल्डरों के कमीशन (मेहनताना) हर माह भुगतान नहीं कर रहा जैसा कि आपने विभाग को हर माह डिपू होल्डरों के कमीशन भुगतान वारे डिपू होल्डरों के जनसंवाद कार्यक्रम में घोषणा करते हुए आदेश दिए थे।

दो माह से डिपू होल्डरों को कमीशन (मेहनताना) ना मिलने से डिपू होल्डर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उन्हें माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी से फरियाद करते हुए कहा है कि दो माह का कमीशन ना मिलने से हम डिपू होल्डर राशन (सरसों-तेल व चीनी) के लागत मुल्य की अग्रणी राशि जमा करवाने में असमर्थ हैं। हमारे परिवार का पालन पोषण हम डिपू के कमीशन से ही करते हैं ज्यादातर डिपू होल्डर डिपू के रोजगार पर ही निर्भर हैं। अतः डिपू होल्डरों का दिसम्बर-जनवरी के बकाया कमीशन का भुगतान जल्द किया जाए ताकि डिपू होल्डर फरवरी माह के राशन की अग्रणी राशि जमा करवा सकें।

पटनीटॉप से सैलानी बर्फबारी, नजरों का लुत्फ उठाने पहुंचे

राजेश कुमार

जम्मू-कश्मीरः पसंदीदा पर्यटन स्थल पटनीटॉप और नत्थाटॉप बर्फबारी से गुलजार है। जम्मू समेत देशभर से सैलानी यहां बर्फबारी के नजारों का लुत्फ लेने के लिए पहुंच रहे हैं। यहां बर्फबारी के बीच सैलानियों को मस्ती करते देखा जा सकता है। वहीं ताजा बर्फबारी के चलते पटनीटॉप जाने वाले वाहनों को चिनैनी और कुद क्षेत्र में रोकना पड़ा है। इससे कुद में जाम की स्थिति बन गई है।

आवाजाही को सूचारू बनाने के लिए प्रशासन और ट्रैफिक विभाग के प्रयास जारी हैं। जुगधार, शिवगढ़ धार, सियोजधार की चोटियों पर ताजा हिमपात हुआ है। ये सभी इलाके जम्मू जिले के साथ लगते उधमपुर जिले में पड़ते हैं। हिमपात होने से क्षेत्र ठंड की चपेट में है। शीत लहर से स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुरक्षा के मद्देनजर जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। पटनीटॉप में पहुंचे सैलानी मासूम पदम ने कहा कि पटनीटॉप की वादियां धरती पर स्वर्ग का अहसास कराती हैं। जब कश्मीर जाना दूर हो तो यह जम्मू वासियों का पसंदीदा पर्यटन स्थल है। सैलानी साक्षी पदम ने कहा कि इस स्थल को कुदरत ने इतना खूबसूरत बनाया है कि यहां से वापस जाने का मन नहीं करता। चारों और पहाड़ और उसके बीच देवदार तथा बर्फ की चादर हर किसी का मन मोह सकती है।

वांटेड बदमाश को पुलिस ने मुखबिर के शहारे दबोचा

जितेन्द्र

उत्तर प्रदेशः थाना नगीना देहात को व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव परमावाल की ओर से थाना नगीना देहात पर पंजीकृत मु०अ०सं 09/24 धारा 398/401/307भादवि मे एवं 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त शहजाद उर्फ. मैगी अपने एक अन्य साथी के साथ मोटरसाइकिल सवार होकर काई गंभीर धटना धटइय करने की फिराक मे पूर्वी गंगनहर वाली सड़क से कोटद्वार रोड़ की तरफ आ रहा है। सुचना पर ग्राम टाड़ा के जंगल मे पूर्वी गंगनहर पर बने डैम पर थाना नगीना देहात पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल पर आ रहे थे दोनों व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशो की मोटरसाइकिल राजवाहे पर बनी पुलिया से टकराकर गिर गई और दोनो बदमाश पुलिस पार्टी पर जानसे मारने की नीयत से फायरिंग करने लगे।

संपादकीय

‘विकसित भारत’ दूर की कौड़ी

अंतरिम बजट को ‘विकसित भारत’ की संभावनाओं का दस्तावेज मान कर विश्लेषण किए गए हैं। वर्ष 2047 अभी बहुत दूर है। अभी भारत की कुल अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर की है। विकसित राष्ट्र के लिए सिर्फ अर्थव्यवस्था का बढ़ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि देश के लोगों की जीवन-शैली, जीवन-स्तर, आधुनिक शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और तकनीकी सुविधाएं और सुधार और व्यापक रोजगार आदि भी बेहतर दर्जे के होने चाहिएं। फिलहाल शिक्षा पर औसतन 3.8 फीसदी और स्वास्थ्य पर मात्र 1.3 फीसदी ही खर्च किया जाता है। अर्थशास्त्री लंबे अंतराल से दलीलें देते रहे हैं कि जीडीपी का कमोबेश 6-6 फीसदी हिस्सा इन क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिए। इनके अलावा, कृषि की औसत विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी रह गई है, जबकि कोरोना महामारी के दौर में भी यह 3 फीसदी से अधिक थी। हमारी जीडीपी में कृषि की 18-20 फीसदी भागीदारी है, लेकिन अभी एक वैश्विक रपट सामने आई है, जिसका एक निष्कर्ष यह भी है कि दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसमें किसानों की खेती वर्ष 2000 से लगातार घाटे में है। अंतरिम बजट में भी 1.27 लाख करोड़ रुपए से कुछ अधिक की राशि कृषि मंत्रालय को आवंटित करने की घोषणा की गई है।

यह एक छिपा-दबा तथ्य है कि फसल बीमा का बजट 2.7 फीसदी, अन्नदाता संरक्षण का बजट 21 फीसदी, यूरिया सबसिडी का बजट 7.5 फीसदी घटा दिया गया है। किसान और खेती तो प्रधानमंत्री मोदी के फोकस वाले चार वर्गों में से एक हैं। विशेषज्ञ मौजूदा दौर को ‘कृषि का संकट काल’ मानते हैं। वित्त मंत्री बजट कम करने का कारण बता देतीं, तो हम विचार कर सकते थे। बहरहाल भारत का जो जीडीपी है और विकास-दर 7 फीसदी के आसपास रही है, तो भी हमारी अर्थव्यवस्था 2030 तक दोगुनी नहीं हो सकती। अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि विकास-दर कमोबेश 11-12 फीसदी लगातार रहनी चाहिए। यदि गति ऐसी नहीं रहती है, तो 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य तक पहुंचने में 10 साल लग सकते हैं। फिर विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के समीकरण खटाई में पड़ सकते हैं। ‘विकसित भारत’ का सपना मीठा और सुखद लगता है, इस पर राजनीतिक प्रचार भी खूब किए जा सकते हैं, लेकिन हमारे सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक आधार वर्ष 2024 तक ऐसे हैं, जिनके मद्देनजर ‘विकसित देश’ का यथार्थ फिलहाल दूर की कौड़ी लगता है। दरअसल हमारा बजट घाटे का है। यह स्थिति जुलाई के पूर्ण और आम बजट में भी रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबाव में तैयार हुआ अंतरिम बजट

> अंतरिम बजट में किसानों को कोई राहत नहीं दी गई गरीबों को भी कुछ नहीं दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है।

-सनत जैन-

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा जो अंतिम बजट प्रस्तुत किया गया है उसको लेकर सभी और आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है कुछ माह पश्चात लोकसभा का चुनाव है अंतरिम बजट में जिस तरह की आशा की जा रही थी। ठीक उसके विपरीत अंतरिम बजट देखने को मिला है। जिसके कारण आर्थिक जगत में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अंतरिम बजट में किसानों को कोई राहत नहीं दी गई गरीबों को भी कुछ नहीं दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा रिस्क क्यों लिया लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार कुछ लोग लुभावन योजनाओं की घोषणा कर सकती थी सरकार की ओर से पिछले महीनो में इसे प्रचारित भी किया जा रहा था सरकार की ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई जिसके कारण सरकार को इतना कठोर बजट लाना पड़ा।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार केंद्र सरकार की माली हालत बड़ी खराब चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लेने के लिए विदेशी बांड जारी करने जा रही है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जीडीपी की तुलना में भारत सरकार के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है 2014 में केंद्र सरकार के ऊपर 55 लाख करोड रुपए का कर्ज था जो 2024 में बढ़कर 190 लाख करोड़ का होने जा रहा है पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार के ऊपर कर्ज तेजी के साथ बढा है मार्च 2024 के पहले सरकार को 10 लाख 55000 करोड रुपए का भुगतान कर्ज की अदायगी के रूप में करना पडा। अप्रैल 2024 के बाद के वित्तीय वर्ष में सरकार को 11 लाख 90000 करोड रुपए कर्ज के रूप में चुकाना होंगे। जो वर्तमान बजट का लगभग 40 फीसदी होगा। भारत के ऊपर जो डोमेस्टिक कर्ज है भारत सरकार को जो राजस्व प्राप्त हो रहा है उसका 40 फीसदी अकेले कर्ज और ब्याज की भुगतान में जा रहा है जिसके कारण राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ रहा है राजकोषीय घाटे से कम भारत में बचत वित्तीय संस्थानों में जमा हो रही है राजकोषीय घाटे की पूर्ति के लिए डोमेस्टिक ऋण मिल पाना मुश्किल हो गया है। इसलिए सरकार को मजबूरी बस अब विदेशी बांड की तरफ जाना पड़ रहा है।

सरकार को कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा सरकार को कर्ज कम करने खर्च को घटाने और राजस्व को बढ़ाने का दबाव भारत सरकार पर बना हुआ है वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार को विदेशी कर्ज ही एकमात्र सहारा रह गया है विदेशी कर्ज लेने के लिए सरकार को अंतरिम बजट में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो दबाव था उसके अनुसार अंतरिम बजट लाना पड़ा भारतीय निवेशकों ने अपना खुद का पूंजी निवेश नहीं किया भारत में जो बड़ी-बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं उसमें कैपिटल इन्वेस्टमेंट सरकार के द्वारा हो रहा है वित्तीय संस्थाओं द्वारा कैपिटल इन्वेस्टमेंट किया गया है भारतीय उद्योगपतियों द्वारा जो निवेश किया जाना था वह नहीं हुआ जिसके कारण स्थिति दिनों दिन खराब होती चली जा रही है भारत में आम लोगों की बचत भी पहले की तुलना में कम हुई है रिजर्व बैंक भी भारत सरकार को अब कर्ज देने की स्थिति में नहीं है राजकोषीय घाटा पूरा करने के लिए भी अब भारत के अंदर से सरकार को कर्ज मिलना मुश्किल हो गया है। केंद्र सरकार का आयात और निर्यात का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है आयात ज्यादा है, निर्यात कम हो रहा है। पिछले 5 वर्षों से सरकार कर्ज लेकर खर्च कर रही है कैपिटल इन्वेस्टमेंट कहीं से नहीं हो रहा है ग्रामीण अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी के साथ गिरावट की ओर है संगठित क्षेत्र भी संकट के दौर से गुजर रहा है गैर संगठित क्षेत्र भी भारत का लड़खड़ा रहा है इसको लेकर आईएमएफ ने बड़ी चिंता जताई है।

भारत सरकार की कर्ज की लिमिट समाप्त हो चुकी है विदेशी कर्ज लेने के बाद भारत सरकार को टैक्स भी बढ़ाने होंगे और सब्सिडी घटाना होगी सरकार को अपने खर्च भी घटाने होंगे सरकार को कर्ज भी घटाना होगा सरकार ने बजट में प्रावधान कर लिए थे लेकिन सरकार के पास राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध नहीं थी जिसके कारण सैकड़ो परियोजनाएं जिन में कैपिटल इन्वेस्टमेंट है वह पैसे के अभाव में 5 साल तक लेट चल रही है। एक्सप्रेसवे और रेलवे में भारत सरकार द्वारा बड़ा पूंजी निवेश किया गया है लेकिन इसका रिटर्न भी सरकार को नहीं मिल पा रहा है भारतीय निवेशक इसमें निवेश भी नहीं कर रहे हैं जिसके कारण स्थिति और भी खराब हो रही है भारतीय उद्योगपतियों ने जहां परियोजनाएं चल रही हैं वहां के आसपास की जमीनों और व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से कमाई की जा रही है इससे जमीनें महंगी हुई है आम आदमी पर खर्च बढा है लेकिन इसकी बेहतर स्थिति अर्थव्यवस्था में देखने को नहीं मिली जो मिलनी चहिए थी आईएफएम ने भारत सरकार को वित्तीय संतुलन बनाने के लिए कर्ज कम करने सरकार की आय बढ़ाने के लिए टैक्स बढ़ाने तथा सरकार की खर्च घटाने के लिए ठोस निर्णय लेने पर ही विदेशी सहायता मिलने की बात कही है सरकार अब बुरी तरीके से दबाव में है। अंतरिम बजट में अभी कोई टैक्स नहीं बढ़ाया गया है केंद्र सरकार ने 26 योजनाओं में जरूर कटौती की है लेकिन जुलाई माह में जो आम बजट आएगा उसमें निश्चित रूप से सरकार को सभी किस्म के टैक्स बढ़ाने होंगे सब्सिडी को कम या खत्म करना होगा लोक लुभावन योजनाओं को भी बंद करना पड़ेगा। जिसके कारण भारत सरकार को आने वाले वर्षों में काफी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। 2024 के आम चुनाव में जो भी सरकार बनेगी उसके ऊपर टैक्स बढ़ाने और कर्ज घटाने का भारी दबाव होगा।

कैंसर नियंत्रण की दिशा में उठाने होंगे बड़े कदम

-रमेश सर्राफ धमोरा-

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

यह दिवस कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है। 2014 में इसे विश्व कैंसर घोषणा के लक्ष्य 5 पर केंद्रित किया गया है। जो कैंसर के कलंक को कम और मिथकों को दूर करने से संबंधित है।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं। अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं भारत में सालाना बढ़ते कैंसर मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या 2022 में 14,61,427 रही। वहीं 2021 में यह 14,26,447, जबकि 2020 में 13,92,179 थी। सबसे ज्यादा कैंसर के मरीज उत्तर प्रदेश में हैं। यहां 2020 में 2,01,319, 2021 में 2,06,088 और 2022 में 2,10,958 मरीज मिले। वहीं सबसे कम कैंसर मरीज केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में हैं। यहां 2020 में 27, 2021 और 2022 में 28-28 मरीज मिले हैं।

कैंसर रोगों का एक समूह है जो असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार से होता है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। यह पहचानना आवश्यक है कि कुछ जीवनशैली विकल्प, जैसे धूम्रपान, खराब आहार और शारीरिक गतिविधि की कमी, कैंसर के विकास के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक फफड़ों का कैंसर (लंग्स कैंसर) सबसे खतरनाक कैंसर हो सकता है। हमारे देश में भी लंग्स कैंसर के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि 2023 के आखिर तक करीब 2.38 लाख से ज्यादा लोगों में लंग्स कैंसर मिल सकता है।

विश्व कैंसर दिवस 2024 की थीम है केयर गैप को बंद करें। यह कैंसर देखभाल में वैश्विक असमानताओं को रेखांकित करती है।

सम्पूर्ण जीर्णोद्धार की राह पर कांग्रेस

-तनवीर जाफरी-

स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी इन दिनों एक साथ कई मोर्चों पर संघर्षरत है। सत्ता का विपक्ष के प्रति 'दुश्मनों' जैसा व्यवहार जहाँ कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं के लिये चुनौती बना हुआ है वहीं कांग्रेस अपनी पार्टी में ही पल रहे 'आस्तीन के साँपों' से भी जूझ रही है। अनेक अवसरवादी नेता समय समय पर किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़कर बल्कि कांग्रेस की राजनैतिक विचारधारा को भी त्याग कर धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के बजाय साम्प्रदायिकता की डुगडुगी पीटने में लगे हैं। अनेक भ्रष्ट कांग्रेसी नेता भी पार्टी छोड़कर भयवश सत्ता की आगोश में जा बैठे हैं और किसी जांच एजेंसी का सामना करने के बजाये सुविधापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि नवगठित ह्यइंडियाह्न गठबंधन के कई क्षेत्रीय घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। गोया ऐसे वक़्त में जबकि ह्यइंडियाह्न गठबंधन को एकजुट व मजबूत होने का सन्देश देना चाहिये ऐसे वक़्त में कई विपक्षी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस का ही हौसला पस्त करने में लगे हैं।

उधर इन्हीं विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक की लगभग 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकल चुके हैं। इस यात्रा की शुरूआत में ही ह्यइंडियाह्न गठबंधन के प्रारंभिक सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ 'खेला' हो गया और वे अपने पुराने केंचुल में जा बसे। असम में न्याय यात्रा को राज्य सरकार का कदम कदम पर तरह तरह का विरोध सहना पड़ा। कहीं यात्रा के इजाजत नहीं मिली तो कहीं पुलिस में राहुल के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज हुई। यहाँ तक कि बंगाल में जहाँ भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सहयोग व समर्थन मिलना चाहिये वहां भी वीरभूमि और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों में परीक्षा के बहाने यात्रा की अनुमति नहीं दी गयी। सीट शेयरिंग के नाम पर भी ममता बनर्जी अपना स्टैंड लगभग साफ कर चुकी हैं कि वे बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ेंगी। इसके पहले ममता ने कांग्रेस को मात्र दो सीटों देने का प्रस्ताव किया था जो कांग्रेस ने नामंजूर कर दिया है। इतना ही नहीं बल्कि ममता ही यह भी कह चुकी हैं कि कांग्रेस यदि 300 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ती है तो इनमें से 40 सीटें भी नहीं जीत सकती। उत्तरप्रदेश में भी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 20 सीटें मांगी थीं। परन्तु अखिलेश यादव ने कांग्रेस को केवल 11 सीटें देने की ही घोषणा की। अब खबर है कि कांग्रेस व सपा में 13 सीटों पर सहमति बन चुकी है। इसी तरह दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस की सीट शेयरिंग की खबर है जिसके अनुसार कांग्रेस 4 पर जबकि आम आदमी पार्टी 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। परन्तु संभवतः पंजाब में इन्हीं दोनों दलों में सीट शेयरिंग न हो सके और दोनों दल आमने सामने चुनाव लड़ें। आम आदमी पार्टी तो हरियाणा, असम, गुजरात और गोवा में भी कांग्रेस से सीटें मांग रही है।

परन्तु इन सबसे इतर असम हो या बंगाल या बिहार अथवा झारखण्ड जहाँ से भी राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजर रही है लगभग हर जगह कांग्रेस पार्टी को भारी जनसमर्थन हासिल हो रहा है। कहीं कहीं तो जनसभाओं में लाखों की भीड़ इकट्ठी होकर राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं की बातों को सुन रही है। परन्तु चाटुकार गोदी मीडिया ने राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा को पूरी तरह ब्लैक आउट कर रखा है। गोदी मीडिया को इंडिया गठबंधन में किसी तरह की मनमुटाव की खबरों को तो मिर्च मसाला लगाकर परोसने में खूब मजा आता है परन्तु उसे राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उमड़ती भीड़ व उसकी सफलता नजर नहीं आती। इससे पहले भी जब राहुल ने 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिये यात्रा निकली थी तब भी गोदी मीडिया ने कोई तवज्जोह नहीं दिया था।

ह्यइंडियाह्न गठबंधन में अनेक सहयोगी दलों के नखरे, सत्ता का दबाव और साथ ही कांग्रेसी 'विभीषणों' का सामना और इसी बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान ही राहुल गांधी का कांग्रेस द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुये यह कहना कि- 'मैं चाहता हूं कि हिमंत बिस्वा सरमा और मिलिंद देवड़ा जैसे लोग कांग्रेस से चले जाएं, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। हिमंत एक विशेष प्रकार की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, यह कांग्रेस पार्टी की राजनीति नहीं है। लिहाजा ऐसे नेताओं को पार्टी से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि वे इसकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं।' तमाम नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़कर जाने के दौरान ही राहुल का 'अवसरवादियों' को दिया जाने वाला स्पष्ट सन्देश अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस को बचने के लिये राहुल को जिस दौर में थाली के बैंगनों की मान मनौव्वल की कोशिश करनी चाहिये उन्हें राहुल का पार्टी छोड़कर जाने का सीधा सन्देश देने का अर्थ है कि कांग्रेस और नेहरू गांधी परिवार दोनों ही कांग्रेस की मूल गांधीवादी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का पालन करने के लिये प्रतिबद्ध है। ऐसे में वह जमीर फरोश नेता जिनकी कोई वैचारिक रीढ़ नहीं बल्कि उन्हें सिर्फ सत्ता प्यारी है, उनके लिये कांग्रेस ने बाहर जाने के रास्ते खुले रखे हैं।

ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव इन्हें अपनी क्षेत्रीय राजनीति में मजबूत पकड़ पर तो गर्व हो सकता है परन्तु कन्याकुमारी से कश्मीर तक और अब मणिपुर से मुंबई तक जिसतरह कांग्रेस ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान सड़कों पर उतर कर अपना जनाधार प्रदर्शित किया है कोई भी क्षेत्रीय दल तो क्या सत्तारूढ़ भाजपा भी नहीं कर सकती।

विपक्षी दलों की साख दाव पर

-योगेंद्र योगी-

गत वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं को बख्शेगी नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में हुई गिरफ्तारी से यह बात साबित हो गई। आश्चर्य यह है कि विपक्षी दल सोरेन की गिरफ्तारी पर भाजपा पर राजनीतिक विद्वेषता से कार्रवाई करने का आरोप तो लगा रहे हैं, किन्तु यह एक बार भी नहीं बताया कि देश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए उनके पास क्या रोडमैप है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों का शासन है, उनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार को समझ में आ गया है कि देश के मतदाता भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी मुहिम के समर्थन में हैं। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र की भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की काफी कोशिश की, किन्तु कामयाबी नहीं मिल सकी। फ्रांस से खरीदे युद्धक विमान राफेल, अडानी और अंबानी को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। इन आरोपों को लेकर विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें सारहीन मान कर खारिज कर दिया। इससे भाजपा का नैतिक बल बढ़ गया। भाजपा ने भ्रष्टाचार की मुहिम को तेज करने के साथ ही सोरेने जैसे नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। विपक्ष भ्रष्टाचार पर बदले की नीयत का आरोप लगा रहा है, किन्तु प्रवर्तन निदेशाालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा नेताओं की गिरफ्तारी के ज्यादातर मामलों में अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। इससे जाहिर होता है कि ईडी और सीबीआई ने ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है। तृणमूल कांग्रेस और आप सहित कई पार्टियों के नेता जमानत नहीं मिलने के कारण महीनों-सालों से जेलों में बंद हैं। अदालतों ने यह माना है कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार में लिप्त होने के पर्याप्त सबूत मिले हैं।

यही वजह है कि इनको जमानत नहीं मिल सकी, ताकि सबूतों और गवाहों को प्रभावित नहीं किया जा सके। गौरतलब है कि कांग्रेस सहित 14 दलों ने ईडी और सीबीआई पर दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में जांच एजेंसियों को लेकर भविष्य के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों का तर्क था कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की ओर से 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विशेष मामले के तथ्यों के बिना सामान्य दिशानिर्देश निर्धारित करना संभव नहीं है। सीजेआई ने कहा कि जब आपके पास व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो तो हमारे पास वापस आएं। मामले के तथ्यों से संबंध रखे बिना सामान्य दिशा-निर्देश देना खतरनाक होगा। इस पर विपक्षी दलों ने याचिका वापस ले ली। ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं को जमानत नहीं मिलने और सुप्रीम कोर्ट से विपक्षी दलों को मिली हार के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हो गए। यही वजह है कि विगत विधानसभा चुनाव और उसके बाद सार्वजनिक तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों के कई बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद खतरे की घंटी सबसे तेज तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आसपास ही बज रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले का सामना कर रहे हैं। इस मामले में ईडी ने केजरीवाल को चार समन भेजे हैं, लेकिन वो अभी तक केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर करीब एक दर्जन से अधिक विपक्षी नेता हैं। देर-सवेर इनका भी बच पाना मुश्किल है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। आरोप है कि रेवंत जब टीडीपी में थे, तो उन्होंने साल 2015 में विधान परिषद के चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वोट देने के लिए एक विधायक को कथित तौर पर पचास लाख रुपए रिश्वत के तौर पर दिए थे। आंध्र प्रदेश के चीफ मिनिस्टर और वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगन मोहन रेड्डी पर भी प्रवर्तन निदेशालय की नजर है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

पतंजलि ने कर्ज में डूबी कंपनी को खरीदने में दिखाई दिलचस्पी, दिया 830 करोड़ का ऑफर

नईदिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने कर्ज से दबी कंपनी रोल्टा इंडिया के अधिग्रहण में दिलचस्पी दिखाई है। ईकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने 830 करोड़ रुपये का कैश ऑफर दिया है। पतंजलि का ऑफर ऐसे समय में आया है जब पिछले हफ्ते ही पुणे की कंपनी अशदान प्रॉपर्टीज को बैंकों ने सबसे बड़ा बोलीदाता घोषित किया था। पतंजलि आयुर्वेद ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के पास अपने ऑफर को शामिल किए जाने का आग्रह किया है। एनसीएलटी ने इस पूरे मामले पर एक कमेटी का गठन किया है। जो इस बात पर फैसला करेगी कि पतंजलि को बोली को प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए या नहीं। रोल्टा इंडिया ने 1400 करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज ले रखा है। कंपनी वित्तीय हालात इतनी खराब है कि अब वह यह कर्ज लौटाने में असफल हो रही है। जिसकी वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की दायर याचिका पर जनवरी 2023 में कंपनी बैंकरप्सी प्रक्रिया शुरू हुई। बता दें, यूनियन बैंक की अगुवाई वाले बैंकों के समूह से रोल्टा इंडिया ने 7100 करोड़ रुपय का कर्ज लिया है। वहीं, सिटी ग्रुप की अगुवाई वाले बैंकों से 6699 करोड़ रुपये अनिसिक्योर्ड पैसा लिया है। इस कंपनी के प्रमोटर कमल सिंह है। यह एक आईटी कंपनी है। कंपनी अपनी सर्विसेज डिफेंस एंड होम लैंड सिक्योरिटी, पॉवर फाइनेंशियल सर्विसेज, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और हेल्थकेयर में देती है। वित्त वर्ष 2022 में कंपनी को 1000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। जबकि इस दौरान रेवन्यू महज 38 करोड़ रुपये का था।

टीसीएस ने प्रमोशन, सैलरी हाइक के लिए बनाया कड़ा नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज आईटी कंपनी ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने सैलरी हाइक और वेरिएबल की योग्यता तय करने के लिए एक नियम बनाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी के उन्हीं कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा जो ऑफिस आकर काम कर रहे हैं। टीसीएस ने पिछले साल से कुछ टीम के लिए हफ्ते में 5 दिन ऑफिस आना अनिवार्य कर दिया था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने टीम लीड्स को इस नए नियम की जानकारी दे दी है। साथ ही कहा है कि इस आधार पर ग्रेड दें। कर्मचारियों का प्रमोशन भी उनके ऑफिस से आकर काम करने के ट्रैक रिकॉर्ड पर निर्भर करेगा। टीसीएस ने ज्यादातर कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम 1 अक्टूबर को समाप्त कर दिया था। कंपनी ने हफ्ते में 5 दिन कर्मचारियों को ऑफिस आकर काम करने की बात कही थी। साथ ही कंपनी ने ऑफिस आ रहे कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड भी बनाया था। जून 2023 की तिमाही में टीसीएस के सीईओ के कृतिवासन ने कहा था कि हम एसोसिएट्स, कस्टर्स और टीसीएस के लिए ऑफिस से आकर काम करने में विश्वास करते हैं। हाल ही मनी कंट्रोल से बातचीत के दौरान के कृतिवासन ने बताया था कि 65 प्रतिशत कर्मचारी ऐसे हैं जो हफ्ते में 3 दिन से 5 दिन ऑफिस आकर काम कर रहे हैं।

कुछ निवेशक सीईओ बायजू रवींद्रन को पद से हटाने की कर रहे साजिश: बायजू

नईदिल्ली, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रही एडटेक फर्म बायजूस ने अपने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में 'कुछ निवेशकों' पर निशाना साधा और दावा किया कि वे कंपनी के खिलाफ साजिश रच रहे हैं और संकट के समय में कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी बायजू रवींद्रन को पद से हटाना चाह रहे हैं।

बायजूस नकदी संकट, वित्तीय रिपोर्टिंग में देरी करने और कर्ज देने वाली संस्थाओं के साथ कानूनी विवाद जैसी कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। कर्मचारियों को भेजी गई आंतरिक नोट की कॉपी में कहा गया है, 'हम जिस संकट का सामना कर रहे हैं, उसे कई निवेशक षड्यंत्र के एक अवसर के रूप में देख रहे हैं और संस्थापक एवं समूह सीईओ को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।'

प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं

इस बीच बायजूस की प्रवर्तक कंपनी थिंक ऐंड लर्न ने कहा कि निवेशकों को कंपनी का मुख्य कार्याधिकारी बदलने के लिए मतदान करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने असाधारण आम बैठक बुलाने और बायजू रवींद्रन को पद से हटाने की मांग करने वाले कुछ चुनिंदा निवेशकों के बयान पर निराशा जाहिर की। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, 'इन दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में हम इस बात पर जोर देंगे कि शेयरधारकों का अनुबंध उन्हें सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं देता है।'

ईजीएम बुलाने की मांग

कंपनी ने कहा, 'कुछ निवेशकों की ऐसी हरकत देखकर हमें दुःख हो रहा है। उन्हें इस चुनौतीपूर्ण समय में सीधे मीडिया से बात करने के बजाय हमारी लड़ाई में सहयोग करना चाहिए था। हमारे संस्थापक बायजूस के सबसे बड़े निवेशक और महानतम योद्धा हैं।' यह आंतरिक नोट ऐसे समय में जारी किया गया है जब बायजूस के प्रमुख शेयरधारकों के एक वर्ग ने गुरुवार को कंपनी को नोटिस जारी कर 'लगातार चल रही समस्या' के समाधान के लिए असाधारण आमसभा (ईजीएम) बुलाने की मांग की है। इनमें कंपनी के प्रबंधन में प्रस्तावित बदलाव भी शामिल है। कंपनी ने निवेशकों से कुल 5.08 अरब डॉलर जुटाए हैं। बायजूस ने जनरल अटलांटिक, सोफिना, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, प्रोसस, सुमेरू वेंचर्स, ब्लैकरॉक, चान जुकरबर्ग इनीशिएटिव, सिल्वर लेक, टेनसेंट तथा टाइगर ग्लोबल जैसे निवेशकों से पूंजी जुटाई है। पिछले महीनों में बायजूस ने अपने कर्मचारियों को भेजे कई ईमेल में उल्लेख किया है कि उन्हें ऐसी अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है जैसा कि बहुत कम कंपनियों ने देखा है। इसमें कहा गया है कि जब कंपनी की आर्थिक स्थिति खराब हो गई तो निवेशक आगे आने में हिचकते रहे लेकिन संस्थापक ने व्यक्तिगत तौर पर 1 अरब डॉलर से ज्यादा की पूंजी लगाई ताकि कंपनी सुचारू रूप से चलती रहे। सूत्रों के मुताबिक बायजूस ने अभी तक अपने कर्मचारियों को जनवरी का भी वेतन नहीं दिया है।

सीईओ को बदलने पर निवेशकों के पास कोई मतदान अधिकार नहीं: बायजू

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड ने श कहा कि शेयरधारक समझौते के तहत निवेशकों के पास सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर कोई मतदान अधिकार नहीं है। कंपनी बायजू ब्रांड नाम के तहत काम करती है। बायजू के कम से कम छह निवेशकों ने कंपनी के प्रमुख से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने और कंपनी पर संस्थापकों का नियंत्रण खत्म करने के लिए एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाई है। कंपनी ने एक बयान में कहा, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड ने दुख के साथ कुछ चुनिंदा निवेशकों के बयान को संज्ञान में लिया है, जिसमें संस्थापक और समूह सीईओ बायजू रवींद्रन को बदलने के लिए ईजीएम की मांग की गई है। इन दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में, हम यह बताना चाहेंगे कि शेयरधारक समझौता उन्हें सीईओ या प्रबंधन में बदलाव पर वोट देने का अधिकार नहीं देता है। ईजीएम बुलाने के लिए भेजी गई नोटिस में नीदरलैंड की निवेश कंपनी प्रोसस के नेतृत्व में निवेशकों ने प्रशासन के मुद्दों, वित्तीय कुप्रबंधन और अनुपालन मुद्दों के समाधान तथा निदेशक मंडल के पुनर्गठन का अनुरोध किया है।

सोलर स्कीम लॉन्च होते टाटा एक्टिव, बजट में ऐलान के बाद शेयर बना तूफान

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना स्कीम के ऐलान के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर लिमिटेड एक्टिव मोड में आ गई है। टाटा पावर ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में अपने सोलर प्रोजेक्ट और इसके फाइनेंस से जुड़ी जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सोलर सब्सिडयरी कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड यानी टीपीएसएसएल ने पिछले 4.5 वर्षों के दौरान सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की कस्टमर फाइनेंस फैसलिटी दी है।

टाटा पावर ने कहा कि टीपीएसएसएल ने 2,200 से अधिक कॉमर्शियल और औद्योगिक ग्राहकों को फाइनेंस सॉल्युशन की सुविधा प्रदान की। इन परियोजनाओं का मूल्य लगभग 3,400 करोड़ रुपये है। इसमें गैर-आवासीय के लिए 850 मेगावाट और आवासीय ग्राहकों के लिए लगभग 9 मेगावाट शामिल है। टीपीएसएसएल ने 1,000 से अधिक ग्राहकों को हाउसिंग लोन की सुविधा दी है, जिससे लगभग 55 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में योगदान मिला है। बता दें कि टीपीएसएसएल ने पीएसयू, निजी बैंकों और एनबीएफसी सहित 20 से अधिक सक्रिय लेंडर्स के साथ सहयोग किया है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, टाटा कैपिटल, ग्रीनलांस एनर्जी, इकोफी, क्रेडिट फेयर, पेटीएम शामिल हैं। इस बीच, बीएसई पर टाटा पावर के शेयर 0.18 प्रतिशत बढ़कर 389.55 रुपये पर पहुंच गए। बता दें कि बीते एक फरवरी को शेयर की कीमत 396.70 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। दिसंबर 2023 तक टाटा पावर में प्रमोटर की शेयरहोल्डिंग 46.86 फीसदी तो पब्लिक शेयरहोल्डिंग 53.14 फीसदी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना से एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल सकेगी जिससे उन्हें सालाना 18,000 रुपये तक की बचत होगी।

मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 15 मिनट में कर ली मुकेश अंबानी से ज्यादा कमाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गुरुवार को कारोबार के दौरान 14 फीसदी तेजी आई। दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी के साथ 14 अरब डॉलर रहा। यह बाजार के अनुमान से कहीं अधिक है। इस दौरान कंपनी की सेल भी 25 फीसदी तेजी के साथ 40 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गई। रिजल्ट की घोषणा होते ही कंपनी के शेयरों में भारी तेजी देखने को मिली। महज 15 मिनट में कंपनी का मार्केट कैप 130 अरब डॉलर बढ़ गया। यह भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ से ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं।

मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स का शेयर अक्टूबर 2022 के निचले से 400 प्रतिशत उछल चुका है। गुरुवार की तेजी के बाद कंपनी मार्केट कैप 1.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया था। मेटा अभी दुनिया की सातवीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। कंपनी ने पहली बार अपने निवेशकों के लिए डिविडेंड देने की घोषणा की है। प्रति शेयर 0.50 डॉलर डिविडेंड दिया जाएगा और इसके लिए रेकॉर्ड डेट 22 फरवरी रखी गई है। कंपनी ने साथ ही 50 अरब डॉलर के शेयर बायबैक की भी घोषणा की है। पिछले साल कंपनी का प्रॉफिट 69 परसेंट तेजी के साथ 39 अरब डॉलर रहा। पिछले एक साल में कंपनी का शेयर 109 परसेंट बढ़ चुका है।

कौन है सबसे वैल्यूएबल कंपनी

माइक्रोसॉफ्ट तीन ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। आईफोन बनाने वाली ऐपल 2.889 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। सऊदी अरामको (2.001 ट्रिलियन डॉलर) तीसरे, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (1.763 ट्रिलियन डॉलर) चौथे, ऐमजॉन (1.645 ट्रिलियन डॉलर) पांचवें, एनवीडिया (1.556 ट्रिलियन डॉलर) छठे और मेटा प्लेटफॉर्म्स (1.014 ट्रिलियन डॉलर) सातवें नंबर पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (237.35 अरब डॉलर) के साथ इस लिस्ट में 44वें, टीसीएस (172.25 अरब डॉलर) 71वें और एचडीएफसी बैंक (143.45 अरब डॉलर) 91वें नंबर पर है।

मुंबई की बिजली वितरक कंपनियों के बीच नंबर 1 बनी अदाणी इलेक्ट्रिसिटी

मुंबई: अदाणी इलेक्ट्रिसिटी, मुंबई की सबसे बड़ी बिजली वितरक कंपनी, को भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी 'कंज्यूमर सर्विस रेटिंग्स फॉर 2023' में एक बार फिर प्रभावशाली 'ए' रेटिंग मिली हैयह उपलब्धि भारत की 62 डिस्कॉम्स में अदाणी इलेक्ट्रिसिटी को शीर्ष पर रखती है। यह प्रतिस्पर्द्धी दरों पर विश्वसनीय, स्थायित्वपूर्ण एवं ग्राहक पर केन्द्रित विद्युत सेवाएं प्रदान करने के लिये कंपनी की प्रतिबद्धता दिखाती है। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी का कहना है कि हम अपने 31.5 लाख ग्राहकों के लिये 24 घंटे प्रतिदिन के औसत से बिना किसी बाधा के बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। यह 23.59 घंटे के राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ग्राहक के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिये लगातार नए-नए आविष्कार कर रही है। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के ग्राहकों को अभी होने वाली बिजली की आपूर्ति में सौर एवं पवन ऊर्जा का लगभग 35% योगदान है। कंपनी का लक्ष्य 2027 तक इसे 60% करने का है। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर कंदर्प पटेल ने कहा, हम नेशनल रेटिंग्स में मुंबई की डिस्कॉम्स के बीच नंबर 1 बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह 'ए' रेटिंग प्रतिस्पर्द्धी दरों पर विश्वसनीय एवं स्थायित्वपूर्ण बिजली के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। 24x7 बिजली, न्यूनतम कटौतियाँ और तेजी से कनेक्शन देना तो सिर्फ शुरूआत है। हम रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्ट ग्रिड्स और डिजिटल सेवाओं के साथ नवाचार कर रहे हैं, ताकि आपका अनुभव और भी बेहतर हो। अदाणी इलेक्ट्रिसिटी को चुनने के लिये थैंक यू मुंबई।

adani Electricity

अडानी के इस शेयर में है सुस्ती, एक्सपर्ट बोले-1340 तक जाएगा भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में तूफानी तेजी के बीच अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर सुस्त नजर आए। ग्रुप की ज्यादातर कंपनियों के शेयर रेड जोन में बंद हुए। अडानी ग्रुप के शेयर अडानी टोटल गैस की भी क्लोजिंग 1000 रुपये से नीचे हुई। हालांकि, ब्रोकरेज का मानना है कि इस शेयर में आगे तेजी आएगी।

क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी टोटल गैस के ग्रोथ पर पॉजिटिव रुख को बरकरार रखा है और 1,340 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। अभी इस शेयर की कीमत बीएसई पर 999 रुपये है। बीते शुक्रवार को शेयर की कीमत 1014.25 रुपये तक गई थी लेकिन बाद में लुढ़क कर शेयर निगेटिव में बंद हुआ। बता दें कि वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी ग्रुप के कुछ शेयरों पर कवरेज फिर से शुरू कर दी है। अडानी टोटल गैस के लिए वेंचुरा ने एफवाय23 से एफवाय26 की अवधि में राजस्व, एबिटा और पीएटी क्रमशः 25.3 प्रतिशत, 39.9 प्रतिशत और 42.6 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। एबिटा मार्जिन और प्रॉफिट मार्जिन भी क्रमशः 780 आधार और 570 बीपीएस बढ़कर 27.7 प्रतिशत और 17.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है। रिटर्न अनुपात आरओई और आरओआईसी क्रमशः 26.1 प्रतिशत और 31 प्रतिशत तक जाने का अनुमान है।

कंपनी के तिमाही नतीजे

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में अडानी टोटल गैस का प्रॉफिट 16 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने कहा है कि सीएनजी की बिक्री में जोरदार उछाल से उसका मुनाफा बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में सीएनजी की बिक्री 24 प्रतिशत बढ़कर 14.4 करोड़ मानक घनमीटर हो गई, जबकि पाइपलाइन वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर आठ करोड़ मानक घन मीटर हो गई। बता दें कि यह कंपनी अडानी समूह और फ्रांस की टोटलएनर्जीज का ज्वाइंट वेंचर है।

विंडफाल टैक्स में सरकार ने किया इजाफा, डीजल, एटीएफ में बदलाव नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जैसी दिग्गज ऑयल कंपनियों के लिए झटका है। सरकार ने विंडफाल टैक्स बढ़ाने का फैसला किया है। शनिवार को पेट्रोलियम क्रूड की कीमत 1700 रुपये प्रति टन से बढ़कर 3200 रुपये प्रति टन हो गई है। हालांकि, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर विंडफाल टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह पहले की तरह शून्य ही रहेगा। 16 जनवरी को सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड के विंडफाल टैक्स में कटौती किया था। बता दें, सरकार विंडफाल टैक्स में हर 2 हफ्ते में फैसला करती है।

केंद्र सरकार ने पहली बार जुलाई 2022 में विंडफाल टैक्स लगाया था। सरकार ने विंड फॉल टैक्स का दायर तेल उत्पादक से बढ़ाकर गैसोलाइन, डीजल और एविएशन फ्यूल एक्सपोर्ट करने वालों पर भी लगाया था। रिफाइनरी कंपनियों ने इंटरनेशनल मार्केट में तेल बेचने की इच्छा जाहिर की थी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध सहित वैश्विक स्तर पर उभरी चुनौतियों के बीच भारतीय तेल कंपनियों ने मोटा मुनाफा कमाया है। मौजूदा परिस्थितियों में भारतीय तेल कंपनी को फिर से तगड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है।

पेट्रोल स्कूटर के दाम पर खरीदिए अब ई-स्कूटर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टू-वीलर्स ो केंद्र सरकार की ओर से मिलने वाली म-2 सब्सिडी में पिछले दिनों काफी कमी ो गई है। जिसके बाद माना जा रहा था कि -स्कूटरों की कीमतें बढ़ सकती हैं और नकी बिक्री में भी कमी आ सकती है। किन सब्सिडी कम होने के बावजूद बिक्री कमी नहीं आई, बल्कि उसमें तेजी ही दिख ी है। दूसरे, सब्सिडी कम होने के बावजूद पनियां ई-स्कूटरों की कीमतों में लगातार मी भी कर रही हैं। अब मार्केट में मौजूद यादातर अच्छी रेंज वाले ई-स्कूटरों की ीमतें पेट्रोल स्कूटरों के लगभग बराबर या ई मामलों में उनसे कम भी हो रही हैं।

ोला का दाम इतना हुआ कम

सब्सिडी कम होने के बावजूद ई-स्कूटर्स स्ते हो रहे हैं। अब ओला को ही देखिए। ोला इलेक्ट्रिक के स्कूटरों को अब 79,999 ाख रुपये की शुरुआती कीमत में खरीदा जा कता है। ओला का एस1 एक्स का बेस रिएंट इस प्राइस में बेचा जाएगा। इसके साथ ओला ने एस1एक्स का एक 4केएचडब्ल्यू टरी वाला वेरिएंट लॉन्च किया है, जिसकी ीमत 109,999 रखी गई है। 110 सीसी के जन वाले पेट्रोल स्कूटरों की कीमतें भी 80 जार से 1 लाख रुपये के बीच हैं।

एथर ने भी कीमतें घटाई

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बात हो तो बिना एथर एनर्जी के जिक्र के यह अधूरा रहता है। इस कंपनी की गिनती देश की पहली इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में होती है। साल 2023 में आईआईटी मद्रास के दो छात्रों तरुण मेहता और स्वप्निल जैन ने मिल कर इस कंपनी को शुरू किया था। ओला से पहले ही एथर ने भी अपने ई-स्कूटर की कीमतों में कमी की ऐलान किया था। दिल्ली में इस स्कूटर की कीमत स्टेट सब्सिडी के बाद एक लाख रुपये से नीचे आ गई है।

क्या है कंपनियों की रणनीति

इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनियां इस समय या तो मौजूद मॉडल्स की कीमतों में कमी कर रही हैं या फिर नए किफायती वेरिएंट्स लेकर आ रही हैं। बजाज के चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमतों में भी भारी कमी की गई है और अब इसकी कीमत कई राज्यों में 1.15 लाख रुपये तक हो गई है। पहले यह स्कूटर डेढ़ लाख रुपये तक में मिलता था। हीरो मोटोकॉर्प के इलेक्ट्रिक स्कूटर विदा पर भी कंपनी भारी भरकम डिस्काउंट दे रही है।

कई और नामी कंपनियां कूद रही हैं इस बाजार में

इस वक्त ई-स्कूटर मार्केट में टीवीएस, बजाज और हीरो मोटोकॉर्प के ही प्रोडक्ट मौजूद हैं। होंडा, यामाहा, सुजुकी जैसी मेन स्ट्रीम टू-वीलर्स ब्रैंड भी अपने प्रोडक्ट लाने को रेडी हैं। ऐसा होने पर ई-स्कूटर के बाजार में हलचल बढ़ेगी और नई प्राइस वॉर भी शुरु हो सकती है।

एमजी कॉमेट ने भी कीमतें घटाई

एमजी मोटर्स ने शुक्रवार को इंडिया की सबसे सस्ती ईवी की कीमतों में एक लाख रुपये की और कमी कर दी। कंपनी की कॉमेट ईवी अब 6.99 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत में मिलेगी। पहले ये करीब 8 लाख रुपये में मिल रही थी। कंपनी इस गाड़ी को एक अर्बन मोबिलिटी सॉल्यूशन की तरह पेश कर रही है। दूसरी इलेक्ट्रिक कारों से यह काफी अलग दिखती है लेकिन इसके कॉम्पैक्ट साइज और नई कीमतों ने इसे एक आकर्षक विकल्प बना दिया है।

133 प्रतिशत बढ़ गया टाटा मोटर्स का प्रॉफिट, कर्ज फ्री होने जा रही कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स लिमिटेड ने शुक्रवार को दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। टाटा मोटर्स लिमिटेड को दिसंबर तिमाही में 133.32 प्रतिशत नेट प्रॉफिट हुआ और यह बढ़कर 7,100 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले की अवधि में 3,043 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1,10,600 करोड़ रुपये हो गया।

टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा, हम सभी तीन ऑटो व्यवसायों पर सकारात्मक बने हुए हैं। हमें उम्मीद है कि नए लॉन्च और जेएलआर में सप्लाई में सुधार के कारण त्त्4 (मार्च तिमाही) में प्रदर्शन में और सुधार होगा। हमने दिसंबर तिमाही में 9,500 करोड़ रुपये की शुद्ध ऋण कटौती हासिल की है और हम कर्ज मुक्ति की

अपनी योजनाओं को हासिल करने के प्रति आश्वस्त हैं।

टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी पीबी बालाजी ने कहा, यह देखना संतोषजनक है कि हमारे व्यवसाय अपनी अलग-अलग रणनीतियों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और तिमाही के लिए मजबूत परिणाम दे रहे हैं, जिससे यह लगातार छह तिमाहियों में डिलीवरी कर रहा है। बालाजी ने कहा, हमारा लक्ष्य साल को मजबूत स्थिति में समाप्त करना है और आने वाली तिमाहियों में अपने प्रदर्शन को बनाए रखने के प्रति आश्वस्त रहना है। टाटा मोटर्स के शेयर 882.80 रुपये पर आज बंद हुए हैं। महीनेभर में यह शेयर 13 प्रतिशत और इस साल वायटीडी में यह 11 प्रतिशत चढ़ा है। पिछले छह महीने में यह शेयर 43 प्रतिशत तक चढ़ा है। सालभर में यह शेयर करीबन 100 प्रतिशत तक चढ़ गया है। पांच साल में टाटा मोटर्स के शेयर 480 प्रतिशत तक चढ़ा है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 901.90 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 400.40 रुपये है।

इंग्लैंड ने 399 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाये एक विकेट पर 67 रन

–इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में जीत से 332 रन दूर , 67/1

– शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बनाये 255 रन

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। इंग्लैड की टीम को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए 332 रनों की और जरुरत है। भारतीय टीम ने शुभमन गिल के शतक से मेहमान टीम को जीत के लिए दूसरी पारी में 399 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 67 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय रेहान अहमद 9 और जैक क्राउली 29 रनों पर खेल रहे थे। वहीं बेन डेकेट 28 रनों पर आउट हुए।

इससे पहले भारतीय टीम ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के छह विकट से इंग्लैंड को दूसरे दिन पहली पारी में केवल 253 रन पर ही रोक दिया था। वहीं तीसरे दिन भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में दूसरी पारी में 255 रन बनाकर आउट हो गयी। भारतीय टीम को इस मैच में पहली पारी के आधार पर 143 रनों की बढ़त हासिल थी। इस प्रकार उसी कुल बढ़त 398 हो गयी। भारतीय टीम ने इस मैच में अपनी पहली पारी में यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की सहायता से 396 रन बनाए थे जबकि मेहमान टीम को जसप्रीत बुमराह ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में छह विकेट पर 253 रनों पर ही रोक दिया था। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम के पास 143 रन बढ़त थी। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में स्पिनरों ने खास दबाव बनाये रखा टॉम हार्टले ने 4 जबकि रेहान अहमद ने 3 विकेट लिए। इस प्रकार इन दोनो ने कुल 7 विकेट लिए। वहीं दो विकेट जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर ने लिए।

दूसरी पारी में भारत की ओर से शुभमन के अलावा अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

वहीं पहली पारी में इंग्लैंड की टीम तेजी से रन बना रही थी पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने तेजी से 2 विकेट लेकर मेहमान टीम को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद स्पिनर कुलदीप यादव ने बेन डकेट को 21 रन पर काउट कर दिया। जैक क्राउली ने दूसरे छोर से तेजी से रन बनाना जारी रखा और 11 चौके और 2 छक्के लगाये पर बुमराह ने अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को 5 रन और ओली पोप को 23 रनों पर पवेलियन भेजकर इंग्लैंड की टीम को करारा झटका दिया।

दूसरे सत्र में क्राउली ने आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने कुलदीप पर छक्का लगाकर अपना

अर्धशतक पूरा किया। क्राउली और डकेट की सलामी जोड़ी ने इंग्लैंड को 6 ओवर में बिना किसी नुकसान के 32 रन पर पहुंचा दिया था। डकेट ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों को जमकर पीटा और शुरुआती दो ओवरों में ही 22 रन बटोरे। इससे पहले भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 336 रन से आगे खेलते हुए कल के स्कोर में 60 रन बनाये और वह लंच से पहले सिमट गयी। यशस्वी ने 290 गेंद में 209 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और सात छक्के लगाये।

विश्व शतरंज रैंकिंग : पहली बार टॉप 20 में पहुंचे पाँच भारतीय , भारत विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व शतरंज के द्वारा जारी की गयी ताजा विश्व रैंकिंग में पहली बार पाँच भारतीय शतरंज खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 20 में पहुँच गए है । हालांकि इस बारा कोई भी भारतीय खिलाड़ी शीर्ष 10 में जगह नहीं बना सका है पर जल्द ही शीर्ष 10 में भी कई भारतीय होंगे । भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन आनंद 2748 ईएलओ अंको के साथ 12वे , आर प्रज्ञानन्दा 2747 अंको के साथ 13वे , 2747 अंको के साथ विदित गुजराती 14वे और डी गुकेश 2743 अंको के साथ 16वे स्थान पर है जबकि 2738 अंको के साथ अर्जुन एरिगासी 18वे स्थान पर है । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में बात करे तो पेंटाला हरीकृष्णा 2708 अंको के साथ 31वें , एसएल नारायनन 2694 अंको के साथ 42वें , निहाल सरीन 2693 अंको के साथ 43वें , 2662 अंको के साथ अरविंद चितांबरम 73वे , 2654 अंको के साथ रौनक साधवानी 83वें स्थान पर है।

2830 अंको के साथ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें जुलाई 2011 के बाद से कुल 12 साल सात माह से अपने विश्व नंबर एक खिलाड़ी होने के रिकॉर्ड को कायम रखे हुए है ।

महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी 2554 अंको के साथ तीसरे , 2503 अंको के साथ हरिका द्रोणावल्ली 11वे और 2481 अंको के साथ आर वैशाली 14वे स्थान पर चल रही है ।

वहीं टीम रैंकिंग की बात करे तो पुरुष वर्ग में भारत 2713 अंको के साथ दूसरे स्थान पर और मजबूत हुआ है जबकि यूएसए 2724 अंको के साथ पहले और चीन 2684 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

महिला वर्ग में भी भारत 2428 अंको के साथ दूसरे स्थान पर है , यहाँ चीन 2477 अंको के साथ पहले और रूस 2384 अंको के साथ तीसरे स्थान पर है ।

सबसे तेजी से 150 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने इस मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने 150 टेस्ट विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही वह सबसे तेजी से ये आंकड़ा हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। उन्होंने इस दौरान पूर्व कप्तान कपिल देव के अलावा दिग्गज स्पिनर और आर अश्विन और मोहम्मद शमी को भी पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को आउट करते ही यह उपलब्धि अपने नाम की। बुमराह की घातक गेंदबाजी के आगे मेहमान टीम के बल्लेबाज बेबस दिखे। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है। उन्होंने इस मैच में बल्लेबाज ओली पोप को आउट किया, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो , बेन स्टोक्स और टॉम हार्टले को आउट किया। बुमराह ने जेम्स एंडरसन के रुप में छठा विकेट लिया।

बुमराह टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंद फेंककर 150 विकेट हासिल करने वाले भारतीय बने हैं। उन्होंने 150 विकेट हासिल करने के लिए 6781 गेंद फेंकी है जबकि उमेश यादव ने इस कारनामे को करने के लिए 7661 गेंदों का सहारा लिया. जबकि मोहम्मद शमी ने 150 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 7755 गेंदें फेंकी है। वहीं दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव ने डेढ़ सौ टेस्ट विकेट के लिए 8378 गेंदें डाली थी जबकि आर अश्विन ने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए 8380 गेंदें फेंकीं। बुमराह ने जेम्स एंडरसन को आउट कर अपना छठा विकेट लिया। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में 15.5 ओवर में 45 रन देकर 6 विकेट लिए जिससे इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 253 रनों पर ही सिमट गयी।

कोहली की वापसी पर बीसीसीआई अस्पष्ट, जडेजा-शमी के सीरीज से बाहर होने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को यह स्पष्ट नहीं है कि विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए लौटेंगे या नहीं। भारत के वरिष्ठ बल्लेबाज ने व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से छुट्टी का अनुरोध किया था। हालांकि, बीसीसीआई स्पष्ट नहीं है कि बल्लेबाज भारतीय टीम में कब वापसी करेगा।

बीसीसीआई ने प्रशंसकों और मीडिया से इस मामले पर अटकलें न लगाने का अनुरोध किया था। हालांकि, कोहली के करीबी दोस्त एबी डिविलियर्स ने एक यूट्यूब लाइव सत्र में खुलासा किया कि कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'बीसीसीआई की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिवार सबसे पहले आता है और विराट तभी खेलेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह खेलने की स्थिति में हैं।'

डिविलियर्स ने कहा कि कोहली ने ब्रेक लेकर बिल्कुल सही काम किया है। उन्होंने कहा, 'हां, उनका दूसरा बच्चा आने वाला है। यह परिवार का समय है और चीजें उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। यदि आप खुद के प्रति सच्चे नहीं हैं, तो आप यह भूल जाते हैं कि आप यहां किसके लिए हैं। मुझे लगता है कि ज्यादातर लोगों की प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए हम विराट को जज नहीं कर सकते। हां, हमें उनकी कमी खलती है। लेकिन उन्होंने बिल्कुल सही फैसला किया है।'

शमी, जड़ेजा पर संकट के बादल!

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टेस्ट टीम में वापसी की संभावना नहीं है। मोहम्मद शमी वर्तमान में नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान लगी टखने की चोट से उबर रहे हैं जबकि रवींद्र जडेजा को हैदराबाद के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग का चोट लगी थी।

सूत्र ने कहा, 'फिलहाल इस बात की बहुत कम या कोई संभावना नहीं है कि मोहम्मद शमी (जो टखने के इलाज के लिए यूके में हैं) और रवींद्र जडेजा शेष श्रृंखला के लिए फिट होंगे। राहुल बेहतर हो रहे हैं और एक अंतर है दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच एक सप्ताह का समय भी उन्हें मैच के लिए तैयार होने में मदद करेगा।'

विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप : शेरोन ने 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

दोहा (एजेंसी)। शेरोन वैन रूवेंडाल ने विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 किमी ओपन वॉटर तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को कतर के दोहा में रियो 2016 में ओलंपिक स्वर्ण और टोक्यो 2020 में रजत जीतने वाली डच महिला ने स्पेन की मारिया डी वाल्डेस को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। वाल्डेस को रजत, पुर्तगाल की एंजेलिका आंद्रे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दो साल पहले बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 30 वर्षीय वैन रूवेंडाल का यह दूसरा विश्व खिताब है। महिलाओं की पांच किमी ओपन तैराकी स्पर्धा बुधवार को होगी।

मुकेश कुमार के बचाव में उतरे बुमराह

विशाखापत्तनम । भारतयी टीम के युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इससे पहले मुकेश वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका में भी उम्मीद के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। दूसरे टेस्ट में बुमराह ने लगातार विकेट लिए पर दूसरे छोर से मुकेश विफल रहे। इस कारण सोशल मीडिया पर जब मुकेश को प्रशंसक ट्रोल करने लगे। वहीं बुमराह से जब मुकेश के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछा गया, तो बुमराह ने इस युवा तेज गेंदबाज का बचाव करते हुए दावा किया कि वह टेस्ट क्रिकेट में नया आया है और प्रबंधन को उसकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। साथ ही कहा कि जहां तक गलतियों की बात है वह मैं भी करता हूं। मुकेश ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में केवल 7 ओवर ही गेंदबाजी की थी। इस दौरान उन्होंने 6.3 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिए। उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला। बुमराह ने मुकेश का समर्थन करते हुए कहा कि ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। उन्होंने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू किया है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत कर दी है। हमें उस पर बहुत भरोसा है। उन्होंने आगे कहा कि खराब दिन आना या गलतियां करना सामान्य बात है और यहीं से आपको एक क्रिकेटर के रूप में आगे बढ़ने और बेहतर करने में सहायता मिलती है। बुमराह ने कहा कि मुझे लगता है कि यही मानसिकता है, इस प्रकार आपको गलतियां करके सीखना होगा। आप गलतियां करके बेहतर बनते हैं।

डेविस कप: भारत ने पाकिस्तान को हराकर विश्व ग्रुप वन में किया प्रवेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारतीय टेनिस टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। आज यहां पाकिस्तान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे दिन 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने पाकिस्तान के अकील खान और मुजम्मिल मुर्तजा की जोड़ी को दो घंटे तक चले इस युगल मुकाबले में 6-2, 7(7)-6(6) से हराया। यह 2024 डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार आठवीं जीत है। भारतीय युगल जोड़ी ने पहले सेट के पहले गेम में ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी जोड़ी की सर्विस ब्रेककर 1-0 की बढ़त ले ली।

पांचवें गेम में विपक्षी टीम की सर्विस ब्रेक करने के बाद भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने 4-1 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ियों ने पहला सेट 26 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने वापसी करने का प्रयास किया और बेहतरीन तालमेल के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। दूसरे और तीसरे गेम में दोनों टीमों ने बिना कोई अंक गंवाए अपनी-अपनी सर्विस बनाए रखी। हालांकि, भांबरी और माइनेनी ने विपक्षी टीम पर अपना दबदबा बनाये रखा।

भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गंवाया और शेष पांच अंक हासिल कर मैच में जीत दर्ज की और सितंबर में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है कि डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ के पहले दिन रामकुमार रामनाथन ऐसाम-उल-हक कुरैशी को 6(7)-7(3), 7(7)-6(4), 6-0 से हराया था। जबकि श्रीराम बालाजी ने अकील खान को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। दूसरे दिन भारत ने युगल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट : सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका

–पाक का ऑस्ट्रेलिया से होगा

जोहांसबर्ग । अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट में सेमीफाइनल की चार टीमें पक्की हो गयी हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच मुकाबला होगा। पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में अंतिम रही। उसने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मुकाबले में 5 रन से जीत के साथ ही अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पहले ही अंतिम चार में पहुंच गयी थीं। विश्व कप का पहला सेमीफाइनल 6 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच जबकि दूसरा सेमीफाइनल 8 फरवरी को भारत और दक्षिण अफ्रीका का होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अब तक नहीं हारी है। भारतीय टीम ने अपने अंतिम सुपर सिक्स मुकाबले में नेपाल को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। भारत ने लीग स्टेज में 3 जबकि सुपर सिक्स चरण में 2 मैच जीते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंडर 19 विश्व कप का सेमीफाइनल मैच 6 फरवरी को बेनोई में दोपहर 1:30 बजे से होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच अंडर 19 विश्व कप का दूसरा सेमीफाइनल मैच गुरुवार 8 फरवरी को दोपहर डेढ़ बजे से बेनोई में खेला जाएगा.

पाक टीम आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची

विलोमूर पार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान ने आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के सुपर 6 मुकाबले में बांग्लादेश को 5 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। अब सेमीफाइनल में पाक का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम की टक्कर दक्षिण अफ्रीका से होगी। बांग्लादेश के खिलाफ हुए मुकाबले में पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए केवल 155 रन ही बना पायी। वहीं बांग्लादेश की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 150 रन ही बना पाई। पाकिस्तान की ओर से उबेद शाह ने 44 रन देकर पांच विकेट लिए। पाकिस्तान की ओर से इस मैच में श्यामल हुसैन 19 और शाहजैब खान 26 ने अच्छी शुरूआत की थी। इसके बाद अजान अवैस 6 और कप्तान साद बेग 9 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। मध्यक्रम में अराफत मिन्हास ने 34 रन बनाकर स्कोर 155 तक पहुंचाया वहीं बांग्लादेश की ओर से रोहनाट डौला बोरसन और शेख पावेज़ जिबोन ने 4-4 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही। मध्यक्रम में चौधरी मोहम्मद रिजवान 20, अरिफुल इस्लाम 14 और अहरर अमीन 11 के अलावा मोहम्मद जेम्स ने 26 रन बनाये। पाक की ओर से तेज गेंदबाज उबेद शाह ने 10 ओवर में 44 रन देकर 5 तो अली रजा ने 44 रन देकर 5 विकेट लीं और अपनी टीम को जीत दिलायी।

यशस्वी की सफलता का राज बचपन के कोच ने खोला

विशाखापत्तनम । युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने कहा है कि वह तेजी से सीखता है। ज्वाला के अनुसार यशस्वी ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ मुश्किल समय में दोहरा शतक लगाया उससे वह बेहद खुश हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 209 रन बनाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया था। जयसवाल ने अपनी इस पारी के दौरान आक्रामक रुख दिखाया। ज्वाला ने कहा कि यदि आप यहां देखें, तो अन्य सभी बल्लेबाजों ने भी बल्लेबाजी की पर केवल यशस्वी ही मेहमान टीम के गेंदबाजों पर हावी रहे। साथ ही कहा कि पहले टेस्ट में भी उसने अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसने अपने छठे टेस्ट में ही दोहरा शतक लगा दिया है। उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करते देखकर मैं बहुत–बहुत खुश हूं। मैंने उसे बचपन से सिखाया था कि एक अच्छा खिलाड़ी वह है जो हालातों को अच्छी तरह से पढ़ता है और उसी अनुसार खेलता है।

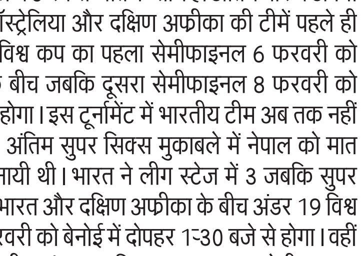

कोच ने कहा कि कई खिलाड़ी बल्लेबाजी करना और अपने स्ट्रोक्स अच्छे से खेलना जानते हैं पर एक खिलाड़ी विशेष होता है जो सत्र के दौरान कब रन बनेंगे ये जानता है। अगर किसी को रक्षात्मक खेलना है और गेंदबाज हावी है तो उसे विकेट न देना भी एक तरह का दबदबा है। टेस्ट क्रिकेट में खेल पर दबदबा बनाना सिर्फ चौके या छक्के मारने के बारे में नहीं है; एक गेंदबाज को निराश करना भी इसमें शामिल है। जब वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा हो तो उसे अपना विकेट न देना भी एक तरह का दबदबा है। उसने इस मैच में आंकलन किया कि जीतने के लिए लंबे समय तक खेलने और सत्र–दर–सत्र खेलने की जरूरत है।

ज्वाला के अनुसार, हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में यशस्वी का 80 रन पर आउट होना एक सीखने वाला अनुभव साबित हुआ, जहां वह फ्लाइट में फंस गए थे और दूसरे दिन के खेल के शुरुआती ओवर में जो रूट को कैच दे बैठे थे। टेस्ट क्रिकेट भी आपसे क्रीज पर समय बिताने की मांग करता है। केवल तेजी से ही खेलकर जीत नहीं मिलती बल्कि इसके लिए हालात देखकर खेलना होता है।

आईओए के सीईओ की नियुक्ति पर पीछे हटने का सवाल ही नहीं : पीटी उषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने रविवार को कहा कि उन्हें नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर पूरा भरोसा है और उन्हें शीर्ष पद पर नियुक्त करने के फैसले से पीछे नहीं हटेंगी। इस तरह की खबरें हैं कि आईओए कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्य एक निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित किया जाएगा।

आईओए ने एक साल बाद और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बार-बार याद दिलाने के बाद छह जनवरी को इंडियन प्रीमियर लीग टीम राजस्थान रॉयल्स के पूर्व अधिकारी अय्यर को सीईओ नियुक्त किया था। हालांकि उनकी नियुक्ति के कुछ हफ्तों के भीतर आईओए की कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों ने आरोप लगाया कि महान खिलाड़ी उषा ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उन पर 'दबाव डाला' था। उषा ने इस आरोप को 'शर्मनाक' बताया। कार्यकारी परिषद के 15 में से लगभग 12 सदस्यों ने तब कहा था कि अय्यर की नियुक्ति को शीर्ष संस्था ने मंजूरी नहीं दी थी। यह पूछे जाने पर कि क्या आईओए अध्यक्ष बनने के बाद से वह समस्याओं से घिरी हुई लगती हैं, उषा ने कहा, 'हर बार। इसे हल करना पड़ता है। जब आप गलत काम करते हैं, तो आपको डरना पड़ता है। जब आप सही और उचित काम कर रहे होते हैं तो फिर इस पर चिंता क्यों।'

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) और भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) द्वारा यहां आयोजित एक समारोह में उषा से सीईओ प्रकरण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, 'सीईओ काम कर रहे हैं। मैं पहले ही उचित तरीके से नियुक्ति कर चुकी हूं और वह काम कर रहे हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों के कथित तौर पर उन्हें हटाने की इच्छा के बावजूद क्या वह अपना सामान्य कामकाज कर सकेंगे, उषा ने कहा, ''शत प्रतिशत (वह बने रहेंगे)। क्यों नहीं? वह एक बहुत अच्छे सीईओ हैं।'

खेल पत्रकारों द्वारा पदक, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित होने के बाद उन्होंने कहा, ''हम हमेशा चाहते थे कि आईओए में एक बड़ा (सीईओ पद पर एक प्रसिद्ध व्यक्ति) अधिकारी हो... और इससे बहुत बड़े पैमाने पर खेलों में मदद मिल सकती है। मैं इसी तरह से सोच रही हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे उन (सीईओ) पर भरोसा है और वह अब जो कुछ भी कर रहे हैं, उस पर मुझे भरोसा है।'

इस अवसर पर जाने माने पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी उपस्थित थे जो सम्मानित अतिथि थे। उन्होंने उषा को 'लाइफटाइम अचीवमेंट% के लिए पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज, पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण, महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और पूर्व धावक मिल्खा सिंह के बाद उषा एसजेएफआई और डीएसजेए 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार पाने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं। उषा ने देश के लिए 103 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। उन्होंने एशियाई खेलों में चार स्वर्ण पदक और सात रजत पदक जीते और तीन बार ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा की।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब

टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पड़ने वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडऩे का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडऩे में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल’ बनाने और

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

मां बनने के बाद रूबीना ने करवाया स्टाइलिश फोटोशूट

रूबीना दिलाइक शोबिज इंडस्ट्री की टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। दमदार एक्ट्रेस होने के साथ-साथ रूबीना बेमिसाल फैशन ट्रेंड से इंटरनेट पर धूम मचाने में कभी असफल नहीं होती हैं। प्रेग्नेंसी के समय में रूबीना ने खूब मैटरनिटी फैशन गोल्स दिए थे। फूलों वाली आउटफिट पहनने से लेकर स्टाइलिश ट्रेडिशनल आउटफिट तक बिग बॉस 14 की विजेता ने फैंस को अपने हर मैटरनीटी फैशन लुक से इंप्रेस किया था।

वहीं अब जुड़वा बच्चों की मां बनने के बाद भी रूबीना का फैशन ज्यों का त्यों हैं। डिलीवरी के दो महीने बाद रूबीना ने दमदार ट्रांसफॉर्मेशन कर लोगों को हैरान कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने तो बेहद ही स्टाइलिश फोटोशूट भी करवाया है जिसकी तस्वीरें अब चर्चा में हैं।

अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में रूबीना पाउडर ब्लू रफ़ल ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही है। रूबीना ने इस गाउन के साथ नेट वाली केप ली थी। तस्वीरों में रूबीना किसी आधुनिक ज़माने की राजकुमारी से कम नहीं लग रही हैं।

चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड से सम्मानित हुए सोनू सूद

लोगों की खूब मदद करते हैं सोनू

अपनी संस्था द सूद फाउंडेशन के माध्यम से अभिनेता ने शिक्षा से वंचितों की मदद की है। साथ ही, उन्होंने गरीबों को उनके उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए काफी मदद की है। उन्होंने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट, वृद्धाश्रम निवास पर भी अब काम शुरू कर दिया है। संकट के समय में समुदायों के उत्थान के लिए उनके समर्पण की विश्व स्तर पर प्रशंसा की जा चुकी है।

सोशल मीडिया पर साझा की खुशी

समारोह से तस्वीरों को साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, भारत के माननीय 37वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के जी बालाकृष्णन (पूर्व) और माननीय न्यायमूर्ति ज्ञानसुधा मिश्रा (पूर्व) द्वारा प्रदान किए जाने वाले चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड महाराष्ट्र को प्राप्त करने के लिए विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सकारात्मक प्रभाव डालने के अवसर के लिए आभारी हूं। साथ ही, मैं समाज और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरी में योगदान देना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। नोट के समापन में अभिनेता ने नंदन झा (अध्यक्ष चैंपियंस ऑफ चेंज अवार्ड कमेटी) को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रयासरत व्यक्तियों के प्रयासों को पहचानने के लिए शुक्रिया कहा है।

सोनू सूद ने निर्देशक के रूप में अपनी पहली फिल्म पूरी कर ली है। फतेह एक साइबर क्राइम थ्रिलर है, जिसमें वे जैकलीन फर्नांडीज के साथ मुख्य भूमिका में हैं। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को उनके उत्कृष्ट मानवीय प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित चैंपियंस ऑफ चेंज पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अपने निस्वार्थ प्रयासों के लिए मशहूर सोनू ने सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए देश के हर कोने से प्रशंसा अर्जित की है।

➲ सोशल मीडिया पर जाहिर की खुशी

रश्मिका हर चीज में लेती हैं विजय की सलाह

एक्टर को बताया अपनी लाइफ का बड़ा सपोर्टर

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिश्ते के बारे में तमाम तरह की खबरें आती हैं। अब एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में एक्टर का जिक्र किया है। उनको अपनी लाइफ का बड़ा सपोर्टर बताया है। साथ ही वह कोई भी काम करती हैं, तो पहले एक्टर से राय लेती हैं। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में नजर आईं रश्मिका मंदाना अपनी पर्सलन लाइफ की वजह से खासा चर्चा में हैं। इनका नाम एक्टर विजय देवरकोंडा क साथ जोड़ा जाता है।

बीच में तो दोनों के शादी की अफवाह भी उड़ी थी, जिसके बाद एक्टर ने सफाई दी थी कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। हालांकि फैन्स का मानना है कि ये दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। बस जाहिर नहीं करना चाह रहे हैं। अब एक लेटेस्ट इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया है कि वह विजय से हर चीज में सलाह मश्वरा जरूर करती हैं। वह उनकी लाइफ के बहुत बड़े सपोर्टर हैं।

रश्मिका और विजय देवरकोंडा को साल 2018 में आई फिल्म गीता गोविंदम में साथ देखा गया था। इसी से इनके रिश्ते की खबरों ने पांव पसारने शुरू कर दिए थे। लेकिन कभी कपल ने इस पर कुछ कहा नहीं। इन्हें अधिकतर बार साथ में स्पॉट किया गया है। दोनों को साथ में वेकेशन डेस्टिनेशन पर भी साथ देखा जाता है। बावजूद इसके ये अपने अफेयर पर चुप्पी नहीं तोड़ते।

विजय देवरकोंडा से रश्मिका लेती हैं सलाह

वी आर युवा से खास बातचीत के दौरान रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह जो कुछ भी करती हैं, उसमें विजय की सलाह जरूर लेती हैं। और उनकी राय को महत्व भी देती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि विजय हां में हां मिलाने वाले इंसान नहीं हैं। वह जो भी होता है, सीधे बोलते हैं। विजय उनकी लाइफ के बड़े सपोर्टर हैं। वह उनका बहुत सम्मान भी करती हैं। वहीं, इस इंटरव्यू में रश्मिका मंदाना ने रणबीर कपूर की तारीफ की। एक्ट्रेस ने कहा कि वह महिलाओं का सम्मान करते हैं। वह जिस तरह से महिलाओं से पेश आते हैं, वह वाकई काबिलेतारीफ है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि अगर उन्हें कुछ भी चीज करने में दिक्कत होती है तो वह जाकर रणबीर को बताती हैं। ऐसे में एक्टर उनसे कहते हैं कि वह ऐसा क्यों सोचती हैं कि नहीं कर पाएंगी। वह कर सकती हैं कुछ भी कर सकती हैं। रणबीर बहुत मोटिवेट करते हैं।

बिग बॉस 17 के विनर पर भड़कीं मन्नारा चोपड़ा

छोटे पर्दे का चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' खत्म हो चुका है। शो को मुनव्वर फारूकी के रूप में इस सीजन का विनर मिल गया है। मुनव्वर फारूकी बिग बॉस 17 जीतकर ट्रॉफी मुंबई के डोंगरी लेकर आ चुके हैं। वहां, उनके फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े कई वीडियोज तेजी से वायरल हो रहे हैं। अभिषेक कुमार शो के रनर अप रहे, वहीं मन्नारा चोपड़ा भी टॉप-3 में रहीं। शो खत्म होने के बाद से बिग बॉस 17 के कंटेस्टेंट लाइलाइट में बने हुए हैं। शो में मुनव्वर और मन्नारा के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली थी। शो में मुनव्वर ने अंकिता के सामने दावा किया था कि मन्नारा ने उन्हें Kiss किया था और वे अनकंफर्टेबल हो गए थे। अब इस पर मन्नारा ने रिएक्टर किया है। एक्ट्रेस ने गुस्से में मुनव्वर से माफी मांगने के लिए कहा है।

रकुल-जैकी ने शादी में आखिरी समय पर कर दिया बड़ा बदलाव

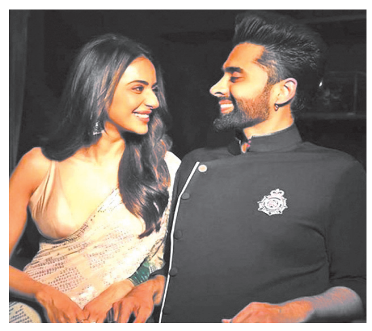

रकुल प्रीत सिंह जैकी भगनानी बी-टाउन के सबसे फेवरेट कपल्स में से एक हैं. फिलहाल ये जोड़ी अपनी शादी को लेकर चर्चा में है। कपल फरवरी में शादी के बंधन मे बंधने जा रहा है। इस कपल की शादी को लेकर फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। ये साल 2024 की सबसे चर्चित सेलिब्रिटी वेडिंग होने वाली है। कई सालों से फैंस जिस दिन का इंतजार कर रहे हैं आखिरकार वो दिन बेहद करीब नजर आ रहा है।

इसी बीच अब खबर आ रही है की लास्ट मोमेंट पर इस कपल की डेस्टिनेशन वेडिंग की लोकेशन में बदलाव किया गया है। जिसकी वजह कोई और नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री बताए जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने की थी अपील

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने बीते साल दिसंबर में उत्तराखंड में हुई एक रैली में सेलेब्स और देश के तमाम अमीरों से अपील की थी कि वे विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करने की बजाय अपने ही देश मे विवाह के बंधन में बंधे और 'वेड इन इंडिया' की नई मुहिम चलाएं।

ऐसे में माना जा रहा है कि देश के प्रधानमंत्री की इस अपील से रकुल प्रीत और जैकी भगनानी प्रभावित हुए हैं और उन्होंने अपनी डेस्टिनेशन वेडिंग लोकेशन में चेंज किया है। अब वह भारत में ही शादी करेंगे। उनकी इस पहल से देश की इकोनॉमी को फायदा होगा और आगे जाकर लोग उनसे इंस्पायर्ड होंगे। इससे उनका देश के लिए प्यार भी साबित हो जाएगा।

वाईआरएफ के साथ मिलकर फिल्म बनाएंगे मोहित सूरी

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के शानदार निर्देशकों में मोहित सूरी का नाम भी जरूर शामिल किया जाता है। अपनी थ्रिलर और रोमांटिक फिल्मों से उन्होंने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके मोहित को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक ने कथित तौर पर एक युवा प्रेम कहानी के लिए आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स के साथ हाथ मिलया है।

यह फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार मोहित एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व में यशराज फिल्म्स के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। यह यशराज कंपनी के सीईओ अक्षय विधानी के प्रोडक्शन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। सूत्रों के मुताबिक मोहित सूरी के निर्देशन में बनने जा रही इस फिल्म को युवा दर्शकों को खास ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। मोहित इस शैली में काफी माहिर हैं, जिसकी वजह से माना जा रहा है कि नई पीढ़ी का दिल जीतने में यह फिल्म कामयाब रहेगी।

मेरे परिवार का मानना है कि डांस दीवाने को जज करना मेरा सबसे अच्छा फैसला है: सुनील शेट्टी

एक्टर सुनील शेट्टी, जो डांस दीवाने में जज के रूप में नजर आने के लिए तैयार हैं, ने साझा किया कि उन्हें अपनी मां, पत्नी माना, बेटी अथिया और बेटे अहान से जबरदस्त सपोर्ट मिला है। शो के जरिए अपने करियर में बदलाव लाने पर सुनील ने खुलासा किया कि यह उनके परिवार का इसमें आकर्षण था, जिसने उन्हें डांस बैटल के जज की सीट तक पहुंचाया। मोहरा फेम एक्टर ने कहा-कई लोगों का मानना है कि यह शायद सबसे अच्छा फैसला है जो मैंने लिया है। मेरी मां ने भी ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उन्हें यह शो बहुत पसंद है। मेरी पत्नी, बेटी, बेटे और दोस्तों ने भी यही बात कही। हालांकि, शुरू में, मुझे इस फैसले पर संदेह था। उन्होंने कहा, जब शो की टीम मेरे पास आई तो मैंने पूछा, मैं ही क्यों? मैं शायद डांस के मामले में देश में सबसे ज्यादा अनाड़ी हूं। टीम ने बताया कि वे इस डांस दीवाने के साथ इस सोच को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा आप बस दीवाने बनके एप्रिशिएट करो जो आपको अच्छा लगता है, इससे मैं कंफर्टेबल हो गया।

सुनील ने प्लेटफॉर्म, शो और को-जज माधुरी दीक्षित को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैंने इस बदलाव को अपनाया। डांस दीवाने हर उम्र के डांसर्स के लिए सबसे ग्रैंड स्टेज पेश करने वाला है। डांस फ्लोर अविश्वसनीय कलाकारों की तीन जनरेशन को एकजुट करने के लिए तैयार है, जो आर्ट के प्रति उनके पैशन से बंधे इंडियन डांस फैमिसी का निर्माण करेगा। एवरग्रीन डांसिंग क्वीन माधुरी दीक्षित नेने जजों के पैनल में फिर से शामिल हुईं। डांस दीवाने का प्रीमियर 3 फरवरी को कलर्स पर होगा।

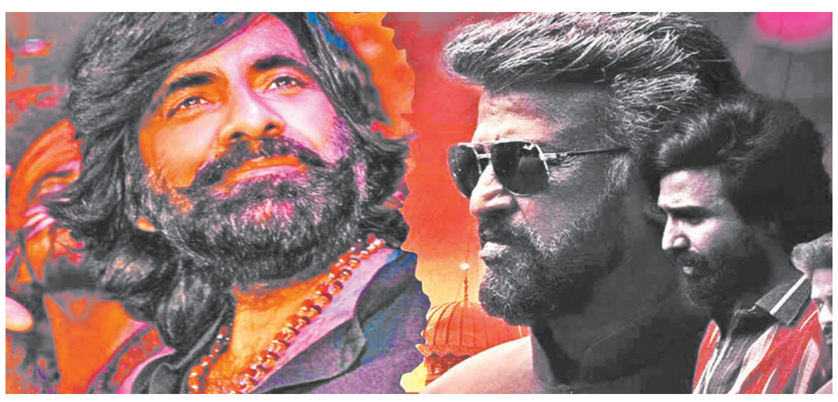

वैलेंटाइन वीक में बॉक्स ऑफिस पर होगी रजनीकांत और तेजा की भिड़न्त

वर्ष 2024 की शुरूआत सिने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन रही है। जनवरी माह में प्रदर्शित हुई फिल्मों में कमोबेश सभी फिल्मों ने अच्छी कमाई की। जनवरी में जो फिल्में प्रदर्शित हुई उनमें मैरी क्रिसमस को छोड़कर सभी दक्षिण भारत की थी। हिन्दी भाषा में बनी मैरी क्रिसमस को असफलता का सामना करना पड़ा, जबकि दक्षिण भारत की गुंटुर कारम, हनु मैन और कैप्टन मिलर ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 400 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की।

वहीं दूसरी ओर 25 जनवरी को प्रदर्शित हुई हिन्दी भाषा में बनी ऋतिक रोशन की फाइटर ने वैश्विक स्तर पर 250 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से ऊपर की कमाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है। अब आने वाले महीने फरवरी के लिए बड़ा पर्दा तैयार है। फरवरी में साउथ के दो बड़े साउथ सुपरस्टार की फिल्में रिलीज होने वाली हैं। साल 2024 जनवरी के महीने में भी गुंटुर कारम और हनुमान जैसी फिल्मों ने फैंस का दिल जीता। दोनों ही फिल्मों का कलेक्शन ही इस बात की गवाही देता है। वहीं दूसरी तरफ तेजा सज्जा की हनुमान की बात करें तो इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं जबकी ये फिल्म महेश बाबू की फिल्म के बाद में रिलीज हुई है।

रजनीकांत-रवि तेजा की फिल्में

फरवरी में साउथ के सबसे बड़े सुपरस्टार रजनीकांत की लाल सलाम आने जा रही है। इस फिल्म में रजनीकांत का रोल एक्स्टेंडेड कैमियो है जिसे देखने के लिए फैंस साल 2023 से ही बेकरार हैं। इसके साथ ही 9 फरवरी, 2024 को रवि तेजा की ईगल आ रही है। पहले ये फिल्म जनवरी में रिलीज होनी थी जिसे बाद में 9 फरवरी के लिए आगे बढ़ा दिया गया। दोनों फिल्मों की रिलीज डेट एक ही है जिसके कारण देखना काफी दिलचस्प होगा की कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितना कमाती है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009